सुप्रभात
रांची, शनिवार
28.06.2025
* * नगर संस्करण। पेज :12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

भक्तों के बीच आये भगवान

ऐतिहासिक रथ यात्रा

धार्मिक उल्लास व आस्था के बीच जगन्नाथपुर मंदिर से निकली भव्य रथ यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में शुक्रवार को रथ यात्रा की शुरुआत हुई। इस पावन अवसर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा मंदिर परिसर से विधिपूर्वक निकाली गयी। इस दौरान हजारों भक्तों ने मुख्य मंदिर से प्रभु का रथ खींचा और प्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को मौसीबाड़ी तक पहुंचाया। रथ को खींचने के लिए हर कोई उत्साहित था। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन पूरी (ओड़िशा) की परंपरा के अनुरूप किया गया।

रथ यात्रा से पूर्व भगवान की पूजा अर्चना करते पुजारी और भक्त

रथ यात्रा शाम 5 बजे शुरू : जय जगन्नाथ की जयघोष के बीच ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का शुभारंभ शाम 5 बजे हुआ। इससे पहले दोपहर 2 बजे तीनों विग्रहों को रथ की ओर ले जाया गया और 2:30 बजे तक उन्हें रथ पर स्थापित किया गया। दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक भक्तों ने रथ के पास पूजा की। इसके बाद पुष्पवर्षा के बाद 5 बजे से रथ यात्रा की विधिवत शुरूआत हुई जो हटिया स्थित मौसीबाड़ी तक गयी। रात्रि 7:30 बजे भगवान की मूर्तियों को मौसीबाड़ी में स्थापित किया गया। रात्रि 8 बजे भव्य आरती के साथ रथ 10 दिवसीय मेले का औपचारिक उद्घाटन हुआ।

साल में एक बार मौसी के घर जाते हैं भगवान जगन्नाथ

भगवान जगन्नाथ अपने भाई और बहन के साथ अपने धाम से मौसी बाड़ी (गुंडिचा मंदिर) के लिए रवाना हुए। रथ में सवार होकर मौसीबाड़ी जाने की परंपरा को ही रथ यात्रा कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी मौसी के घर जाते हैं और वहां दस दिनों तक विश्राम करते हैं। इस दौरान भगवान मौसी बाड़ी में ही श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं। यात्रा के दौरान भक्तों ने रथ को रस्सियों से खींचकर भगवान को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। इस कार्य को भाग्यशाली और पुण्य का कार्य माना जाता है। इस दौरान जय जगन्नाथ की जय घोष से माहौल भक्तिमय दिखा।

अब छह जुलाई को अपने धाम लौटेंगे भगवान जगन्नाथ

रथ यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा मौसी बाड़ी में अगले दस दिनों तक विश्राम करेंगे। 6 जुलाई को तीनों विग्रह मुख्य मंदिर लौटेंगे, जिसे घूरती रथ यात्रा कहा जाता है। तब तक मेला परिसर भक्तों से गुलजार रहेगा और धार्मिक गतिविधियों का सिलसिला चलता रहेगा। इस आयोजन में कोई वीआईपी संस्कृति नहीं दिखी। आम लोगों की तरह कई गणमान्य और विशिष्ट अतिथि भी सादगी से रथ यात्रा में शामिल हुए और भगवान के दर्शन किए। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, बीजेपी विधायक नवीन जयसवाल, कांग्रेस नेता आलोक दूबे, विनय सिन्हा दीपू रथ यात्रा में शामिल हुए।

वीडियो संदेश जारी कर सीएम ने की प्रार्थना

प्रभु जगन्नाथ गुरुजी को जल्द स्वस्थ करें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन दिल्ली में हैं। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अस्वस्थ हैं। वे दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाजरत हैं। रांची की ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा पर सीएम ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी किया है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना की है कि गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आयें और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाये रखें। सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर जगन्नाथपुर रथयात्रा को लेकर कहा कि महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल वे वहां उपस्थित होते थे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं।

दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। इसलिए वे इस बार रथयात्रा में शामिल नहीं पाये। भगवान जगन्नाथ से उन्होंने प्रार्थना की है कि गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आयें और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाये रखें। उन्होंने लिखा है कि भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें।

न्यूज डायरी

गुरुजी की हालत गंभीर, आइसीयू में चल रहा ईलाज

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें पहले से ही किडनी की बीमारी है। ब्रेन स्ट्रोक होने के बाद गंगाराम अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। न्यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अस्पताल में उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

झारखंड में एक जुलाई तक बारिश की संभावना

रांची। झारखंड के सभी जिलों में एक जुलाई तक बारिश होने की संभावना है। वहीं 29 जून को राज्य के उत्तरी-मध्य और इसके निकटवर्ती हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून फिलहाल झारखंड में सक्रिय है।

देशभर के आकांक्षी जिला कार्यक्रम में चतरा टॉप पर

नीति आयोग की ओर से मिलेगा 10 करोड़ रुपये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नीति आयोग ने ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला का उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा है। देश के 112 आकांक्षी जिलों में चतरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है। गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉमेंस के लिए भी चुना गया है।

जिले की बहुआयामी प्रगति को सराहा : नीति आयोग ने यह जानकारी साझा की। चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति जैसे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले को नीति आयोग से 10 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है।

डीसी ने दी बधाई

चतरा जिले की उपायुक्त कीर्ति श्री ने जिले की प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुये कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है। हम सभी मिलकर इसे बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंडिगो विमान का टायर पंक्चर, हड़कंप

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शुक्रवार की दोपहर उस वक्त अजीबो-गरीब स्थिति बन गयी जब पटना जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान का टायर पंक्चर हो गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। इस उड़ान को रद्द कर दिया गया, जिससे इसमें सवार यात्रियों को परेशानी हुई। विमान को रांची में ही ग्राउंडेड करना पड़ा। इसी विमान में लखनऊ जाने वाले यात्री भी सवार थे। जानकारी के अनुसार यह विमान दोपहर करीब सवा तीन बजे कोलकाता से रांची में लैंड हुआ था। रांची में जब एप्रन पर विमान की नियमित जांच की गयी तो अगला पहिया पंक्चर निकला। ऐसे में पटना जाने वाले सभी यात्रियों को टैक्सी से पटना के लिए रवाना किया गया, जबकि पटना से लखनऊ जान वाले यात्रियों को कनेक्टिव फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया।

देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी को बताया आवश्यक

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ : राष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के एक मजबूत स्तंभ हैं। वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं।

राष्ट्रपति ने एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एक सुदृढ़ एमएसएमई इकोसिस्टम देश के सतत आर्थिक विकास के लिए न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि आवश्यक भी है। ये उद्यम पूंजी की अपेक्षाकृत कम लागत पर अधिक रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि ये

उद्यम ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में रोजगार पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एमएसएमई क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें मुख्य रूप से वित्तीय समस्या, बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे माल और कुशल कार्यबल की कमी, सीमित बाजार और विलंबित भुगतान शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि एमएसएमई के महत्व और उनकी समस्याओं को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने कई नीतिगत पहल की हैं। इनमें एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों का संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम से कम 35 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्यमों से प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास आदि शामिल हैं।

राष्ट्पति ने विश्वास जताया कि एमएसएमई के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल विलंबित भुगतान के मामलों में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि एमएसएमई की स्थिरता के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है। एमएसएमई द्वारा जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने से स्थानीय संसाधनों से स्थानीय मुद्दों का किफायती समाधान मिल सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है।

Oldest of Jharkhand Since-2004
LAW-JUDICIAL/CLAT
(EXCELLENT RESULT IN JHARKHAND)
JUDICIAL PT RESULT-2024
Total Selection-20 (Gen-4, OBC-5, ST-9, SC-1, EWS-1)
FULL TIME BATCH FOR
JHARKHAND APP EXAM
(PT+MAINS)
FEATURES :
• For PT both GK & LAW Paper will be covered. • Updated Notes for both Law Paper & GK / Current Affairs will be provided. • Regular test series on all subjects of APP exam will be provided.
BATCH STATS FROM 4th JULY
CLAT
FEATURES :
• Updated clat Pattern notes. • Regular Test Series on Clat Pattern.
• Monthly & Daily Current Affairs Magazine.
Full Time batch for Clat Exam for 2026-27
RESULT IN BRIEF

FULL TIME BATCHES FOR JUDICAL EXAMS, CLAT (2026 & 2027)
UGC-NET (LAW PAPER), LLM ENTRANCE ETC.
LAST MINUTE CAPSUL COURSE FOR JHARKHAND JUDICIAL MAINS EXAM
BATCHES AVAILABLE BOTH OFFLINE/ONLINE
• Prepare For Judicial Exams From First Year Of Law Course
• Law Papers For Semester Exams

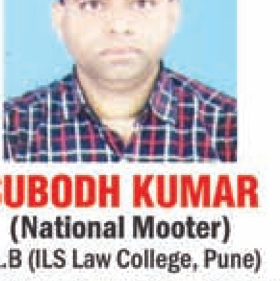

SUBODH KUMAR
(National Mooter)
LL.B (ILS Law College, Pune)
LL.M (First Class with Distinction)
SUBODH LAW CLASSES
4th Floor, Savitri Sadan, Shahid Chowk, Ranchi, Mob.: 8271932310

झारखंड के 8000 से अधिक स्कूलों में एक-एक शिक्षक, कैसे पढ़ें बच्चे

ज्यादातर शिक्षक अनुबंध पर

संजीव मिश्रा

रांची। झारखंड में 8 000 से अधिक सरकारी प्राथमिक स्कूल ऐसे हैं जिनमें सिर्फ एक ही शिक्षक है। जो कि सभी सरकारी प्राथमिक स्कूलों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। यह जानकारी ग्राम स्वराज मंच मनिका ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी है। ग्राम स्व ग्राम स्वराज मंच एक स्वतंत्र संस्थान है जो शिक्षा संबंधी अध्ययन करता है। यह सर्वे 2025 की शुरुआत में नरेगा सहायता केंद्र मनिका द्वारा किया गया था। इसमें मनिका के 55 एकल शिक्षक स्कूलों में से 40 स्कूलों को शामिल किया गया।
सर्वेक्षण मे यह भी बताया गया है कि इन स्कूलों में पढ़ने वाले 84% छात्र अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं। ज्यादातर शिक्षक अनुबंध पर हैं। इनमें से 78% की उम्र 40 साल से अधिक है और केवल 15% महिलाएं हैं। वहीं सिर्फ 17.5% स्कूलों में ही काम करने योग्य शौचालय है और शिक्षक अक्सर रिकॉर्ड संभालने और अन्य गैर-शैक्षणिक कामों में लगे रहते हैं। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता खराब है, जैसे कि अंडे नियम से नहीं दिए जा रहे। यह रिपोर्ट दिखाती है कि एकल शिक्षक स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा लगभग पूरी तरह से चरमरा चुकी है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान वंचित समुदायों के बच्चों को हो रहा है।

मेडागास्कर के रक्षा सम्मेलन में शामिल हुये केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शुक्रवार को मेडागास्कर में मालागासी रक्षा बलों की स्थापना के 65 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों और राजनयिकों के सम्मान में मालागासी सशस्त्र बलों के मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल साहिवेलो लाला मोंजा डेल्फिन द्वारा रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में भारत के सैन्य अधिकारियों के साथ फ्रांस, अमेरिका, चीन, मित्र और दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। श्री सेठ ने भारत की जनता के तरफ से रक्षा बलों को बधाई और शुभकामनायें दिया।
इधर, श्री सेठ ने भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा महोत्सव की शुभकामनायें दी है। उन्होंने कहा कि सदियों से चली आ रही यह यात्रा हमारी एकता, आस्था के साथ सांस्कृतिक पहचान है। सामाजिक समरसता की बेजोड़ झलक इस यात्रा में दिखती है।

अमरनाथ यात्रियों का जत्था रांची रेलवे स्टेशन से रवाना

170 अमरनाथ यात्रियों का जत्था जम्मू के लिये रवाना हुआ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने अमरनाथ यात्रियों को अंग वस्त्र देकर और तिलक लगाकर रवाना किया। शुक्रवार को समाजसेवी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व में 170 अमरनाथ यात्रियों का जत्था रांची रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। श्रद्धालु जम्मू से पहलगाम, चंदनवाड़ी से पैदल यात्रा अमरनाथ का पवित्र गुफा का दर्शन करेंगे। श्रीनगर आकर खीर भवानी का दर्शन करेंगे।
अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का दर्शन करेंगे। वैष्णो देवी का भी दर्शन करने के बाद रांची आयेंगे। रांची आने के बाद देवघर में बाबा का दर्शन करेंगे। मां तारापीठ का दर्शन करेंगे। जत्था में मुख्य रूप से मनोज जायसवाल, विजय चौधरी अजित मालाकार, आकाशदीप, अगनु लोहरा, मनीष सोनी, नवनीत मदमका, आभा कुमारी अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, सुमित्रा देवी, अजय कुमार महतो, अमित पंकज, अंशिका जायसवाल, विश्वजीत कुमार, राजेश कुजूर, हनी कुमार, संजू साहू, नितेश बढ़ई, रूपा गोप, आनंद कुमार सोनी, शक्ति कुमार सहित अन्य शामिल थे।

अस्पतालों की क्रिटिकल केयर को मजबूत बनाने पर रिम्स में प्रशिक्षण

आईसीयू सेवा गांवों तक भी पहुंचाना लक्ष्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में 10 बेड आईसीयू परियोजना के अंतर्गत एक व्यापक क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। यह परियोजना विशेष रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों की गहन चिकित्सा (क्रिटिकल केयर) क्षमताओं को सशक्त बनाने के लिए शुरू की गयी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 बेड आईसीयू पहल का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसकी संकल्पना कोविड-19 महामारी की डेल्टा लहर के दौरान की गयी थी। रिम्स में आयोजित प्रशिक्षण में पांचों सदर अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों, फिजिशियन और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। इसमें प्रथम चरण में रांची, गुमला, लातेहार, चतरा और खूंटी के पांच सदर अस्पतालों को शामिल किया गया है, जिन्हें रिम्स रांची में स्थापित टेली-आईसीयू हब से जोड़ा गया है।

विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आईसीयू देखभाल के विभिन्न प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया है। इसमें बेसिक और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (बीएलएस एंड एसीएलएस) व प्रमाणित प्रशिक्षकों की ओर से भुवनेश्वर से आईसीयू में पेलिएटिव केयर पल्लियम इंडिया के विशेषज्ञ की ओर से, ट्रॉमा प्रबंधन आईजीआईएमएस, पटना से एटीएलएस प्रशिक्षकों की ओर से, वेंटिलेटर प्रबंधन और आईसीयू प्रोटोकॉल रिम्स के क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की ओर से और फोर्थ एक्सेस, सिडेशन और आईसीयू में मानसिक आपात स्थितियां ज्ञ सिद्धांत और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से जानकारी दी गयी।

सभी को मिले बेहतर चिकित्सा

यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य नेतृत्व, निजी परोपकार और स्वास्थ्य नवाचार के बीच एक सशक्त साझेदारी का उदाहरण है, जो यह सुनिश्चित करती है कि उच्च गुणवत्ता वाली आईसीयू सेवा हर व्यक्ति तक पहुंचे, चाहे वह देश के किसी भी कोने में हो। इस परियोजना का उद्देश्य देशभर के माध्यमिक सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह सुसज्जित 10 बिस्तरों वाले आईसीयू की स्थापना कर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवा की खाई को पाटना है। झारखंड में यह क्षमता-विकास पहल कोल इंडिया के योगदान और झारखंड सरकार के सहयोग से लागू की जा रही है।

दूरस्थ परामर्श सेवा : परियोजना शुरू होने से पहले, इन सभी अस्पतालों में आधुनिक क्रिटिकल केयर उपकरण, केयर ईएमआर प्लेटफॉर्म और एकीकृत टेली-आईसीयू प्रणाली स्थापित की गई है। यह डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर रोगियों को तृतीय स्तर के विशेषज्ञों से दूरस्थ परामर्श उपलब्ध कराता है। इससे समय पर और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली चिकित्सा संभव हो पाती है।

कर्मियों की क्लिनिकल दक्षता बढ़ाना उद्देश्य

यह प्रशिक्षण न केवल आईसीयू स्टाफ की क्लिनिकल दक्षता को बढ़ाने के लिए है, बल्कि सभी संस्थानों में देखभाल की गुणवत्ता को मानकीकृत करने के लिए भी है। झारखंड सरकार की भागीदारी ने इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न विभागों में समन्वय और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ई-गवर्नमेंटस फाउंडेशन की ओर से संचालित 10 बेड आईसीयू परियोजना पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित है इसमें आईसीयू उपकरण की आपूर्ति, केयर सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म की तैनाती (जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा 50 वें डिजिटल पब्लिक गुड के रूप में मान्यता प्राप्त है), टेली-आईसीयू प्रणाली का क्रियान्वयन, ठोस प्रशिक्षण कार्यक्रम, और स्थानीय स्वास्थ्य समितियों के माध्यम से समुदाय की भागीदारी शामिल है। यह परियोजना पहले से ही मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, असम, मेघालय, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी सहित 10 राज्यों में सक्रिय है और अब झारखंड में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है।

सदर अस्पताल रांची में लगेगी अत्याधुनिक मैमोग्राफी मशीन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोटरी क्लब रांची के द्वारा सदर अस्पताल में 30 जून को अत्याधुनिक डिजिटल मैमोग्राफी मशीन -वीनस डीआरवी प्लस लगाया जाएगा। शुक्रवार को रोटरी क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्लब के प्रवक्ता प्रवीण राजगढ़िया ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ रांची द्वारा अपने प्रोजेक्ट आरोग्यम-बैटलिंग ब्रेस्ट कैंसर के तहत यह मशीन लगाया जा रहा है। इसमें दक्षिण कोरिया के रोटरी क्लब सुवोन-नोसोंग डी-3750 का भी सहयोग मिला है। मशीन की कीमत लगभग 45 लाख रुपये है। रोटरी क्लब रॉंची के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने बताया कि मशीन लगने के बाद सदर अस्पताल में ब्रेस्ट कैंसर जांच की सुविधा काफी कम दर पर उपलब्ध होगी। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ एक मशीन स्थापित करना नहीं है, बल्कि महिलाओं को समय पर जांच के लिए प्रोत्साहित करना और स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि मशीन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीजी रोटेरियन बिपिन चाचन, फर्स्ट लेडी रोटेरियन शिल्पी चाचन, सिविल सर्जन रॉंची डॉ प्रभात कुमार करेंगे।

रोटेरियन जो इस प्रोजेक्ट को कर रहे सपोर्ट : इनमें में बिपिन चाचन, सुरेश साबू, बिनोद सरावगी, रविंदर सिंह चड्ढा, सुमित अग्रवाल, रमेश धरणीधरका, ललित त्रिपाठी, पवन जायसवाल, आदित्य मल्होत्रा, राजेश नाथ शाहदेव, संदीप मुंजाल, ख्याति मुंजाल, अजय साबू, जसदीप सिंह, सुधा ढानढानिया, दीपक श्रीवास्तव, गिरीश अग्रवाल, हरमिंदर सिंह, रजत बेहल, आस्था बेहल, अश्वनी गुप्ता, गौरव बागरॉय, प्रवीण राजगढ़िया मुख्य हैं।

एमएसएमई एवं कृषि क्षेत्र में करोड़ का क्रेडिट बूस्ट

रांची। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने ओडिशा में एमएसएमई और कृषि जैसे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए समावेशी विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक ने ओडिशा में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में 19604299 करोड़ के ऋण वितरित किए। इसमें से, एमएसएमई को 16102960 करोड़ के ऋण तथा कृषि के अंतर्गत किसानों को 132739 करोड़ के ऋण वितरित की गए। बैंक अपने इस प्रयास से पूरे राज्य में रोजगार सृजन, वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर विकास करने सहायक रहा। इस अवसर पर बैंक अंचल प्रमुख, भुवनेश्वर अंचल ने कहा कि अपार आर्थिक संभावनाओं के साथ ओडिशा एक उदीयमान राज्य है।

मजदूरों का निवाला छीनने का काम कर रहा है झारखंड राज्य खाद्य निगम : संतोष

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य खाद्य निगम के मोटिया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने कहा है कि मजदूरों का निवाला छीनने का घिनौना खेल नहीं खेलने दिया जायेगा। श्री सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पिछले दिनों हटिया रैक से ट्रक नंबर ओडी16ई - 7853 खाद्यान्न (गेहूं) लोड कर गुमला स्थित एफसीआई के डिपो के लिए निकली थी लेकिन एफसीआई और झारखंड राज्य खाद्य निगम के कुछ अधिकारियों के मिली भगत से उक्त ट्रक के ड्राइवर को ट्रांसपोर्टर ने आदेश दिया माल सीधे कामडारा लेकर पहुंचो, इस बात को ड्राइवर मधु ने खुद स्वीकारा है।
संतोष सोनी ने कहा है कि नियमानुसार रैक से लोड गाड़ी सीधे एफसीआई का डिपो जाती है। इसके पश्चात वहां कार्यरत मजदूर उसे खाली कर गोदाम में स्टैक लगाते हैं। उसके बाद जेएसएफसी गोदामों के लिए मजदूर लोड करते हैं। इस प्रकार मजदूरों को दो बार काम करने का मौका मिलता है। इससे मजदूरों की मजदूरी में बढ़ोत्तरी होती है। इसके विपरीत खाद्यान्न का कालाबाजारी के चक्कर में मजदूरों का हक छीन कर रैक से सीधे ब्लॉक में गाड़ी भेजा गया। खबर तो यह भी है कि उसी दिन कामडारा के अलावे बसिया में दो और पालकोट में एक ट्रक भेजा गया था। इससे साफ जाहिर होता है कि विभाग के बगैर मिली भगत के इस तरह के बड़े पैमाने पर कालाबाजारी नहीं किया जा सकता।
संतोष सोनी ने कहा है कि इधर जब मामला का उजागर हुआ तब झारखण्ड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड रांची के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार ने गुमला के परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता रामप्रसाद सोनी को जवाब तलब किया है। पूछे गए स्पष्टीकरण में साफ साफ कहा गया है कि गेहूं लदा वाहन जो एफसीआई के डीपो में जानी है, उसे जेएसएफसी गोदाम के पास ले जाना नियम के विरुद्ध है। यह कृत्य ट्रांसपोर्टर के द्वारा खाद्यान्न कालाबाजारी की मंशा को परिलक्षित करता है। वहीं श्री सोनी ने यह भी कहा है कि अगर उक्त ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध विभाग के द्वारा कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है तो बाध्य होकर आंदोलन करना पड़ेगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या : टीआरडी-आरएनसी-25-26-06, दिनांक : 26.06.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी)/दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** निम्नलिखित कार्य के लिए एक खुली ई-निविदा आमंत्रित करने का प्रस्ताव (1) पीडब्ल्यूआई/मूरी/II के अधीन विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (2) पीडब्ल्यूआई/मूरी/I के अधीन विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (3) पीडब्ल्यूआई/रांची के तहत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (4) पीडब्ल्यूआई/गोविंदपुर रोड के तहत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (5) पीडब्ल्यूआई/बानो के तहत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/ क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (6) पीडब्ल्यूआई/टाटीसिलवे के तहत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/ क्रमोन्नयन कार्यों के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। (7) पीडब्ल्यूआई/लोहरदगा के तहत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार/क्रमोन्नयन कार्य के संबंध में ट्रैक्शन बॉण्ड का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** ₹ 41,58,912.84। **जमा बयाना राशि:** ₹ 83,200। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 18.07.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। ऑनलाइन निविदा के लिए निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं।
(PR-323)

गुरुजी का हाल जानने दिल्ली गये कांग्रेस और राजद के नेता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/ देवघर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह संस्थापक शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद सभी राजनीतिक दल उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं। इस स्थिति में झारखंड के राजनीतिक दलों के सभी बड़े-बड़े नेता उनके स्वास्थ्य का हाल जानने के लिए इच्छुक दिख रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता सह झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी सिरी बेला, राजद नेता सह श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव शुक्रवार को देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए।
दिल्ली रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड के निर्माता शिबू सोरेन की तबीयत खराब है। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में हमारे प्रदेश प्रभारी के. राजू की बैठक चल रही थी। इसी दौरान प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आपलोग तत्काल दिल्ली जाएं और शिबू सोरेन की तबीयत के बारे में अपडेट करें। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन हम सब के अभिभावक हैं। इसलिए हमारी उनके प्रति जवाबदेही बनती है। इसलिए हम उनका हाल जानने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। वहीं दिल्ली रवाना होने से पूर्व देवघर एयरपोर्ट पर झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी सिरी बेला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ही वैसे लोगों का सम्मान किया है जिसने जनता के लिए अपनी जान की परवाह न की हो, वैसे ही वीर सपूत में गिने जाते हैं शिबू सोरेन। सिरी बेला ने बताया कि झारखंड निर्माण में शिबू सोरेन ने जो अपनी भूमिका निभाई है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इसलिए उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए पूरे राज्य के लोग चिंतित हैं। राज्यवासियों और कार्यकताओं की चिंता को देखते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिल्ली पहुंच रहे हैं। वहीं दिल्ली रवाना होने से पूर्व राजद के वरिष्ठ नेता सह श्रम मंत्री संजय यादव ने कहा कि गठबंधन की जितनी भी पार्टियां हैं, वे सभी कहीं ना कहीं गुरुजी से जुड़ी हैं। गुरुजी देश के महान नेताओं में से एक हैं। उनके रहने से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही एक बेहतर दिशा मिलता है। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियां राजनीति से ऊपर उठकर उनके स्वास्थ्य की चिंता कर रही है। उन्होंने बाबा बैद्यनाथ से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का हाल जानने 28 को कांग्रेस प्रभारी व अध्यक्ष जाएंगे दिल्ली

रांची। झामुमो सुप्रीमो सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का स्वास्थ्य लाभ की जानकारी लेने झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शनिवार, 28 जून को देवघर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि संथाल परगना क्षेत्र में पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम में झारखंड प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश नहीं शामिल होंगे। संथाल परगना में चल रहे हूल दिवस पदयात्रा कार्यक्रम चलता रहेगा, इसमें पार्टी के अन्य प्रमुख नेता एवं कार्यकर्तागण शामिल रहेंगे।

एसबीयू में एफडीपी का समापन

रांची। शिक्षकों में अनुसंधान क्षमताओं और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के निमित्त सरला बिरला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम रिसर्च मेथडोलॉजी एडवांस्ड का समापन शुक्रवार को हुआ। इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा सत्रों का आयोजन किया गया। प्रमुख विशेषज्ञों में एसबीयू के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, संत जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता की डॉ. सुमंत दत्ता, सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया के डॉ. चार्ल्स जेबराजकुती, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पूर्व डीन डॉ. अम्बरती नागेश्वर राव, बीआईटी मेसरा के प्रो. आनंद प्रसाद सिन्हा, जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के डॉ. पी. श्रीनिवासन, वीएनएसजीयू, सूरत के डॉ. धवल मेहता, फिब बिजनेस रिव्यू के डॉ. सुधीर राणा, फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और रिमैंप 2025 के संयोजक डीन डॉ. अरबिंद भंडारी शामिल हुए।

रथ यात्रा महोत्सव : संस्कृति और परंपरा का दिखा अनूठा संगम, जगन्नाथपुर मेला का हुआ शुभारंभ

हजारों हाथों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को रथयात्रा के पावन अवसर पर आस्था का अद्भुत जनसैलाब उमड़ा। रथ खींचने और भगवान के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, जिससे पूरा बड़काгढ़ क्षेत्र भक्तिभाव और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

सुबह से ही मंदिर परिसर में रौनक सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। जैसे ही निर्धारित समय पर मंदिर के पट खोले गए, दोपहर बाद सबसे पहले भगवान गरुड़ की प्रतिमा को मंदिर से बाहर लाया गया। इसके बाद विशेष विधि-विधान के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को पुजारियों द्वारा बाहर लाया गया। विशेष पूजा-अर्चना और महाभोग अर्पण के बाद भगवान को सजे-धजे रथ पर जो मंदिर से लगभग 200 मीटर दूर एक विशाल रथ खड़ा था। उस पर विराजमान कराया गया। इसके बाद आरती, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार के बीच रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इसके पूर्व एक घंटे तक मंत्रोच्चार और विशेष पूजन हुआ। इसके बाद जैसे ही रथयात्रा प्रारंभ हुई, 'जय जगन्नाथ' के नारों से आकाश गूंज उठा और हजारों श्रद्धालु मौसीबाड़ी की ओर कूच कर गए। रथ खींचने को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। कई श्रद्धालु नंगे पांव रथ खींचते नजर आए।

यात्रा मार्ग पर लगा था शिविर : यात्रा मार्ग में जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए थे। जहां श्रद्धालुओं के लिए जल, शरबत और प्रसाद वितरित किया गया। मौसीबाड़ी पहुंचने पर भगवान का स्वागत विशेष पूजा-अर्चना और आरती के साथ किया गया।

रथ यात्रा में सांस्कृतिक विरासत की झलक

रथ यात्रा के साथ लगे मेला परिसर में भी जबरदस्त चहल-पहल रही। बच्चों के लिए झूले, खिलौनों की दुकानें, महिलाओं के लिए शृंगार और बड़ों के लिए विभिन्न मनोरंजन के साधन मौजूद थे। खाने-पीने की दुकानों से लेकर धार्मिक साहित्य तक-हर किस्म की दुकानें सजी थीं। मेले में झारखंड की लोक संस्कृति और धार्मिक विरासत की झलक साफ दिखी।

उमड़ा जनसैलाब

इस पावन अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पारंपरिक वस्त्र पहनकर रथ यात्रा में भाग लिया। पूरा वातावरण **'जय जगन्नाथ'** के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचते हुए भक्ति में लीन दिखे। मंदिर प्रांगण से लेकर मौसी बाड़ी तक रास्ते के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखीं। इस बार भी अन्य प्रदेशों से व्यापारी और श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जिससे मेले की रौनक कई गुना बढ़ गई। जगह-जगह भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और झांकियों ने माहौल को और भी भव्य बना दिया।

प्रशासन की सख्त निगरानी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

मेले में 1000 से अधिक पुलिसकर्मी, महिला बल, खुफिया एजेंसी के अधिकारी और वर्दीधारी कर्मी तैनात किए गए हैं। पांच वॉच टावर और 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे मेले की निगरानी कर रहे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। अधिकारियों के लिए भी एक स्टेज बनाया गया है, जिससे वे मेले की गतिविधियों पर नजर रख सकें। इसके अलावा, सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात किए गये है। ताकि किसी भी स्थिति का तुरंत सामना किया जा सके।

प्लास्टिक फ्री मेला और सुरक्षित झूले : इस बार मेला पूरी तरह प्लास्टिक फ्री है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है और उसकी जगह दोना-पत्तल के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें : मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगी है। जिनमें बर्तन, तीर-धनुष, तलवारें, मछली पकड़ने के जाल और घरेलू सामान बेचे जा रहे है। इसके अलावा, मेले में झूले, मीना बाजार और मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटकों की भीड़ भी देखी जा सकती है।

यातायात और अन्य सुविधाएं : जगन्नाथपुर मंदिर मार्ग पर यातायात में बदलाव किया गया है। पुराने विधानसभा के आगे बैरिकेडिंग कर पार्किंग जोन बनाया गया है। वहां से पैदल ही श्रद्धालु मेले में प्रवेश कर सकेंगे। मेला क्षेत्र में फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, मेडिकल कैंप और पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई है।

फोटो : समीर

जगन्नाथपुर मेला का विहंगम नजारा

आलोक कुमार दुबे ने की दिशोम गुरू के लिए प्रार्थना

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने रथ यात्रा महापर्व के पावन अवसर पर लाखों जनमानस के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भाग लेते हुए झारखंड के नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम पाठ और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के बाद प्रभु जगन्नाथ के चरणों में मंच से विशेष प्रार्थना की कि दिशोम गुरु जल्द से जल्द पूर्णतः स्वस्थ हों और एक बार फिर राज्य और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर सक्रिय भूमिका निभाएं।

योगदा सत्संग महाविद्यालय ने रथयात्रा में लगाया स्टॉल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रथयात्रा के पहले दिन योगदा सत्संग महाविद्यालय की ओर से श्रद्धालुओं के लिए एक स्टॉल लगाया गया, जिसमें महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रद्धालुओं को जल एवं अल्पाहार देकर सेवा भाव का परिचय दिया। एनसीसी कैडेट्स पूरी निष्ठा व तन्मयता के साथ रथ सेवा में जुटे रहे।

मौके पर एनसीसी पदाधिकारी डॉ. अभिषेक पांडेय, जयंत मुखोपाध्याय, गोवर्धन कुमार, संजय पाठक, अजय कुमार, रतिया उरांव, रवि राहुल, विकास कुमार, सन्नी कुमार सोनी, विकास पासवान, श्री सोनु कुमार, कुश कुमार, संजय कुमार, रणधीर प्रवीण गाड़ी, श्री प्रकाश, महादेव, भोला, सोमा उरांव, सीमा देवी, बेला देवी, शांति खलखो, पुष्पा देवी, अन्नु रंजीता टोप्पो, चांगो उरांव, पूर्ववर्ती छात्रा ललिता कच्छप ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

रथ मेला में पारंपरिक हथियारों, वाद्य यंत्रों व लोक शिल्प की खूब हुई बिक्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जगन्नाथपुर रथ यात्रा के अवसर पर लगे मेले में इस बार पारंपरिक हथियारों, वाद्य यंत्रों और लोक जीवन से जुड़े उपयोगी सामानों की भारी बिक्री देखने को मिली। मेला परिसर में झारखंड के कोने-कोने से आये कारीगर और दुकानदार अपने सामानों को सजा ग्राहकों के इंतजार में बैठे दिखे।

तोरपा की कुमनी और तीर-धनुष आकर्षण का केंद्र : तोरपा से आये ग्रामीणों द्वारा बनायी गयी कुमनी की कीमत 200 से 650 रुपये के बीच है। पारंपरिक तीर-धनुष की बिक्री भी अच्छी हो रही है, जिसकी कीमत 350 रुपये है।

बोकारो का मांदर बना लोगों की पसंद : मेले मे बोकारो से लाये गये पारंपरिक संगीत वाद्य यंत्र मांदर 2500 रुपये में बिक रहे थे। इसका स्वर लोगों को अपनी संस्कृति की याद दिला रहा था।

घाटशिला के तीर धनुष की भारी मांग : घाटशिला से लाये गये लकड़ी और बांस से बने तीर-धनुष की कीमत 350 रुपये प्रति सेट है। बड़े आकार का तीर-धनुष 850 रुपये तक में बिक रहे थे।

कांके का नगाड़ा और ढोल : चदरिया कपड़े से बना कांके का नगाड़ा और 3500 रुपये की कीमत वाला पारंपरिक ढोल लोगों को अपनी ओर खींच रहा था।

मछली पकड़ने का जाल आकर्षण का केंद्र : मेले में मछली पकड़ने का 5 फीट का जाल 600 रुपये में बिक रहा था। छह फीट का जाल 1400 रुपये में उपलब्ध था। बंगाल से लाया गया 15 फीट का मछली पकड़ने वाला जाल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

लोक संस्कृति के साथ व्यापार का संगम : रथ मेले में केवल श्रद्धा ही नहीं, लोक शिल्प, पारंपरिक जीवनशैली और आदिवासी कला की झलक भी देखने को मिल रही है। लोग इन चीजों को खरीद कर अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर रहे थे।

मेले में लोगों ने जलपरी शो और झूलों का आनंद उठाया, चाउमिन चिल्ली और गोलगप्पे भी खाये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेले में इस वर्ष हजारों दुकानें और कई प्रकार के छोटे बड़े झूले लगाये गये हैं, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इस वर्ष मेले में पहली बार जलपरी शो प्रस्तुत किया गया, जो दर्शकों के लिए एक नया अनुभव था। 50 रुपये में 5 मिनट का यह रनिंग शो लोगों को पानी के भीतर की रहस्यमयी दुनिया से रूबरू कराता है। मेले में बच्चों के लिए झूलों की विशेष व्यवस्था थी। सिर्फ 30 रुपये में 6 राउंड की सवारी ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला रही थी।

मेले में व्यंजनों की भरमार थी : मेले में चाउमिन चिल्ली, भेलपुरी, गोलगप्पे के साथ फालूदा, कुल्फी और आइसक्रीम के ठेलों की कतार लगी हुई थी। वहीं क्राफ्ट बाजार में हस्तशिल्प वस्तुओं की बिक्री और भव्य पारिवारिक प्रदर्शनी ने हर आयु वर्ग को कुछ न कुछ दिया।

पॉकेट मार हुए सक्रिय : रथयात्रा की भीड़ में पॉकेट मारों की भी चांदी रही। मोबाइल फोन और नकदी गायब होने की कई घटनाएं सामने आयी। कई श्रद्धालुओं के बैग और जेबों को ब्लेड से काटकर सामान उड़ाया गया। जिसकी शिकायत की गई है।

छोटानागपुर शहदेव परिवार की सेवा भावना : रथयात्रा पर्व में छोटानागपुर शहदेव परिवार की ओर से सेवा शिविर लगाया गया। सेवा शिविर में सैकड़ों श्रद्धालुओं को निशुल्क पूजा का सामान और प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद में मिठाई के साथ नारियल, अगरबत्ती और रोली प्रमुख रूप से शामिल थे, जिसे भक्तों ने श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। इस आयोजन में कुणाल शहदेव, राकेश शहदेव, रिकी शहदेव, कीर्तिमान शहदेव, मिहिर शहदेव, सुमित शहदेव, श्रषि सिंह देव, आलोक शहदेव और दीप शहदेव आदि की भागीदारी सराहनीय रही।

ड्रग्स पैडलर्स की जड़ों को काटने में जुटी है रांची पुलिस

- स्कूल व कॉलेज में चल रहा है नशा मुक्ति अभियान

विवेक राज

रांची। राजधानी रांची में नशे के तस्करों के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिये रांची पुलिस अब मादक पदार्थों का सेवन करने वाले युवाओं को टारगेट करने जा रही है ताकि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें नशे से दूर किया जाए और ड्रग्स पैडलर्स की सप्लाई चेन को ध्वस्त किया जा सके। ड्रग्स पैडलर्स की जड़ों को काटने के लिए डीआईजी सह रांची एसएसपी के द्वारा एक नया प्रयास शुरू किया गया है। रांची पुलिस शहर के स्कूलों व कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान के तहत युवाओं को जागरूक कर रही है।

पिछले दिनों रांची पुलिस के द्वारा आर्यभट्ट सभागार में स्कूली छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों को जागरूक किया गया और नारकोटिक्स के संबंध में पुलिस द्वारा शिकायतों के निवारण के लिये हेल्पलाईन नंबर-9153886238 की जानकारी दी गई।

ड्रग्स पैडलर्स से हो रही है पूछताछ

दरअसल राजधानी में औसतन हर महीने आधा दर्जन के करीब ड्रग्स पैडलर्स सलाखों के पीछे पहुंचाये जा रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद ड्रग्स पैडलर्स के पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर भी बरामद किया जा रहा है। लेकिन अब पुलिस गिरफ्तार ड्रग्स पैडलर्स को रिमांड पर लेकर उनसे यह पूछताछ करने में लगी है कि आखिर वे ब्राउन शुगर जैसे घातक नशे का सामान बेचते किसे हैं, आखिर ब्राउन शुगर का ग्राहक कौन है। पुलिस को अगर ग्राहक की जानकारी मिल जाती है तो उसके बाद उनके काउंसलिंग की शुरूआत की जाएगी। इस अभियान के पीछे कई फायदे हैं जिसे देखते हुए रांची पुलिस ने ड्रग्स पैडलर्स से बड़े पैमाने पर पूछताछ शुरू की है।

ड्रग्स कंज्यूम करने वालों तक पहुंचेगी पुलिस

रांची पुलिस के अनुसार ड्रग्स पैडलर्स पकड़े जाने पर उनके पास से ब्राउन शुगर की पुड़िया बरामद होती है। अगर पैडलर्स के पास से सौ पुड़िया ब्राउन शुगर मिला तो यह मानकर चलना होगा कि सौ ऐसे युवा, बच्चे या फिर अन्य लोग होंगे जो ड्रग्स कंज्यूम करते होंगे।

अब अगर पुलिस की टीम ड्रग्स पैडलर्स से इंट्रोगेशन से यह पता कर ले कि कंज्यूमर कौन था तो उस तक पुलिस आसानी से पहुंच सकती है। अगर कंज्यूमर युवा हो या स्कूली बच्चा या फिर कॉलेज जाने वाला जब उसके गार्जियन तक पुलिस पहुंचेगी और उसका काउंसलिंग करेगी तो निश्चित रूप से ड्रग्स की लत छुड़ाई जा सकती है।

खबर एक नजर में

सरला बिरला पब्लिक स्कूल का मंच वीर नारियों की गाथाओं से गूंजा

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, में वात्सल्यम–2 के अंतर्गत ग्रैण्ड पैरेंन्ट्स डे का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन 'एमपावेरिया – भारतीय नारियों की गौरवगाथा' विषय पर केंद्रित था। इस अवसर पर रथ यात्रा उत्सव को भी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समन्वय और परंपराओं की झलक को सुंदरता से मंचित किया। पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास की महान नारियों की गाथाओं को बड़ी आत्मीयता और जीवंतता से प्रस्तुत किया। मंच पर मीरा बाई की श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, नायकी देवी के साहस, रानी राशमोनी के सामाजिक योगदान, जीजा बाई के प्रेरणादायी नेतृत्व, रानी गाइडिन्ल्यू के देशभक्तिपूर्ण योगदान और माता भागो की वीरता की अत्यंत सजीव व सराहनीय प्रस्तुति अभिनय के माध्यम से दर्शाई गई।

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/खलारी। निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल मुख्यालय के मार्गदर्शन में शनिवार को सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

शिकायत निवारण शिविर के दौरान सी.सी.एल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई। इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया।

रथयात्रा पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग श्री राधा कृष्ण मंदिर में शुक्रवार को जगन्नाथ प्रभु की रथ यात्रा के पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण जी का भव्य अलौकिक श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, खिचड़ी प्रसाद महाभोग, भजन-कीर्तन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। श्री राज श्याम जी को खिचड़ी महाभोग, फल, मेवा, चूरमा, पंचामृत, पेड़ा का विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना एवं महाआरती की गई। तत्पश्चात हजारों श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह

मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ प्रभु जी की रथ यात्रा महोत्सव आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। रथ यात्रा (श्रीकृष्ण), बलभद्र और सुभद्रा से जुड़ी होती है। इस दिन श्रीकृष्ण उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को सजाकर उनकी रथ यात्रा निकाली जाती है। रथ खींचने का पुण्य अगाध माना जाता है। 27 जून से प्रारंभ होकर 6 जुलाई तक फैला यह महोत्सव भव्य रथों, अनुष्ठानों और भक्तों की भावनाओं का संगम है। इस अवसर पर डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, विष्णु सोनी, सुनील पोद्दार, सुरेश अग्रवाल, पवन पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, प्रमिला पुरोहित, उर्मिला पाडिया, कविता गाड़ोदिया, संतोष देवी अग्रवाल, सत्यभामा गोयनका, मंगला मोदी, ललिता अग्रवाल, शकुन्तला केजरीवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

हुटाप भैसा दोइन जंगल से वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के भैंसा दोइन जंगल किनारे में एक अज्ञात वृद्ध व्यक्ति शव बरामद हुआ है। जानकारी व ग्रामीणों के अनुसार अज्ञात वृद्ध व्यक्ति लगभग (70 वर्ष) हुटाप भैसा दोइन की ओर जा रहा था। जिसके बाद वृद्ध अचानक से जमीन पर गिर कर छटपटाने लगा। जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा स्थानीय मुखिया सिब्रत मुंडा को सूचित किया गया। जिसके बाद मुखिया व ग्रामीणों ने वृद्ध व्यक्ति को पानी पिलाकर व एम्बुलेंस बुलाकर हॉस्पिटल भेजने का प्रबंध कर ही रहे थे कि वृद्ध व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद स्थानीय थाना को सूचित किया गया। जिसके बाद मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर अन्त्यपरीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

डीएवी नीरजा सहाय में छात्र संसद का चुनाव

रांची। डीएवी नीरजा सहाय में शुक्रवार को छात्र संसद का गठन किया गया। छात्र संसद के विभिन्न प्रत्याशियों के लिए हुए चुनाव में छात्रों, शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह से भाग लिया। विद्यालय निर्वाचन समूह ने सारी प्रक्रिया का अक्षरशः पालन करते हुए वास्तविक चुनाव का माहौल बनाया। मतदान के पहले नामांकन, प्रचार आदि सारे चरण प्राचार्य व शिक्षकों की देखरेख में पूर्ण कराए गए। प्राचार्या किरण यादव ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए कहा कि युवा ही देश में लोकतंत्र की रीढ़ हैं। इनमें आज बोए गए लोकतंत्र के मूल्य भविष्य में एक स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करेंगे। अगला चरण निर्वाचन समूह तथा प्राचार्य द्वारा साक्षात्कार होगा जिसके उपरांत चयनित छात्र-छात्राओं के नाम की घोषणा की जाएगी। शपथ ग्रहण 1 जुलाई को होगा।

कोयलांचल के मजदूरों का कन्वेंशन 7 जुलाई को

खलारी। शुक्रवार को वीआईपी क्लब डकरा में संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा की समीक्षात्मक बैठक हुई, अध्यक्षता एवं संचालन सभी यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मख्य रूप से 9 जुलाई को देशभर में होने जा रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी की समीक्षा की गयी। पिछली बैठक में दिनांक 30 जून को वीआईपी क्लब डकरा में मजदूर कन्वेंशन का निर्णय लिया गया था लेकिन शीर्ष नेताओं की अनुपलब्धता के चलते अब 7 जुलाई को वीआईपी क्लब डकरा में मजदूर कन्वेंशन करने का निर्णय लिया गया। इस कन्वेंशन मे सभी यूनियन के प्रतिनिधियों से कम से कम 100 - 100 साथियों को उपस्थित करवाने की जिम्मेदारी दी गयी। इस कन्वेंशन में एनके पिपरवार, मगध-संघमित्रा, आम्रपाली-चन्द्रगुप्ता एवं रजहरा क्षेत्र के मजदूरों को शामिल किया जायेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 4 जुलाई से एनके एरिया के सभी कोलियरियों मे धुआंधार गेट मीटिंग की जाएगी, एक दो-दिन में सभी यूनियन को समय सारिणी भेज दी जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से ललन प्रसाद सिंह, प्रेम कुमार, विनय सिंह मानकी, डीपी सिंह, गोल्टेन प्रसाद यादव, शैलेश कुमार, शैलेंन्द्र कुमार सिंह एवं कृष्णा चौहान उपस्थित थे।

सार्थक काम करते हुए बेहतर जीवन जी सकते हैं : बीके राजमती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय कांके पिठौरिया बाडू नवा टोली के द्वारा प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की पुण्य तिथि मनाई गई।

इस अवसर पर आश्रम की संचालिका बीके राजमती बहन ने कहा कि मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए हम हर कार्य को एक सार्थक और बेहतर जीवन जीने के लिए कर सकते हैं। जीवन में सुख शांति की अनुभूति एवं अपने कर्म को श्रेष्ठ बनाने के लिए संस्था द्वारा सिखाए जा रहे आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में धारण करने पर विशेष बल दिया। क्योंकि हमारे कर्म ही सुख दुख का आधार और श्रेष्ठ व सुखद जीवन का आधार है, श्रेष्ठ कर्म जगदंबा की विशेषताओं के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बीके राजमती बहन ने उनके बचपन पर भी प्रकाश डाला, बचपन में उनका नाम राधा था। छोटी सी उम्र में में ब्रह्माकुमारी ज्ञान में आई और सर्वस्व जीवन ईश्वरीय कार्यों में समर्पित की। मौके पर भक्तों ने मातेश्वरी जगदंबा की तस्वीर पर पुष्पांजलि कर उन्हें याद किया।

इस अवसर उर्मिला देवी, कविता सेन, लीला देवी, देवंती देवी, मंजू देवी, वृषभूमि देवी, इंदर देवी, लखो भाई, शिव भाई, संतोष, संजय, सुनील, अमित सहित कई संस्था के सदस्य गण उपस्थित थे।

प्लस टू की पढ़ाई विवि एवं डिग्री कॉलेजों में बंद किये जाने के निर्णय से छात्रों में असमंजस : झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल एवं केंद्र सरकार के निर्देशानुसार झारखंड में विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कॉलेजों में प्लस टू की पढ़ाई (कक्षा 11वीं एवं 12वीं) को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इस आदेश के चलते न केवल इस वर्ष मैट्रिक (10वीं) पास करने वाले विद्यार्थियों, बल्कि पिछले वर्ष उत्तीर्ण होकर वर्तमान में विश्वविद्यालय या डिग्री कॉलेजों में 11वीं में अध्ययनरत छात्रों के समक्ष भी गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अभिभावकों के बीच भी इसे लेकर व्यापक चिंता

देखी जा रही है।

इस संदर्भ में झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य सरकार के मंत्री रामदास सोरेन से इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि ऐसे छात्र-छात्राओं को दोबारा री-एडमिशन या री-रजिस्ट्रेशन जैसी जटिल प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े, बल्कि उनकी शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने हेतु तत्काल स्पष्ट और प्रभावी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

श्री राय ने यह भी जोर देकर कहा है कि इस वर्ष दसवीं पास करने वाले विद्यार्थियों को नामांकन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार को तत्काल ठोस और व्यवस्थित प्रबंध करना चाहिए। साथ ही, राज्य भर में उपलब्ध इंटरमीडिएट (+2) संस्थानों और शाखाओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए ही अगला निर्णय लिया जाए ताकि किसी भी छात्र का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो।

आनंद मार्ग जागृति में तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन

रांची। हेसल स्थित मधु मंजुषा में आनंद मार्ग के तत्वावधान में प्रभात संगीत, कीर्तन और सामूहिक साधना हुआ। मुख्य प्रशिक्षक आचार्य देवप्रकाशनंद अवधूत ने पूज्य गुरुदेव की प्रतिकृति पर माल्यार्पण करके और दीप जलाकर सेमिनार का उदघाटन किया। इस समारोह में भक्ति प्रधान विजय जी, दादा हरिकृपानंद, दादा लीलामयानंद, दीदी सर्वज्ञा, दीदी चयनिका भी साथ में थी। मुख्य प्रशिक्षक देवप्रकाशनंद अवधूत ने कहा कि पूज्य गुरुदेव के आध्यात्मिक व सामाजिक अर्थनैतिक दर्शन को समझने और समझाने के लिए इसकी आवश्यकता है। गुरुदेव ने सेमिनार का कार्यक्रम सन् 1969 में दिया। उन्होंने कहा कि मानव शरीर एक जैविक यंत्र है। उन्होंने कहा कि मन और आत्मा से युक्त मानव शरीर एक जैविक यंत्र है जो वृत्तियों द्वारा संचालित होता है। शरीर में 50 वृतियां हैं जो विभिन्न चक्रों द्वारा नियंत्रित होती हैं। मन शरीर को संचालित करता है और आत्मा मन की निगरानी करता है। आत्मा मन और शरीर के बीच सुसामंजस्य स्थापित करने के लिये और चरम लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिये नियमित साधना और योगाभ्यास जरूरी है। सेमिनार में रांची, पलामू, गया, रामगढ़, हजारीबाग आदि स्थानों से भक्तगण उपस्थित थे।

चोरी का 64 पीस लोहे का एंगल बरामद, तीन गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/बुढ़मू। बुढ़मू थाना पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल तीन अभियुक्तों कमल कुमार साहु (उमेडंडा, थाना बुढ़मू), तबरेज अंसारी (चकमे, थाना बुढ़मू और अंकेश कुमार साहु (उमेडंडा, थाना बुढमू) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्त में आये अभियुक्तों के पास से 64 पीस लोहे का एंगल जब्त की है।

इस संबंध में ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि वादी अखिलेश कुमार (लावागडा, बुढ़मू के द्वारा थाना में चोरी की प्राथमिकी दर्ज करायी थी कि जलवेरा फुल की खेती हेतु ये अपने जमीन पर शेड नेट ग्रिन हाउस का निर्माण करा रहे थे, जिसमें लगाने हेतु रखे लोहे का एंगल को 24 जून की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी

कर ली गयी है। उक्त कांड का उद्भेदन एवं सलिप्त अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी डीएसपी, खलारी रांची के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर की गयी। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर घटना में शामिल अप्राथमिकी अभियुक्त कमल कुमार साहु, तबरेज अंसारी और अंकेश कुमार साहु को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही के आधार पर कांड में चोरी गये लोहे का एंगल को बरामद किया है।

छापेमारी टीम में राम नारायण चौधरी पुलिस उपाधीक्षक खलारी, पुनि शशि भूषण चौधरी, मांडर अंचल, पुअनि प्रभाष कुमार रवानी, प्रभारी थाना प्रभारी बुढ़मू, पुअनि रवि रंजन कुमार, सअनि रणविजय सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

पत्नी के शव को समाज के विरोध पर अपनी रैयती जमीन में दफनाया

चान्हो। थाना अंतर्गत रघुनाथपुर में शुक्रवार को एक वृद्ध महिला का शव दफनाने को लेकर विवाद का मामला प्रकाश मे आया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव की ही एक महिला बीमारी से जूझ रही 65 वर्षीय जोलजैन मिंज का गुरुवार शाम को निधन हो गया था। उसके पति लाजरस मिंज ने पत्नी के शव को समाज के विरोध पर अपनी रैयती जमीन में दफना दिया। बताते चलें शुक्रवार की सुबह जब उसके परिजन गांव स्थित ईसाई सामूहिक कब्रिस्तान में दफनाने पहुंचे तो समाज के लोग एकजुट होकर कब्रिस्तान में शव को दफनाने को लेकर विरोध कर दिया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि मृतक का परिवार पिछले दो तीन साल से गांव स्थित एनडब्ल्यू चर्च नहीं आता है।

चान्हो में धूमधाम के साथ हुआ रथयात्रा का आयोजन

चान्हो। रानीचांचों स्थित रथयात्रा का आयोजन शुक्रवार को धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ किया गया। इस अवसर पर दिनभर पूजा-अर्चना के बाद शाम को करीब पांच बजे बड़ी संख्या में आसपास के लोग रथ खींचने पहुंचे थे। रथ को सजाने के बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर घुमाया गया। रानीचांचों में मौसीबाड़ी नहीं होने के कारण आज ही के दिन भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के रथ को खींचते हुए लोग कुछ दूर तक ले जाकर वापस पुनः मंदिर में ले आए। रथ खींचने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा थे। इस दौरान भक्तों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। इससे पहले सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा अर्चना करने के लिए लोगों की भीड़ जमी हुई थी। रथ यात्रा को लेकर आयोजित मेले में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने जमकर मेले का लुत्फ उठाया। खासकर बच्चों के लिए मेले में मनोरंजन के काफी साधन मौजूद थे। मौके पर मुखिया फुलमनी देवी, प्रमोद लाल, सुकरू महतो, उमा महतो, महेंद्र मिश्रा रामनंदन साहू, कुंवर महतो, नितेश कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

ट्रेन में नशीली दवा खिलाकर करता था यात्रियों का सामान चोरी, गिरफ्तार

- आरपीएफ पोस्ट रांची को यात्री सुरक्षा ऑपरेशन के अंतर्गत मिली सफलता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आरपीएफ ने ट्रेन में सफर करनेवाले यात्रियों को नशीली दवा खिलाकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त कमल मंडल को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरपीएफ की गिरफ्त में आया अभियुक्त जामताड़ा जिला के करमाटाड़ थाना क्षेत्र के देवलबारी का रहनेवाला है। उसके पास से एक काली जीन्स, एक हल्के गुलाबी रंग की प्रिंटेड टी-शर्ट, एक वीवो कंपनी का मोबाइल, रेलवे यात्रा टिकट, लोरेजेपम-2, एटिवन-2 की 10 गोलियों की एक स्ट्रिप जब्त की गई है।

क्या है मामला : 28 मई को ट्रेन संख्या 18622 पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में नशीली दवा खिलाकर चोरी की एक घटना घटित हुई थी। इस संबंध में पीड़ित धनबाद के झरिया में रहने वाले मुकेश द्वारा झाझा जीआरपी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उक्त मामला जीआरपी झाझा द्वारा दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु जीआरपी रांची को भेजा गया था। पोस्ट कमांडर आरपीएफ पोस्ट रांची के पर्यवेक्षण में इस कांड के उद्भेदन हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में 25 जून को गुप्त सूचना मिली कि उक्त घटना में शामिल व्यक्ति रांची रेलवे स्टेशन पर आया हुआ है और किसी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इसके बाद पोस्ट कमांडर रांची के नेतृत्व में एसआई कमल दास, एएसआई अरुण कुमार, धनंजय कुमार सिंह सहित टीम द्वारा लगातार गहन तलाशी अभियान चलाया गया। गुरुवार को प्रातः 08:00 बजे के करीब रांची रेलवे स्टेशन के यार्ड के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा गया। संदेह के आधार पर उसे रोका गया और पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल मंडल बताया। उसके काले रंग के बैग की तलाशी ली गई, जिसमें एक काली जीन्स, एक हल्के गुलाबी रंग की प्रिंटेड टी-शर्ट, एक वीवो कंपनी का मोबाइल, रेलवे यात्रा टिकट, लोरेजेपम-2, एटिवन-2 की 10 गोलियों की एक स्ट्रिप' जब्त की गई। गूगल पर जांचने पर पाया गया कि दोनों दवाएं नशीली और नींद लाने वाली हैं, जिससे संदेह और गहरा गया। उसके बाद घटना की पूर्व उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से यही व्यक्ति घटना में शामिल दिखाई दिया। फुटेज दिखाने पर कमल मंडल ने स्वीकार किया कि लगभग एक माह पूर्व उसने अपने साथी फुलो मंडल (नारायणपुर, जिला-जामताड़ा, झारखंड) के साथ मिलकर रांची रेलवे स्टेशन से रवाना हुई 18622 पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में नशीला पदार्थ खिलाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। उसने यह भी बताया कि वह पिछले 4-5 माह से इसी तरह की घटनाएं कर रहा था और गुरुवार को भी रांची किसी ट्रेन में ऐसी ही घटना को अंजाम देने आया था। आरोपी को बरामद सामग्री सहित जीआरपी रांची को अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया। इस संबंध में जीआरपी/रांची द्वारा मामला दर्ज किया गया है।

डीएवी विवेकानंद में नशा मुक्ति पर डीएसपी में जागरूक अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में गुरुवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डीएसपी अशोक कुमार राम ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों और इससे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में आने से बचाना और उन्हें एक स्वस्थ व नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। डीएसपी ने कहा कि नशा केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक रूप से भी व्यक्ति को खोखला कर देता है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार

के नशे से दूर रहें। साथ ही अपने साथियों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करें। डीएसपी ने छात्रों को नशे से बचाव के विभिन्न तरीकों, जैसे कि बुरी संगत से दूर रहना, तनाव का सही प्रबंधन करना और सकारात्मक गतिविधियों में शामिल होना आदि के संदर्भ में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति नशे का आदी हो जाता है, तो उसे किस प्रकार की सहायता और उपचार मिल सकता है। उन्होंने बच्चों को बतलाया कि कैसे वो किसी भी संकट की स्थिति में पुलिस को संपर्क कर सूचित कर सकते हैं। उन्होंने थाना के नंबर को याद करने और उसे अपने डायरी में नोट करने को कहा। जिससे वो संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को नशा मुक्ति के लिए शपथ भी दिलायी। साथ ही बच्चों ने एक नुक्कड़ नाटक दिखाकर नशामुक्ति के लिए जागरूक भी किया। वहीं स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने डीएसपी का आभार व्यक्त किया।

रथ यात्रा महोत्सव के दौरान उमड़ा आस्था का सैलाब

ईंटाचिल्द्री में रथ मेला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की पूजा अर्चना करने उभड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

ईंटाचिल्द्री में रथ को खिचंकर मौसी बाड़ी ले जाते श्रद्धालु।

चनकोपी में रथ को खिचंकर मौसी बाड़ी ले जाते श्रद्धालु।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ईंटाचिल्द्री व चनकोपी गांव में पारंपरिक रथयात्रा आस्था,भक्ति व उत्साह के साथ मनाया गया। जहां श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान महाप्रभु जगन्नाथ,भाई बलराम व देवी सुभद्रा की पूजा अर्चना किया। प्रखंड के दोनों ऐतिहासिक स्थलों में शुक्रवार की प्रातः पांच बजे तीनों विग्रह की विशेष पूजा और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का दरवाजा खोल दिया गया। जहां ईंटाचिल्द्री में धार्मिक अनुष्ठान पंडित पंचम नारायण पांडेय और पुजारी लाल इसकलैप नाथ शाहदेव की अगुवाई में सेवईत लाल गोकुल नाथ शाहदेव और लाल मोहन नाथ शाहदेव ने किया।

➲ **ईंटाचिल्द्री व चनकोपी में भक्तों ने खींचा महाप्रभु का रथ।**

वहीं चनकोपी ठाकुर बाड़ी मंदिर में पुजारी कलिंद्र मिश्रा, पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा, रामवृक्ष मिश्रा और लाल शाहदेव की अगुवाई में धार्मिक अनुष्ठान किया गया। जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ,भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के रूप का दर्शन और पूजा अर्चना कर सुख शांति के लिए महाप्रभु से आशीष मांगा। इस दौरान दोनों स्थलों पर रथ मेला का आयोजन किया गया। शाम साढ़े चार बजे ईंटा के गांव के पहान चारो उरांव द्वारा मंदिर प्रांगण में सफेद झंडा गाड़ कर विधिवत पूजा की गयी। इसके बाद शाम पांच बजे रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने रथ में तीनों विग्रहों को आरूढ़ कर प्रभु जगन्नाथ स्वामी के जयघोषों के साथ रथ को खींचते हुए मौसी बाड़ी तक पहुंचाया। इधर प्रखंड के चनकोपी गांव में शाम साढ़े पांच बजे भक्तों ने भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र व देवी सुभद्रा को रथ पर बैठा कर पूरी श्रद्धा के साथ मौसीबाड़ी पहुंचाया। दोनों जगहों पर विधि व्यवस्था के लिए बेड़ो थाना पुलिस के एएसआई अक्षय कुमार सिंह व आशीष रंजन दल बल के साथ मौजूद थे। वहीं रथयात्रा को सफल बनाने में लाल नवल किशोर, लाल सेवक नाथ शाहदेव, मनी साहू,सतीश यादव, लाल सुमन, लाल कमलेश, लाल विक्की, लाल सूरज, लाल अभिषेक, युवराज सिंह, मुखिया अनिता बाड़ा, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, कलिंद्र सिंह, कलेश्वर सिंह, लाल प्रमोद, लाल सत्येंद्र, रमेश गोप, सतीश गोप, लाल अखिलेश कुमार, लाल राजेंद्र कुमार, लाल लाल मिथलेश कुमार, लाल बिक्रम कुमार, सिकंदर सिंह, पहान सुकरा पहान, पुजार अंगनू उरांव व बिरसा उरांव रोजा उरांव, आयोजक लाल संजय नाथ शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत शाहदेव, सुजीत शाहदेव, सच्चिदानंद शाहदेव, संदीप शाह देव, अरविंद शाहदेव, प्रिंस शाह देव, नवीन शाहदेव, प्रभात शाहदेव, प्रशांत शाहदेव, बाल मोहन महतो,मन मोहन महतो, रामवृक्ष महतो, कांशी महतो, जुगल गोप, ध्रुव सिंह व मुस्तकीम अंसारी आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

मुहर्रम कमेटी का गठन

सिकिदिरी। ओरमांझी पूर्वी क्षेत्र सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के गठन को लेकर शुक्रवार को समाजसेवी सह पूर्व उप प्रमुख मुन्तजिर अहमद रजा की अध्यक्षा में कुटे एक बैठक हुई। बैठक में कुटे,आनंदी, बारीडीह, हातवाल, पांचा, खुदिया, लोटवा, साड़ी, भूसुर, डटमा आदि दर्जनों गांव के लोग उपस्थित हुए। मुहर्रम के सफल आयोजन एवं शांतिपूर्ण समापन के लिए कमेटी गठित की गई है। गठित कमेटी में मुख्य संरक्षक मुन्तजीर अहमद रजा, अध्यक्ष यासीन खान, सचिव नास्तिन खान, पप्पू खजांची और अमीर हमजा अंसारी को चुना गया है। उपाध्यक्ष जलाल खान,सह सचिव नूर हसन अंसारी को बनाया गया है। कार्यकारिणी के पांच सदस्यों का भी चयन किया गया है। संरक्षक खालिक खान तथा शेख साजुद्दीन को बनाया गया है ।बैठक में जमशेद काजमी, तनवीर अहमद रजा, रेहान खान,इस्राफील अंसारी, शेख असगर शेख अनवर, शेख नबी बख्श, वकील अंसारी, मुस्तफा खान मुस्लिम फैजी, सुहेल अंसारी, नसीम खान, तस्लीम अंसारी, आदम अंसारी, सलीम अंसारी, निजाम खान आदि उपस्थित थे।

बिजली चोरी के आरोप चार पर प्राथमिकी

सिकिदिरी। विद्युत विभाग के कनीय अभियंता ने हुंडरू फॉल में छापामारी कर चार दुकानदारों को बिजली चोरी करते पकड़ा है। इस संबंध में कनीय अभियंता मंटू कुमार ने सिकिदिरी थाना में हुंडरू फॉल के जंगलु बेदिया पिता रावण बेदिया, महेंद्र बेदिया पिता स्व दसवा बेदिया,संदीप बेदिया पिता बीरबल बेदिया और चंद्र उदय बेदिया पिता श्यामलाल बेदिया के खिलाफ आर्थिक दंड लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। छापामारी दल में सहायक अभियंता सुनील कुमार शर्मा, अशोक प्रिय, प्रेम विश्वकर्मा और अमित कुमार महतो शामिल थे।

हुंडरू फॉल की तेज धार में बही भैंस, ग्रामीणों बचाया

सिकिदिरी। हुंडरू फॉल की तेज धार में शुक्रवार को तीन भैंस अचानक पानी में बहने लगे। इनमें ग्रामीणों ने एक दो भैंस को रेस्क्यू कर बचा लिया वहीं एक भैंस एज धार में बह गया। बताया जाता है कि शुक्रवार की दोपहर करीब तीन बजे सारुबेड़ा निवासी महावीर भोगता स्वर्ण रेखा नदी के किनारे भैंस चरा रहा था। अचानक तीन भैंस नदी की ओर चले गए पनिंपीने के दौरान तीनों पानी की तेज धार में बहने लगे।

करंज व जामुन के पौधों का वितरण

पौधों का वितरण करते अतिथि।

ठाकुरगांव। रामकृष्ण मिशन व दिवयायन कृषि विज्ञान केंद्र मोराबादी के सौजन्य से शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के खखरा व खरकुटोली गांव में करंज व जामुन के पौधों का वितरण किया गया। वितरण प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, स्वामी सुखमयानंद महाराज व मुखिया कुशेन्द्र पाहन ने किया। इस अवसर पर 50 ग्रामीणों के बीच करंज पौधा, 10 किसानों के बीच जामुन पौधा व 60 किसानों के बीच आम पौधा का वितरण किया गया। मौके पर कामेश्वर महतो, बाबुलाल महतो, सोनालाल महतो समेत अन्य मौजूद थे।

भगवान जगन्नाथ अपने भाई बहन के साथ गये मौसीबाड़ी

➲ **जमकर बिकी मिठाई**
➲ **हर हाथ में दिखे आम**

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू (रांची)। राजकिले की जगरनाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा संग रथ में सवार होकर रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच मौसी घर चले गये। वह 6 जुलाई की शाम लौट आयेंगे। रथयात्रा में झारखंड समेत बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा व छत्तीशगढ़ के श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किये। राजकुमारी माधुरी व कल्पना मंजरी तथा राजपरिवार के सदस्यों ने पूजा-अर्चना की और आरती में हिस्सा लिया। राजपुरोहित भोलानाथ मिश्र ने अनुष्ठान कराया। प्रसाद पाने के लिये होड़ मच गयी। मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। गीत-नृत्य का दौर चला। महिला व बच्चों ने सर्कस, विद्युतचालित झूले व खेल-तमाशे का लुत्फ उठाया। यहां सभी तरह की दुकानें सजी थी। मेलार्थियों ने मिठाई व घरेलू चीजों की खरीदारी की। हर हाथ में आम दिखे। श्रृंगार प्रसाधन व खिलौने की दुकानों में भीड़ रही। कुमनी, पिंजरे व मांदर खूब बिके। चाऊमीन व ठेला-खोमचा वालों की चांदी रही। महुआ शराब की जमकर बिक्री हुई। पेयजल की व्यवस्था थी। सीएचसी ने चिकित्सा शिविर लगाया। श्रीसाईं स्वयंसेवी संस्था की ओर से नियंत्रण कक्ष स्थापित थे।

ड्रोन से हुई मेले की निगहबानी

रथयात्रा के दौरान मंदिर व मेले में सीसीटीवी लगाये गये थे। ड्रोन कैमरे की भी मदद ली गयी। सुरक्षा के कड़े प्रबंध थे। किला प्रबंधन की ओर से नियुक्त सैकड़ों स्वयंसेवक भी मुस्तैद रहे। इसकी कमान थानेदार आरएन सिंह ने संभाली। बीडीओ एसके चौरसिया बतौर दंडाधिकारी थे। अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इधर, राजकुमारी माधुरी व कल्पना ने रथयात्रा और मेले के शांतिपूर्ण समापन पर खुशी का इजहार करते हुये पुलिस प्रशासन समेत क्षेत्र के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

इन्होंने निभाई भूमिका

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, कौशलेंद्र सिंह, प्रो कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, अनुप नाथ शाहदेव, पृथ्वीनाथ शाहदेव, दामोदर नाथ मिश्र, जितेंद्र सिंह, अतुल राज, हजारी प्रसाद, आरके बर्मन, एसपी साहू, संतोष सूत्रधार, भोला देवघरिया, अनिल ठाकुर, बैजू सोनी, अविनाश सोनी, राणा सिंह, मो जावेद, नदीम अख्तर, शिवम, पप्पू कुमार, हरि साहू, श्री साईं स्वयंसेवी संस्था के पदधारी व शांति समिति के सदस्य आदि।

पुण्यतिथि पर विशेष

गरीबों के लिए उदारता की मिसाल थे युवराज

➲ **समभाव थी उनकी विशेषता**
➲ **सभी समाज में थे लोकप्रिय**

शेख मुजिबुल

रातू (रांची)। ऐतिहासिक राजकिला की शान और हटिया विधानसभा क्षेत्र के दिवंगत कांग्रेस विधायक युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव मृदु भाषी, हंसमुख व मिलनसार नेता थे। काल ने उन्हें असमय हमसे छीन लिया। 2 अप्रैल 1969 को जन्मे युवराज का 28 जून 2010 की दोपहर यूपी के बनारस (बीएचयू) अस्पताल में असामयिक निधन हो गया था। इससे यहां के लोगों को न केवल झकझोर दिया। बल्कि, दिशा विहीन भी हो गये हैं। दीन-दुःखियों की सेवा उनका धर्म था। गरीबों के प्रति उनकी उदारता की कोई मिसाल नहीं है। किले में याचना के लिये आने वाले कभी निराश नहीं लौटे। 2005 में वह कांग्रेस की टिकट पर हटिया से चुनाव लड़े और विजयी हुये। 2010 में दूसरी बार विधायक बने। इसके कुछ ही महीने बाद उनका देहांत हो गया। युवराज, तत्कालीन छोटानागपुर राज के 62 वें महाराजा चिंतामणि शरण नाथ शाहदेव की एकलौती संतान थे। परिवार में पत्नी प्रियदर्शनी शाहदेव और बहन माधुरी व कल्पना हैं। धार्मिक चेतना, जागरण व समभाव उनकी विशेषता थी। समाज में काफी लोकप्रिय थे। क्रिकेट से गहरा लगाव था। वह नई और अत्याधुनिक कार के शौकीन थे। देवी-देवताओं की पूजा में खास रुचि थी।

युवराज की फाइल फोटो।

श्रद्धांजलि सभा आज

किला सभागार में शनिवार को 10:30 बजे युवराज की 15 वीं पुण्यतिथि मनायी जायेगी। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस के कई बड़े नेता और उनके चाहने वाले शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गयी है। यह जानकारी प्रबंधक दामोदर नाथ मिश्र ने दी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की है।

सीएचसी बुढ़मू के प्रभारी मेडिकल टीम के साथ जमगाई गये

बुढ़मू। बुधवार रात में अज्ञात बीमारी से बुढ़मू के जमगाई में हुई मौत मामले में छानबीन करने के लिए शुक्रवार को सीएचसी बुढ़मू के प्रभारी डॉ. तारिक अनवर मेडिकल टीम के साथ जमगाई गये। जमगाई में बीमारी से हुई मौत के संबंध में परिजनों से जानकारी प्राप्त किए। डॉ. तारिक अनवर ने बताया कि शनिवार को एक मेडिकल टीम जमगाई में कैंप करेगी और इस दौरान सभी का स्वास्थ्य जांच किया जाएगा साथ ही स्वच्छता संबंधित सभी उपाय किये जायेंगे।

तिलता से रोग भगाने निकले युवकों ने उत्पात मचाया

राहगीरों से की मारपीट, गाड़ियों के शीशे तोड़े

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। आदिवासियों की सदियों पुरानी परंपरा के मद्देनजर बीती रात तिलता से रोग भगाने निकले युवकों ने सोडा फाउंटेन रेस्तरां के समीप बीच सड़क पर जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने राहगीरों से न केवल मारपीट की, बल्कि उनकी गाड़ियों के शीशे भी तोड़ डाली। इससे कई लोगों को चोटें आयी है। मामले को लेकर हुरहुरी गढ़ के लाल गोपाल नाथ शाहदेव और पिस्का मोड़ स्थित सुखदेवनगर में रहने वाले रोहित कुमार की ओर से रातू थाने में लिखित शिकायत की गयी है। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

जानें क्या है मामला

तिलता गांव के सैकड़ों युवक रात के करीब 10:30 बजे निःवस्त्र होकर राष्ट्रीय राज मार्ग पर रोग भगाने निकले। रात होने के कारण गाड़ियों की लाइट जल रही थी। युवक उन्हें इशारे में लाईट ऑफ करने को कहा। लेकिन, राहगीर उनकी भावना को समझ नहीं पाये। इससे गुस्साये युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसमें कई लोग चोटिल हो गये। सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस को देख लोग भाग खड़े हुये।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली

इटकी। इटकी के मुख्य जगन्नाथ मंदिर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। मंदिर से मौसीबाड़ी तक निकाली गई इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर का पट सुबह ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था, जिसके बाद दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपराहन करीब पांच बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को पारंपरिक रीति-रिवाज से रथ पर आरूढ़ किया गया। महाआरती के बाद लगभग साढ़े पांच बजे रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ रथ को रस्सियों से खींचते हुए मौसीबाड़ी मंदिर तक पहुंचाया। रथ के सारथी सचिन महतो बने थे। रथ पर पुजारी सुंदर श्याम तिवारी, लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, लाल गौरव नाथ शाहदेव, लाल अश्विनी नाथ शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, कल्पना नाथ शाहदेव, प्रतिभा नाथ शाहदेव सवार थे। रथ यात्रा में कमेश बर्मन, अजीत केसरी, बिनोद सिन्हा, राजकुमार तिर्की, शिशु गोप, विजय साही, अजय गोप, मनोज गोप, छोटू सिंह, सूरज गोसाईं, अंकित, नितिन कुमार, अर्पण ठाकुर, अजय, श्याम कुमार, तपेश्वर, अनिल तिवारी, अनुपम, देवेंद्र महतो, पंचम महतो सहित हजारों लोग शामिल थे। मौके पर लगे मेला में झूला के अलावा मिठाई, खिलौना, महिला सौंदर्य प्रसाधन, चाट- फुचका सहित अन्य की दुकानो की भरमार थी। जहां लोगों ने खरीदारी की व मेला का आनंद उठाया।

रथ को श्रद्धा के साथ खींचते श्रद्धालु।

अंजूमन फरोग-ए- तलीम ने इंटर और मैट्रिक के बच्चे-बच्चियों को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। अंजूमन फरोग-ए-तालीम अनगडा रांची झारखंड के बैनर तले शुक्रवार को ए पब्लिक स्कूल सालहन में एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुस्लिम समाज के बच्चे बच्चियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए मैटीक और इन्टर की परीक्षा में अच्छे नम्बर से पास करने वाले बच्चे बच्चियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मेडल मोमेन्टो प्रशस्ति पत्र बूक और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न गांवों के कूल 14 बच्चे बच्चियों को सम्मानित किया गया। इनमे इन्टर साईन्स से प्लस टू विद्यालय चिलदाग से 92.6 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टॉपर रही नगमा नाज सादिया आफरीन, खुशबू प्रवीन तथा चांद खान इन्टर कॉर्मस में 81.8 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली खुशनुमा प्रवीन तथा रौनक प्रवीन इन्टर आर्टस में 85 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली सानिया प्रवीन, साहिका परवीन, सादिया रानी, मैट्रीक में 90 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली सानिया प्रवीन, बुसरा प्रवीन, आबीदा आफरीन, सायना प्रवीन, शामिल हैं। प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ एमडी खुर्शीद ने बच्चे बच्चियों से अपील करते हुए कहा कि वे एक लक्ष्य लेकर आगे की पढ़ाई करे कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। तेज तर्रार बच्चे बच्चियो के लिए कमेटी हर सम्भव मदद करेगी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व उपप्रमुख अनवर खान समाज सेवी और सपा नेता मुस्तफा अन्सारी डॉ असलम मो उमर शाहिद आफरीदी अब्दुल इमाम अन्सारी सकिर अन्सारी इत्यादि ने भी अपने सम्बोधन में बच्चे बच्चियों का हौंसला अफजाई किए समारोह का संचालन डॉ गुलजार अन्सारी ने किया । मौके पर सिकन्दर अंसारी, सिद्दीक अंसारी, रेजाक अंसारी, आलम अंसारी, समीर अंसारी, जमील अंसारी, युनूस अंसारी, बबलू खान इत्यादि उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की हुई मौत

बेड़ो। लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के खवास खिजरी सड़क पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय व्यक्ति मनबोध कच्छप पिता स्वर्गीय बंधु लोहरा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शुक्रवार की शाम लगभग साढ़े सात बजे के आसपास की है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने आनन-फानन में सड़क दुर्घटना में घायल मनबोध कच्छप को इलाज के लिए उठाकर बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डा सुमित्रा कुमारी ने जांच के बाद मनबोध कच्छप को मृत घोषित कर दिया। घटना के संदर्भ में मृतक मनबोध कच्छप की बेटी निक्की कुमारी ने बताया कि मेरे पिताजी शौच क्रिया के लिए गए हुए थे और वापस घर लौटने के दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें अपने चपेट में ले लिया। वहीं सड़क दुर्घटना में मृतक मनबोध कच्छप की पत्नी बुधनी देवी बेटा सचिन कछाप बेटी निक्की कुमारी तनु कुमारी और छोटा भाई अनमोल कच्छप का घटना के बाद से रो-रो कर बुरा हाल है। इधर घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो थाना पुलिस के एएसआई अक्षय कुमार सिंह बेड़ो सीएचसी पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

इटकी के पलमा में एक व्यक्ति की लोढ़ा से कूचकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बेड़ो सीएचसी में उत्तम मलार का जांच करते चिकित्सक।

रांची। इटकी थाना क्षेत्र के पलमा गांव निवासी 45 वर्षीय उत्तम मलार पिता स्वर्गीय महादेव मलार की शुक्रवार की रात लगभग साढ़े सात बजे लोढ़ा से कूच कर निर्मम हत्या कर दी गई है। वही इस हत्या की घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। वही घटना के बाद स्वजनों और आसपास के लोगों ने उत्तम मलार को इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डा सुमित्रा कुमारी ने जांच के बाद उत्तम मलार को मृत घोषित कर दिया। वहीं बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची मृतक उत्तम मलार की पत्नी सिरमणि देवी अपने पति की हत्या की जाने की बातें कह कर बार-बार बेहोश हो रही थी। इधर घटना की जानकारी इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार को दी गई। इसके बाद थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होनें बताया कि शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। वहीं घटना को लेकर पुलिस गहन जांच कर रही है ।वहीं खबर लिखे जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया था।

मानकीडीह में उल्लास के साथ निकाली गई रथ यात्रा

रथ में सवार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा।

सोनाहातू। शुक्रवार को सोनाहातू प्रखंड के मानकीडीह गांव में रथ यात्रा निकाली गई। लोगों ने हरे कृष्णा हरे राम की धुन पर नाचते-गाते आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं की भीड़ की गूंज और भक्तिमय माहौल के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अपने भव्य रथों पर सवार होकर गांव के मौसीबाड़ी पहुंचे। ठाकुरबाड़ी मंदिर से शुरू होकर गांव के मार्गों से गुजरते हुए मौसीबाड़ी के प्रांगण में यात्रा संपन्न हुई। पुरोहित गुणाधर बनर्जी और कामेश्वर बनर्जी के द्वारा विधिवत पूजन किया गया। मौसीबाड़ी परिसर में मेला लगा। मौके पर आयोजन समिति के राधानाथ भगत, किशोरी भगत,घनश्याम भगत, मुखिया ललिता देवी, ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मानकी, प्रधान सिंह मानकी, चिरंजीवी सिंह मुंडा, बसंत सिंह मुंडा, प्रताप सिंह मुंडा, क्षेत्र मोहन सिंह मानकी, तुलसी स्वांसी, दुर्योधन हजाम, फागुराम लोहरा,सोनाराम पुरान, बासुदेव पुरान, राजकिशोर सिंह मुंडा, सुधीर सिंह मुंडा, विपद सिंह मुंडा सहित सभी सदस्यों का योगदान रहा।

नन्हे बच्चों ने निकाली रथयात्रा

सिल्ली। रिटायरर्मेन्ट कालोनी में रथयात्रा को लेकर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल था। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कालोनी के नन्हे बच्चों द्वारा छोटा सा लेकिन बडे. ही सुन्दर ढंग से फूलों और छतरी से सुसज्जित रथ को नन्हें नन्हे बच्चों द्वारा खिलते हुए छोटा मुरी स्थित दुर्गा बाड़ी और राधा कृष्ण मन्दिर तक ले जाया गया। जहाँ उपस्तिथि लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात रथ को खिंचते हुए पुरा रिटायरमेंट कोलोनी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान साथ चल रहे कोलोनी के महिला पुरुष द्वारा जय जगन्नाथ के खूब नारे लगाये गये। महिलाओं ने लागातार शंख एवं घंटा बजा कर बच्चों का हौसला बड़ा। अन्त में प्रभू को कोलोनी स्थित शिवशक्ति मंदिर (मौसी बाडी) पहुंचाया गया जहाँ महिलाओ द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। भगवान् जगन्नाथ मौसी बाड़ी में नौ दिन विश्राम करेंगे। इन बच्चों के इस भक्ति पूर्ण रथयात्रा आयोजन में अपना सहयोग देकर सफल बनाने में अनिमा विश्वास, पम्पा राय, तापसी नाथ, बानी सेन,दिया घोष, पूजा प्रसाद, रूपा दास, आशा, सुभाष विशवास, रतन लाल गुप्ता, शान्तनु, अमृत लाल आदि का सराहनीय योगदान रहा।

विद्युत उर्जा चोरी करने पर प्राथमिकी दर्ज

नामकुम। सहायक विद्युत अभियंता नंदलाल सिंह ने खरसीदाग ओपी क्षेत्र के रानी बगान के रहनेवाले समीर कुजूर कुटियातु के रहनेवाले लक्ष्मण मुण्डा और गोविन्द महतो पर मीटर को बाईपास कर पीवीसी तार के टोका लगाकर विद्युत उर्जा चोरी करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी है। ओपी में दिए आवेदन में सहायक विद्युत अभियंता ने बताया है कि सभी के पास घुरेलु विद्युत संबंध है पर ये बाईपास कर उर्जा चोरी कर रहे थे। विभाग द्वारा तीनो आरोपियो पर साढे तेईस हजार रूप्ये का जुमार्ना लगाया गया है।

खबर मन्त्र
रांची. शनिवार .28 जून 2025
अभिव्यक्ति
epaper.khabarmantra.net

रेयर अर्थ मिनरल्स की खोज

चीन के हालिया आयात प्रतिबंधों के बाद भारत जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मिनरल्स आयात करने को लेकर बातचीत कर रहा है। इसके अलावा, भारत रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने के लिए एक प्रोत्साहन योजना शुरू करने की भी तैयारी कर रहा है, जिसे लागू होने में दो साल लग सकते हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने जानकारी दी कि इस योजना पर अगले 15 से 20 दिनों में अंतिम फैसला लिया जाएगा। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ के जवाब में, बीजिंग ने 4 अप्रैल को सात भारी और मध्यम रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इन मिनरल्स में सेमेरियम, गैडोलिनियम, टर्बियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेशियम, स्कैंडियम और येट्रियम शामिल थे। ये मिनरल्स डिफेंस, एनर्जी और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी है। अब चीनी कंपनियों को इन मिनरल्स के निर्यात के लिए डिफेंस लाइसेंस लेना होगा। कुमारस्वामी ने मंगलवार को इलेक्ट्रिक पैसेंजर कारों के निर्माण को बढ़ावा देने वाली योजना पोर्टल के लॉन्च के दौरान पत्रकारों से कहा, हमने खनन मंत्रालय के साथ चर्चा की है, और वे इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अगले 15 से 20 दिनों में अंतिम फैसला हो जाएगा। सरकार 3,000 से 5,000 प्रोत्साहन योजनाओं को डेवलप करने और चीन की आपूर्ति से जोखिम कम करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रही है। अगर मैग्नेट पर निर्यात नियमों में ढील नहीं दी गई, तो भारत चीन के साथ मोटर और सब-असेंबली के लिए बातचीत कर सकता है। इसको लेकर स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा जारी है, और भारी उद्योग मंत्रालय को अलग-अलग प्रस्ताव मिले हैं। कुछ कंपनियों ने 50 प्रतिशत समर्थन की मांग की है, जबकि अन्य ने 20 प्रतिशत समर्थन मांगा है।

आज का राशिफल

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क : परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु : खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक-2-4-5

मकर : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-5-7-9

कुंभ : शुभ कार्यो का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन : आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

प्राचीनतम शिक्षा केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय की रौनक लौटी

बिहार राज्य में स्थित शिक्षा के प्राचीनतम वैश्विक केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय की 12वीं सदी तक जो सुकीर्ति रही है, उसका कोई सानी नहीं। लेकिन विदेशी आक्रांताओं के हमलों से इस पर ग्रहण लगा। कई सदियों बाद इसके पुनर्जीवन के प्रयासों से साल 2014 में नये नालंदा विश्वविद्यालय की शुरूआत हुई और पहला अकादमिक सत्र शुरू हुआ। इसकी रौनक व गौरव धीरे-धीरे लौट रहे हैं।

हर शहर, हर महानगर और हर कस्बे की अपनी एक निजी पहचान, निजी विशेषता होती है,जो हर दूसरी जगह से अलग होती है। ऐसी ही खासियत है भारत के प्राचीन गौरव नालंदा विश्वविद्यालय में। सदियों बाद हुई शुरूआत के बाद जिसकी रौनक इसे ह्यभारत का अपना हार्वर्डह्ण भी कह सकते हैं। हालांकि एक तरह से प्राचीन नालंदा विवि की तुलना अमेरिका के हार्वर्ड विवि से करना विद्या के इस प्राचीनतम वैश्विक केंद्र की तौहीन है, क्योंकि 5वीं सदी से 12वीं सदी तक नालंदा विश्वविद्यालय की जो सुकीर्ति रही है, उसका कोई सानी नहीं। लेकिन विदेशी आक्रांताओं द्वारा इसे ध्वस्त कर दिये जाने के बाद कई सदियां गुजरी हैं, उस कारण आज अगर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के किसी मौजूदा विश्वविद्यालय के सांकेतिक उदाहरण से समझा जा सकता है, तो वह आधुनिक ज्ञान का बेजोड़ घर हार्वर्ड विश्वविद्यालय ही हो सकता है। बहरहाल नालंदा विश्वविद्यालय का नाम लेते ही भारत के प्राचीन ज्ञान, गौरव, शिक्षा और सांस्कृतिक विपुलता का बोध होता है। निःसंदेह सदियों तक अपने न होने पर भी प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय इतिहास में भारत का एक महत्वपूर्ण लैंडमार्क रहा है। कभी यहां 10 हजार से ज्यादा छात्र पढ़ा करते थे और 2 हजार से ज्यादा शिक्षक थे।

गौरव की दिशा में नयी शुरूआत

हालांकि नालंदा के गौरव गाथाएं अभी महज इतिहास का हिस्सा हैं, लेकिन साल 2006 के बाद प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की जो आधुनिक कहानी शुरू हुई है, वह इतिहास के अपने सुनहरे पदचिन्हों की तरफ सधे कदमों से बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह विश्वविद्यालय बिहार राज्य के नालंदा जिले में स्थित है, जो कि पटना से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाईअड्डा गया का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो इससे करीब 80 किलोमीटर है। नालंदा विवि के सबसे निकट स्थित शहर राजगीर है जो बुद्धिस्ट सर्किट का बोधगया और नालंदा के साथ महत्वपूर्ण हिस्सा है।

-वीना गौतम

> आज यानी 2025 का नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध अध्ययन, तुलनात्मक धर्म, पर्यावरण और सतत विकास, ऐतिहासिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और दर्शनशास्त्र मुख्य विषय के रूप में पढ़ाये जाते हैं। यहां 40 से ज्यादा देशों के छात्र हैं और इंटरनेशनल फैकेल्टी व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च केंद्र मौजूद है।

सम्राट कुमारगुप्त ने की थी स्थापना

महान नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन गौरव पर एक नजर डालना भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का पुनर्पाठ करने जैसा है। लगभग 5वीं सदी ईस्वी के समय नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त सम्राट कुमारगुप्त ने की थी। यह विश्वविद्यालय बुद्धिज्म, दर्शनशास्त्र, आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र और साहित्य के अध्ययन का विश्व प्रसिद्ध केंद्र था। एक समय यहां 10 हजार से ज्यादा छात्र और 2 हजार से ज्यादा शिक्षक थे, जो कि आवासीय विश्वविद्यालय था। महान तिब्बती विद्वान तात्स्यांग और इत्सिंग जैसे चीनी यात्री यहां अध्ययन कर चुके हैं।

आक्रांता का बना निशाना

इस विश्वविद्यालय को 12वीं सदी के अंत में बख्तियार खिलजी ने आक्रमण करके ध्वस्त कर दिया था और वह इसका नामोनिशान मिटाने के लिए इसमें आग लगा दी थी, जो कहते हैं एक साल तक जलती रही थी।

पुनर्जीवन के विचार को मिला आकार

साल 2006 में भारत सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्जीवन की योजना बनायी। तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के ह्यनॉलेज कॉरिडोरह्ण के विचार के केंद्र में नालंदा विश्वविद्यालय भी था। साल 2010 में नालंदा यूनिवर्सिटी एक्ट 2010 संसद में पारित हुआ तथा नालंदा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की विधिवत स्थापना की योजना बनी।

अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा

भारत सरकार ने इसे अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय घोषित किया, जिसमें आसियान देशों का व्यापक समर्थन हासिल हुआ। साल 2014 में पुराने नालंदा विश्वविद्यालय की सरजमीं पर नये नालंदा विश्वविद्यालय की शुरूआत हुई और पहला अकादमिक कार्यक्रम शुरू हुआ। साल 2021-2023 के बीच नालंदा विश्वविद्यालय के नये कैंपस का निर्माण हुआ। यहां पर इस दौरान कई ग्लोबल रिसर्च प्रोग्राम्स का विस्तार हुआ। साल 2024-25 में आसियान, बिम्सटेक, यूरोपीयन यूनिवर्सिटी पार्टनरशिप्स बढ़ी और इस तरह ग्लोबल सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज एंड इकोलॉजी जैसे वैश्विक अध्ययन केंद्र की स्थापना हुई। आज यानी 2025 का नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध अध्ययन, तुलनात्मक धर्म, पर्यावरण और सतत विकास, ऐतिहासिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और दर्शनशास्त्र मुख्य विषय के रूप में पढ़ाये जाते हैं। यहां 40 से ज्यादा देशों के छात्र हैं और इंटरनेशनल फैकेल्टी व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च केंद्र मौजूद है।

ज्ञान, शांति और साझा भविष्य के लिए शिक्षाह्ण के मिशन के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय का यह नया आदर्श वाक्य है। आज यह विश्वविद्यालय ग्लोबल नॉलेज हैरिटेज और मॉर्डन एकेडमिक सेंटर के रूप में धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

लेटर टू एडिटर

जनाकांक्षाओं की बात

सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरी, तो जनता उसे बदल भी देती है। नई सरकार से जनता उम्मीद करती है कि वह उसकी आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी। यही सत्ता परिवर्तन के निहितार्थ हैं। लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि सरकार बदलने के साथ अक्सर चेहरे बदल जाते हैं। लोकतंत्र में सरकारों का बदलना एक सामान्य प्रक्रिया है। आवश्यकता इस बात की है कि जनता द्वारा चुनी गई सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी उतरे।

-सतीश शर्मा, हजारीबाग

सख्त कार्रवाई हो

बांग्लादेश को 1971 में भारत ने मुक्ति वाहिनी की मदद से स्वतंत्रता दिलाई थी, लेकिन आज वहां के कट्टरपंथी हिंदू विरोधी हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। बांग्लादेश को यह याद रखना चाहिए कि वह कई मामलों में भारत पर निर्भर है। कट्टरपंथियों की धमकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जा सके। **-रवि, रांची**

ट्वीट

झारखंड के किसानों के लिए दिन खास है . दो साल के अंतराल के बाद राज्य में मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना की शुरूआत कर दी गई है। रांची के खेल गांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में 4 करोड़ की परिसंपत्ति का वितरण किसानों के बीच किया गया । इसमें बड़ा ट्रैक्टर , मिनी ट्रैक्टर , सोलर पंप सेट , नॉर्मल पंप सेट का लाभ किसानों को दिया गया । लाभ पाने वालों की भीड़ में महिला समूह की उपस्थिति बेहतर संकेत है। अब राज्य की महिलाएं भी ट्रैक्टर का प्रशिक्षण लेकर लाभुक की सूची में अपना नाम दर्ज करा रहीं है। इस योजना का लाभ योग्य लाभुक अपने एस्क्रो अकाउंट में अंशदान का भुगतान कर आसानी से ले सकते है।

– शिल्पी नेहा तिर्की, मंत्री

वक्त की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रशांत झा

करियर

युवाओं में अपने प्रमुख काम या नौकरी के साथ कोई अन्य काम या फिर फ्रीलांसिंग की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यानी पोर्टफोलियो कैरियर। इसकी वजह जॉब सिक्योरिटी, वर्क-लाइफ बैलेंस व ज्यादा कमाई की चाह है। आजकल आय के कई स्रोत और मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना जरूरी भी है।

शिखर चंद जैन

एक जमाना था जब आपके पिता, चाचा या अन्य रिश्तेदार बड़े गर्व से आपको बताते थे कि उन्होंने स्कूल कॉलेज की पढ़ाई के बाद कैसे किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी (जैसे टाटा, हिंद मोटर, बिरला सीमेंट, एचएमटी या फिर कोई और) में नौकरी शुरू की और 40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वह जमाना कुछ और था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एम्पलॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। किसी मेट्रो सिटी में या जॉब के लिए कहीं भी घर से बाहर रहने पर मोटा खर्च, दिनों दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना न तो सुरक्षित है, न बुद्धिमानी। इसलिए आपको जरूरत है पोर्टफोलियो कैरियर माइंडसेट की। दरअसल आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है।

पोर्टफोलियो कैरियर क्या है?

पोर्टफोलियो कैरियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के लिए कई स्रोतों की व्यवस्था करना। पोर्टफोलियो कैरियर में साइड हसल, एक से ज्यादा पार्ट टाइम जॉब, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं। एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम करना भी इसमें शामिल हैं। उदाहरण के लिए, एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर अन्य व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, लेकिन साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है या ड्राइविंग का काम कर सकता है।

पोर्टफोलियो कैरियर के लाभ

बेहतर कार्य-जीवन संतुलन : पोर्टफोलियो कैरियर अपनाने वाले लोगों के टाइम टेबल में यह निर्धारित करने की छूट और सुविधा होती है कि वे कब या कहां काम करते हैं। वे अक्सर घर से भी काम कर सकते हैं और अपने समय को विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य काम के लिए चुन सकते हैं, जिससे उन्हें बेहतर कार्य-जीवन संतुलन प्राप्त करने में मदद मिलती है।

अधिक आय : पोर्टफोलियो कैरियर के साथ आप कई स्रोतों से आय प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है तब भी आपके पास पैसा आता रहेगा।

कम बंधन : आपको किसी खास तरह की नौकरी के प्रति बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी कैरियर को परख सकते हैं। पोर्टफोलियो कैरियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

कैसे शुरू करें पोर्टफोलियो कैरियर

समुचित योजना बनाएंः अगर आप अपना पोर्टफोलियो कैरियर शुरू करने का फैसला करते हैं, तो पूरे विचार के साथ योजना बनाएं और उसे शुरू करें। आप रेगुलर कैरियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो कैरियर भी अपना सकते हैं या फिर अकेले पोर्टफोलियो कैरियर भी अपना सकते हैं।

अपनी क्षमता का आकलन : इसके लिए अपनी रचनात्मकता, स्किल्स और रुचियों पर विचार करें ताकि यह तय कर सकें कि आप किस तरह की नौकरी करना चाहते हैं और आप किस तरह के काम से कमाई के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं।

लोगों के साथ नेटवर्क : किसी भी कैरियर की तरह नेटवर्किंग भविष्य में अधिक अवसरों की ओर ले जा सकती है। अपने पोर्टफोलियो कैरियर को विकसित करने के लिए अपने विविध अनुभवों का उपयोग करें। पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें और देखें कि क्या वे आपके लिए अवसरों के बारे में जानते हैं। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं।

तरह-तरह के पोर्टफोलियो करियर

साइड हसलरः ऐसा व्यक्ति जो अपने मुख्य काम के साथ-साथ किसी अन्य प्रोजेक्ट से आय अर्जित करता है।

योग सिर्फ व्यायाम नहीं, लाइफ स्टाइल थैरेपी भी

जीवीएस शास्त्री

योग

आज की तनावभरी और टारगेट ओरिएंटेड व्यस्त जिंदगी में योग न सिर्फ जरूरी है बल्कि मानसिक, शारीरिक संतुलन बनाये रखने का यह एक असरदार उपाय भी है। दरअसल, इंसान ऑफिस के प्रेशर, सोशल मीडिया के प्रेशर, पारिवारिक जिम्मेदारियों, कैरियर और भविष्य की चिंताओं में घिरा रहता है। योग में प्राणायाम, ध्यान, आसन और क्रियाएं मानसिक शांति लाकर चिंता, डिप्रेशन और एंग्जाइटी को कम करती हैं। लंबे समय तक सिटिंग जॉब करने वाले और शारीरिक गतिविधियों से रहित लाइफस्टाइल के चलते अकसर मांसपेशियों में अकड़न पैदा हो जाती हैं। कमरदर्द बना रहता है। ऐसे में मोटापा और डायबिटीज जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

लचीलापन बढ़ाने, पोस्चर सुधारने में सहायक : योग इन सब स्थितियों में राहत दिलाता है। योग के जरिये शरीर में लचीलापन बढ़ता है, पोस्चर सुधरता है, रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। वहीं हार्ट बीट काबू में रहती है। साथ ही तनाव के कारण होने वाली सूजन नहीं होती और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसलिए हर व्यक्ति को योग करने की जरूरत है। भले वह शारीरिक रूप से इसकी जरूरत महसूस करता हो या न करता हो। तनावपूर्ण जिंदगी जीने वाले लोग अगर प्रत्यक्ष तौर पर कई सारी चिंताओं से परेशान नहीं दिखते, तो भी आशंका रहती है कि किसी भी क्षण उनमें ये सारी समस्याएं अपना असर दिखा सकती हैं। इसलिए अलर्ट रहकर योग के जरिये इस तरह की आशंकाओं को निर्मूल करते रहना चाहिए। योग करने से बेहतर नींद आती है जिससे न सिर्फ शरीर को शांति महसूस होती है बल्कि जीवनशैली को भी बेहतर बनाया जा सकता है। इसलिए योग करना बहुत फायदेमंद होता है। योग करने से मेलाटॉनिन हार्मोन का स्तर संतुलित होता है, जिससे अनिद्रा यानी इंसोमेनिया जैसी समस्याएं दूर होती हैं। हम दिनभर ऊर्जा से लबालब रहते हैं जो लोगों के साथ रिश्ते सहज और दोस्ताना बनाने में मददगार हैं। दरअसल, मेडिटेशन और यौगिक विधियों द्वारा हम खुद के भीतर झांकने की कोशिश करते हैं। किसी आपाधापी में धैर्य और आत्मसंयम बनाये रहते हैं। इससे हमारे घर, परिवार और प्रोफेशनल रिश्ते तो संतुलित रहते ही हैं, हमारे खुद के साथ भी रिश्ते संतुलित होते हैं। वास्तव में योग हममें तुरंत रिएक्ट करने की जगह रिस्पोंड करने की आदत डालता है।

तन, मन का संतुलन : योग को सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं कहना चाहिए। यह एक लाइफस्टाइल थैरेपी है जो हमारे तन, मन और आत्मा तीनों को संतुष्ट रखती है। तीनों के बीच एक बेहतर संतुलन रखती है और सबसे बड़ी बात यह है कि योग करने में हमारे सिर्फ समय के और थोड़े से शारीरिक प्रयासों के अलावा कुछ और खर्च नहीं होता। तनाव और दबाव से भरी जिंदगी में हर किसी को योग करना चाहिए। इससे हमें महंगी दवाओं राहत मिलेगी। मेडिसिन के बिना भी हम एक बेहतर जीवन जी सकते हैं। कहा भी गया है योग करो, रोग से दूर रहो और दुनिया के साथ साथ खुद से भी जुड़ो। योग से ये तिहरे स्तर के लाभ होते हैं।

स्ट्रेस फ्री वर्ल्ड के लिए योग ज्ञान

विश्व को चिंताओं और तनाव से छुटकारा दिलाने में भारत के योग ज्ञान की बहुत बड़ी भूमिका है, यह बात पूरी दुनिया मानती है। योग, ध्यान तथा आयुर्वेद दुनिया को तनाव से मुक्ति दिलाने में बड़े मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। योग सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक विरासत नहीं बल्कि वैज्ञानिक रूप से सिद्ध मानव जीवन को शांति का तोहफा है। दुनिया ने योग को मानसिक और शारीरिक तनाव से राहत का साधन माना है। अमेरिका, यूरोप, जापान जैसे सभी विकसित देशों में आज न सिर्फ लोग घरों और पार्कों में हर तरफ योग करते दिखेंगे बल्कि अस्पतालों, स्कूलों, कार्पोरेट कार्यालयों और सेना के बैरकों में भी अब योग को एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में अपना लिया गया है।

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से मुलाकात कर कोडरमा व गिरिडीह क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई — अन्नपूर्णा देवी

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को गुरुवार को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध कोयला लदा ट्रक एनएच 33 होते हुए हजारीबाग के तरफ जा रहा है। सूचना के बाद मांडू थाना प्रभारी ने चेकिंग अभियान चलाया। एनएच 33 खैरा जारा के पास 14 चक्का ट्रक संख्या डब्लूबी37ई 2903 के चालक ने पुलिस को वाहन चेकिंग करता देखा तो ट्रक को सड़क पर खड़ा कर भाग गया। ट्रक का तलाशी लेने पर ट्रक में करीब 40 टन अवैध कोयला लोड पाया गया। काफी देर इंतजार के बाद भी ट्रक में लोड कोयला से संबंधित कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद ट्रक को जब्त कर थाना लाया।

कंप्यूटर सेंटर का मना वर्षगांठ

भुरकुंडा (रामगढ़)। बैंक मोड़ पटेलनगर माइक्रो कंप्यूटर सेंटर का शुक्रवार को धूमधाम से 20वां वर्षगांठ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक मनोज सिन्हा एवं संस्था की संचालिका सह कंप्यूटर शिक्षिका डौली सिन्हा ने केक काटकर किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं के बीच केक व मिठाई का वितरण किया। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रंगारंगा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। शिक्षिका डौली सिन्हा ने कहा कि हमारे संस्था का उद्देश्य बच्चों को इस डिजिटल युग में बेहतर शिक्षा देकर रोजगार का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हमारे सेंटर में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को कम शुल्क पर कंप्यूटर की शिक्षा दी जाती रही है, जो आगे भी जारी रहेगा। मनोज सिन्हा ने संस्था के 20 वर्षों की उपब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षकों के मार्ग-दर्शन में बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में रिया कुमारी, अल्पना कुमारी, जैस्मिन, श्रुति, आशा, खुशबू, श्वेता, स्वर्णप्रिया, कंचन, ऋद्धि, निधि, रीना, सिमरन, सूरज, रागिनी आदि का विशेष योगदान रहा।

भंडारे के साथ हरि कीर्तन संपन्न

कुजू। सेवटा स्थित हनुमान मंदिर की 14 वीं वर्षगांठ को लेकर 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुक्रवार को भंडारे के साथ संपन्न हो गया। यज्ञाचार्य विकास पांडेय, अयोध्या पांडेय एवं सुबोध पांडेय ने समाजसेवी नरेश प्रसाद साहू एवं उनकी धर्मपत्नी कौशल्या देवी (पार्षद) के हाथों विधिवत पूजा अर्चना कराया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे के साथ अखंड दीप को लेकर देवी मंडप पहुंचे। यहां विधिवत पूजा अर्चना कर लौटने के उपरांत हरे राम, हरे कृष्णा का जाप संपन्न हुआ। बाद में भंडारा का वितरण किया गया।

31 जुलाई को महाधरना को लेकर बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। जवाहर नगर स्थित मुकेशलाल सिंदूरिया के आवास में शुक्रवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख साथियों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मुकेशलाल सिंदूरिया एवं संचालन महासचिव भुनेश्वर साव ने किया। बैठक में मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु उपस्थित थे। यह बैठक 20 जुलाई तक चलने वाले प्रखंड एवं ग्राम स्तर पर जनसंपर्क अभियान, 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले त्राहिमाम महाधरना की तैयारी, सांगठनिक सुदृढ़ीकरण एवं सदस्यता अभियान के मुद्दे पर रखी गयी थी। 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले महाधरना में अधिक से अधिक लोग जायेंगे। इसके लिए मुकेशलाल सिंदूरिया एवं भुनेश्वर साव को प्रभारी नियुक्त किया गया। मौके पर अशोक साव, श्रीनिवास अग्रवाल, भरत केशरी, देवकुमार पंडित, ओम प्रकाश साव, जीवन गुप्ता, गीता देवी राणा, चिंता देवी, पिंटू गुप्ता, उपेन्द्र शर्मा, मिथिलेश लाल, गोपाल केशरी, कुसुमलता देवी आदि मौजूद थे।

बरही में मुहर्रम को लेकर बैठक

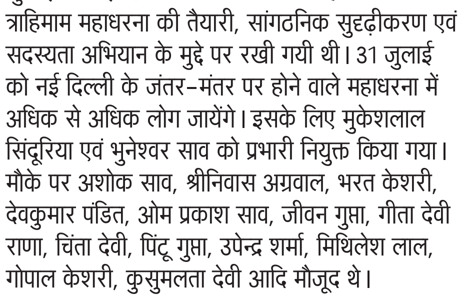

बरही। बरही प्रखंड सभागार में गुरुवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता बीडीओ जयपाल महतो ने की और संचालन थाना प्रभारी आभास कुमार ने किया। जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, अंचलाधिकारी अमित किस्कू, सर्किल इंस्पेक्टर चंदशेखर कुमार और उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा शामिल हुए। बीडीओ ने कहा कि पर्व को देखते हुए एहतियात के तौर पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। हुड़दंग मचाने वाले लोगों की पहचान कर पुलिस प्राथमिकी भी दर्ज कर सकती है। इसलिए सामाजिक एकता को कायम रखने वाले पर्व में सभी को संयम के साथ पर्व मनाना चाहिए। थाना प्रभारी आभास कुमार ने कहा कि ताजिया जुलूस निकालते समय यातायात व्यवस्था का ध्यान रखना अनिवार्य है।

रथयात्रा में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

चौपारण में सांसद-विधायकों ने खींचा रथ, क्षेत्र की खुशहाली की कामना

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/चौपारण। श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का रंग इस बार हजारीबाग जिले में पूरे जोश, श्रद्धा और आस्था के साथ चढ़ा। शुक्रवार को एक तरफ चौपारण प्रखंड के बैजनाथ नगर (सियरकोनी) में तीसरे वर्ष लगातार रथयात्रा का भव्य आयोजन हुआ, तो वहीं दूसरी ओर सदर प्रखंड के सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम में रथद्वितीया के पावन अवसर पर पारंपरिक मेला और शोभायात्रा का आयोजन किया गया। दोनों ही स्थलों पर हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

चौपारण में आयोजित रथयात्रा में सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव, अमित कुमार यादव, बिरजू तिवारी समेत कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। रथ की रस्सी खींचते हुए इन्होंने भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र से क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

भव्य शोभायात्रा में भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े, विदेशी श्रद्धालु, और आरएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सिलवार जगन्नाथ धाम में 1952 से चली आ रही परंपरा के तहत रथद्वितीया के दिन भगवान का रथ मौसीबाड़ी के लिए निकाला गया। सांसद मनीष जायसवाल ने माथा टेककर क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। मेले में मौत का कुआं, झूले, मिठाइयों की दुकानों और हिल ट्रैकिंग का भी लोगों ने जमकर आनंद लिया। दोनों स्थलों पर स्थानीय संगठनों, मंदिर समितियों और पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका ने आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाया। इस धार्मिक एकजुटता ने हजारीबाग को एक बार फिर आस्था और संस्कृति की भूमि के रूप में स्थापित किया।

बड़कागांव में उमड़ी भीड़

बड़कागांव। बड़कागांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र की पूजा-अर्चना के लिए मंदिर का कपाट अहले सुबह 6 :00 बजे खोल दिया गया।उसके बाद सर्वदर्शन सुलभ हुआ। सुबह से लेकर शाम चार बजे तक पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ मंदिर के प्रांगण में

जमी रही। भक?तों द्वारा शाम 4:30 बजे भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रथ पर आसन्न कराया गया।

भगवान के रथ को भक्तों ने राम जानकी मंदिर से मुख्य चौक होते हुए डेली मार्केट स्थित राधे श्याम मंदिर पहुंचाया।

जहां भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा एवं भगवान कृष्ण व राधा को मेल-मिलाप कराने के लिए पूजा अर्चना की गयी। रथ खींचने में सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी,समिति अध्यक्ष जय हिंद महतो, उपाध्यक्ष पिंटू गुप्ता,मनोज गुप्ता,दर्शन प्रसाद कुशवाहा,सत्यजीत अलंकार, कीर्तन महतो,प्रीतम महतो समेत सैकड़ो भक्तों ने रथ का रस्सा खींचकर आस्था व्यक्त किया।

रामगढ़ के कैथा में निकली रथयात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के कैथा में गुरुवार को श्री श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब। रथयात्रा में सांसद मनीष जायसवाल और क्षेत्र की विधायक ममता देवी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए । जायसवाल ने सबसे पहले श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर, कैथा में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माथा टेका। इसके बाद उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सांसद ने श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया। जायसवाल ने कहा कि श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर कैथा परिसर में पिछले करीब 75 सालों से रथयात्रा का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कैथा जगन्नाथ मंदिर के समृद्ध इतिहास का जिक्र करते हुए वर्तमान वर्ष में आयोजन समिति द्वारा किए गए बदलावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से सनातन संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण्ण रखने में ऐसे आयोजन मील के पत्थर साबित होगा।

मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस, सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता सरदार अनमोल सिंह, विजय जायसवाल, रंजन सिंह फौजी, समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

छोटकी डूंडी व चरण पहाड़ी से निकली रथ यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

कुजू। छोटकी डूंडी में भगवान राम, लक्ष्मण और माता जानकी व चरण पहाड़ी से भगवान जगरनाथ की रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर रथ को खीचा। पहले तो श्रद्धालुओं ने फूलों से सजी रथ पर पूरे विधि विधान के साथ उक्त प्रतिमा को सवार किया। फिर रथ में लगे रस्से के सहारे खींचकर देवी देवताओं को ठाकुरबारी से मौसीबाड़ी पूरे उत्साह पूर्वक ले गए। यहां भगवान सात दिनों तक विश्राम करेंगे। इसके पश्चात पुनः आठवें दिन मौसीबड़ी से ठाकुरबाड़ी लौटेंगे। पुरोहित सत्यदेव पांडेय, पंडित महेंद्र तिवारी, मुकेश तिवारी, संतोष पांडेय, शशिकांत

पांडेय, यीशु पांडेय शिवा पांडेय ने यजमान को राम, लक्ष्मण, माता जानकी, लड्डू गोपाल एवं अन्य देवी देवताओं के सिंहासन का अधिष्ठापन को लेकर यज्ञ, मौसीबाड़ी आगमन का संदेश पहुंचाने पवन पुत्र हनुमान जी का जनकपुर के लिए प्रस्थान, ठाकुरबाड़ी में यज्ञ हवन एवं महाभोग आदि धार्मिक अनुष्ठान कार्य संपन्न कराए गए। चरण पहाड़ी में बाबा प्रेमदास द्वारा पूजा अर्चना कराकर राधा कुंड, बरसाना, कलकता, बंगाल तथा पूरी, वृंदावन, गोकुल, मथुरा से आए हुए श्रद्धालुगणों के द्वारा भी भोग लगाते हुए बड़े ही धूमधाम से नाचते गाते हुए मन्दिर प्रांगण से रथ खींचा गया। छोटकी डूंडी में मांडू विधायक तिवारी महतो व कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह शामिल हुए। अतिथियों ने कहा कि भारत की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का वह पुण्य पर्व है, जो सदियों से एक विरासत के तौर पर हमारे बीच है। यह वह उत्सव है जब भगवान अपने भक्तों के बीच होते हैं।

एक नजर में

करोड़ों खर्च के बाद भी पानी के लिए तरसे लोग

बरही। दुलमाहा पंचायत में हर घर नल जल योजना पानी नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की गाथा बनकर रह गई है। योजना का नाम सुनते ही ग्रामीणों की आंखों में गुस्सा और दिल में पीड़ा झलकने लगती है। दो साल से करोड़ों की लागत से चल रही यह महत्वाकांक्षी योजना सिर्फ पोस्टर-बैनर में सफल दिखती है, लेकिन जमीनी हकीकत शून्य से भी नीचे है। पीएचईडी द्वारा संचालित इस योजना में न पाइपलाइन ठीक से बिछी, न जलमीनारों में पानी भरा। जिन इलाकों में काम ह्यपूराह्न बता दिया गया, वहां नलों से एक बूंद भी पानी नहीं टपका। कहीं बोरिंग अधूरी छोड़ी गई है, तो कहीं पाइप बिछाकर मिट्टी डाल दी गई और फाइल बंद। जलमीनार बने जरूर, मगर पानी पहुंचा नहीं। सब कुछ ऐसा मानो लूट का खेल खुलेआम खेला जा रहा हो। सबसे हैरानी की बात यह कि विभाग पूरी तरह मौन है। जब ग्रामीणों ने जानकारी चाही तो जेई ने टाल-मटोल कर फोन पर आधी-अधूरी बातें थमा दीं। योजना की निगरानी करने वाला कोई नहीं दिखता।अब ग्रामीण कह रहे हैं कि सरकारी पैसे को लूटा गया है और इसका जवाबदेह कोई नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

मनरेगा पर बीडीओ का वादा झूठा : मुखिया

इचाक। सरकार भले ही पंचायत सशक्तिकरण की बात करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत इचाक प्रखंड में बिल्कुल उलट है। मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना का संचालन आज भी पंचायत सचिवालय से नहीं, बल्कि प्रखंड मुख्यालय की मर्जी से हो रहा है। शुक्रवार को गोबरबंदा पंचायत भवन में मुखिया संघ की बैठक हुई, इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सकेंद्र प्रसाद मेहता ने की। जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता ने कहा कि पिछली प्रखंड स्तरीय पंचायत समिति की बैठक में बहुमत से निर्णय लिया गया था कि मनरेगा के सभी कार्य पंचायत मुख्यालय से ही संचालित होंगे। बीडीओ संतोष कुमार ने भी 10 दिनों में कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन एक महीने बाद भी कार्य ऑनलाइन डिमांड से लेकर भुगतान तक प्रखंड से ही हो रहा है। सकेंद्र मेहता ने चेतावनी दी कि अगर एक सप्ताह में कार्य पंचायत सचिवालय से नहीं शुरू हुआ और संविदा समाप्त होने के बावजूद बीपीओ स्वाति वर्मा की मौजूदगी खत्म नहीं की गई, तो हम उग्र आंदोलन करेंगे। मौके पर सुनीता देवी, चोहन महतो,उमेश मेहता, अशोक राम,निशु कुमारी,किरण देवी, संगीता देवी,मीना देवी, मोदी कुमार, किरण देवी,सीता कुमारी, सिकंदर कुमार दास,काजल देवी, दयानंद कुमार,कुशलचंद मेहता, श्रीकांत मेहता, राकेश कुमार मेहता, विजय राम, अभिषेक कुमार के अलावा अन्य पंचायत के मुखिया शामिल थे।

एकल विद्यालय के आचार्यों की बैठक

कटकमदाग। सुल्ताना स्थित सामुदायिक भवन में गुरुवार को एकल विद्यालय के आचार्यों की मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसका शुभारंभ अतिथि संच उपाध्यक्ष जगन्नाथ प्रजापति, अंचल के प्राथमिक शिक्षा प्रमुख करण कुमार व गतिविधि प्रमुख अभिषेक ने मां सरस्वती व भारत माता की चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संच प्रमुख धनंजय पांडेय अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने जून माह में एकल विद्यालयों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही उसकी समीक्षा की गई। अतिथियों ने आचार्य दीदियों को बच्चों को पंचमुखी शिक्षा के साथ-साथ संस्कारमय शिक्षा देने पर जोर दिया। संच प्रमुख धनंजय पांडेय ने आचार्यों को जुलाई में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। आचार्यों को जून, जुलाई में बच्चों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए प्ररित करने को कहा। रक्षा बंधन के दौरान आचार्यों द्वारा पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को रक्षा सूत्र बांधने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न एकल विद्यालयों के आचार्य उपस्थित थीं।

दारु : सेवाने नदी में वृद्ध का मिला शव

दारु। कबलासी में एक वृद्ध का शव नदी में मिला। मृतक इसराईल मियां कबलासी का निवासी था, उसकी मानसिक स्थिति खराब थी। वह गुरुवार शाम को घर से निकले था फिर लौट कर घर वापस नही आया। परिजनों ने उसे काफी खोजा पर वह कहीं नजर नही आया। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने सिवाने नदी के जोगदहा मे उसका शव को तैरता हुआ देखा ।

झारखंड में लागू नहीं होंगे श्रम कानून : संजीव बेदिया

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन (झाकोमयू) बरका-सयाल जीएम यूनिट की कमेटी का गुरुवार को पूर्णगठन किया गया। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारीबाग जिला अध्यक्ष एवं झाकोमयू के बरका-सयाल क्षेत्रीय सचिव संजीव कुमार बेदिया उपस्थित हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजीव बेदिया ने कहा कि झाकोमयू सदैव मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्षरत रही है और आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित चार श्रम कानूनों (लेबर कोड) को मजदूर, उद्योग और देश विरोधी करार देते हुए कहा कि इसे किसी भी कीमत पर झारखंड में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं इन कोडों का विरोध कर चुके हैं और झारखंड में इसका विरोध जारी रहेगा। बेदिया ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से मजदूरों के शोषण में वृद्धि होगी और सामाजिक-आर्थिक असमानता बढ़ेगी। पूर्व केंद्रीय सदस्य एवं यूनियन नेता संजय वर्मा ने कहा कि मजदूरों को एकजुट रहते हुए इस मजदूर विरोधी नीति का डटकर

विरोध करना होगा। उन्होंने 9 जुलाई को प्रस्तावित हड़ताल को संजीव बेदिया के मार्गदर्शन में सफल बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में सर्वसम्मति से जीएम यूनिट की नई कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष रामरत्न मंडल, उपाध्यक्ष सिकेंद्र कुमार और बालेश्वर महतो, सचिव विकास कुमार, सह सचिव मुकेश किस्कू, संयुक्त सचिव प्रमिला कुमारी, संगठन मंत्री अजीत कुमार, कोषाध्यक्ष अखिलेश चौहान चुने गए। सम्मेलन में झामुमा के प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, बंटी उरांव, सिकंदर करमाली, विनोद कुमार, उदय मेहता, अंजू देवी, मालती देवी, लखि देवी, अश्विनी कुमारी, अजीत कुमार, विनोद कुमार सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

बेंदगी गांव में अभी तक नहीं बना पक्की सड़क

बरही। आजादी के 78 साल बीत गए, लेकिन बरही प्रखंड मुख्यालय से महज तीन-चार किलोमीटर दूर स्थित बेंदगी गांव अब भी पक्की सड़क के इंतजार में है। गांव तक पहुंचने वाला मुख्य मार्ग उज्जैना के पास पटना रोड से होकर आता है, जो अब भी पूरी तरह कच्चा, गड्ढों से भरा और बेहद खतरनाक है। बरसात में यह सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे ग्रामीणों का बाहर आना-जाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नेता हर चुनाव में पक्की सड़क का वादा कर जाते हैं, लेकिन जीत के बाद कोई पलटकर नहीं देखता। गांव में साइकिल और बाइक सवार अक्सर फिसलते और गिरते हैं, वहीं बारिश के दिनों में लोग घरों में कैद होकर रह जाते हैं। मुखिया सिकंदर राणा ने बताया कि बारिश के कारण सड़क बेहद कीचड़युक्त हो गई थी, जिसके बाद मिट्टी-मोरम डालकर उसे थोड़ा चलने लायक बनाया गया। उन्होंने कहा, सड़क के बिना विकास की बात करना बेमानी है। योजनाएं आती हैं, लेकिन सड़क न होने से वे जमीन पर नहीं उतरतीं। बेंदगी गांव की हालत 21वीं सदी के विकास के दावों को कटघरे में खड़ा करती है। ग्रामीण अब उम्मीद छोड़ चुके हैं, क्योंकि हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन और झूठे वादे ही मिले हैं।

फिर विवादों में विनोबा भावे विश्वविद्यालय

- कुलपति ने छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों और नागरिकों से अराजक तत्वों का समर्थन नहीं करने की अपील की
- एनएसयू व एआइडीएसओ ने कहा, ठेकेदारी और सप्लाई का आरोप निराधार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से अराजक तत्वों का समर्थन नहीं करने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार को कुछ छात्र नेता एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधि बनकर उनके कार्यालय पहुंचे, अपमानजनक भाषा का

इस्तेमाल किया और ठेकेदारी व सप्लाई के कामों को लेकर दबाव बनाया। कुलपति ने इस घटना को गुरु-शिष्य परंपरा और विश्वविद्यालय की गरिमा पर हमला बताया। उनका कहना है कि यह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे शैक्षणिक वातावरण पर चोट है। उन्होंने विश्वविद्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त रखने और बाहरी हस्तक्षेप से बचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। छात्रों ने कुलपति के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एनएसयूआई और एआईडीएसओ जैसे संगठनों से जुड़े छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्वक अपनी मांगों को लेकर पहुंचे थे, जिसमें छात्रसंघ चुनाव की बहाली, स्पेशल जेनरिक पेपर की पुनर्परीक्षा और संगठन के लिए हॉल की मांग सहित छात्रों की बेहतरी के लिए अन्य मांगे शामिल थी। उनका आरोप है कि कुलपति के राजनीति नहीं चलेगी वाले बयान ने माहौल को बिगाड़ा। छात्रों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग करते हुए कहा कि उन पर लगाया गया ठेकेदारी का आरोप निराधार है। अब यह विवाद एक बड़ी बहस का रूप ले चुका है। इस मामले को लेकर छात्र संगठन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बातों को रख सकते है। जनता व मीडिया अब दोनों पक्षों से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

आपातकाल में मीडिया का गला घोटा गया

(28 जून प्रेस सेंसरशिप डे)

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पच्चीस जून, 1975 की वो तारीख जब आधी रात को देश में आपातकाल की घोषणा की गई। देश में आपातकाल लग चुका है इसका ऐलान खुद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रेडियो पर किया। आपातकाल की घोषणा के दो दिन के भीतर ही राजनीतिक विरोधियों और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर तो पहरा बिठा ही दिया गया। इस अवधि के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रसारित और बहस की गई हैं, लेकिन इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू प्रेस पर सेंसरशिप थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मीडिया पर शिकंजा कसा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्रयास किए।

उस दौरान लोगों तक सूचना पहुंचाने का एकमात्र स्रोत अखबार और रेडियो थे। आपातकाल स्वतंत्र प्रेस के लिए उस वक्त का कोरोना काल साबित हुआ। उस दौर में प्रमुख अखबारों के कार्यालय दिल्ली के जिस बहादुर शाह जफर मार्ग पर थे, वहां की बिजली काट दी गई। जो अखबार छप भी गए, उनके बंडल जब्त कर लिए गए। हॉकरों से अखबार छीन लिए गए। 28 जून 1975 को भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद मीडिया पर भी सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया।

इस तरह की सेंसरशिप के खिलाफ सीमित ही सही, अपने-अपने ढंग से प्रतिरोध भी हुआ। सेंसरशिप के विरोध में 28 जून को इंडियन एक्सप्रेस, स्टेट्समैन और नई दुनिया जैसे अखबारों और हिम्मत पत्रिका ने सम्पादकीय की जगह पर ब्लैंक स्पेस (खाली जगह) छोड़ दिया। यह आपातकाल और सेंसरशिप के विरोध का ही एक तरीका था। बाद में सरकार ने पत्र-पत्रिकाओं में ह्यब्लैंक स्पेसह्व छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी। एक अखबार ने सेंसरशिप की आंखों से बचकर शोक संदेश के कॉलम में छापा- ह्यआजादी की मां और स्वतंत्रता की बेटी लोकतंत्र की 26 जून, 1975 को मृत्यु हो गई ह्व

आपातकाल से जुड़ी खबरें सामने न आने पाए, इसके लिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कई तरह के उपाय किए। अखबारों के दफ्तरों की बिजली काटने के अलावा सरकार ने अखबारों और पत्रिकाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए उनको मिलने वाले सरकारी विज्ञापनों पर रोक लगा दी। न्यूज पेपर के ऑफिस में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। उनकी बिना इजाजत राजनीतिक खबरों को छापने की मंजूरी नहीं थी।

आपातकाल के दौरान 3801 समाचार पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। 50 से अधिक पत्रकारों और कैमरामैन की मान्यता रद्द कर दी गई। हालात इस कदर बिगड़े कि टाइम और गार्जियन अखबारों के समाचार-प्रतिनिधियों को भारत से जाने के लिए कह दिया गया। रॉयटर सहित अन्य एजेंसियों के टेलेक्स और टेलीफोन कनेक्शन काट दिए गए। सरकार के आदेश के मुताबिक काम करने से मना करने पर पत्रकारों को जेल भेजा जाने लगा। जिन पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था उनमें मशहूर पत्रकार कुलदीप नैयर और केआर मलकानी शामिल थे। इसके अलावा महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी के नेतृत्व में निकलने वाली साप्ताहिक पत्रिका 'हिम्मत' को कुछ आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के आरोप में जुमार्ना लगाया गया था।

सरकार की ओर से प्रेस के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए। अफवाहों और आपत्तिजनक खबर को छापने की सख्त मनाही थी, जो सरकार के खिलाफ विपक्ष को भड़का सकता था। ऐसे सभी कार्टूनों, तस्वीरों और विज्ञापनों को पहले सेंसरशिप के लिए सौंपना पड़ता था, जो सेंसरशिप के दायरे में आते थे। अधिकारियों को न्यूज एजेंसियों के दफ्तरों में तैनात कर दिया गया था, ताकि ये आपत्तिजनक खबरों को उनके स्रोत पर ही दबा दें। विदेशी न्यूज एजेंसियों की आने वाली कॉपी को जांच की जाती थी। जब इंद्र कुमार गुजराल सरकार के मनोनुकूल मीडिया को नियंत्रित नहीं कर पाए तो आपातकाल के शुरूआती दिनों में उन्हें हटा कर विद्याचरण शुक्ल को नया सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया गया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भंग कर दिया गया। इतना ही नहीं आयकर, बिजली, नगर पालिका के बकाये की आड़ में अखबारों पर छापे डाले गए। बैंकों को कर्ज देने से रोका गया।

इनसाइड स्टोरी ऑफ इमरजेंसी में वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर लिखते हैं- आपातकाल के दौरान दिल्ली के संपादकों की एक बैठक बुलाई और उन्हें कड़े शब्दों में कह दिया गया था कि सरकार कभी बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यह सरकार रहेगी और राज करेगी।₹ किसी संपादकीय, लेख या कहीं और खाली जगह को भी विरोध माना जाएगा। बता दें यह तरीका अंग्रेजी राज में सेंसरशिप का विरोध करने के लिए भारतीय अखबार आमतौर पर अपनाते थे।

सेंसरशिप के कारण जेपी सहित अन्य कौन-कौन नेता कब गिरफ्तार हुए, उन्हें किन-किन जेलों में रखा गया, ये खबरें समाचार पत्रों को छापने नहीं दी गईं। यहां तक कि संसद एवं न्यायालय की कार्यवाही पर भी सेंसरशिप लागू थी। संसद में अगर किसी सदस्य ने आपातकाल, प्रधानमंत्री या सेंसरशिप के खिलाफ भाषण दिया तो वह कहीं नहीं छप सकता था। सीपीएम नेता नंबूदरीपाद ने इंदिरा गांधी को पत्र लिख कर कहा था कि आजादी के आंदोलन में भी अंग्रेजों ने विरोधी नेताओं के नाम और बयान छापने पर रोक नहीं लगाई थी। न्यायालय द्वारा सरकार के विरुद्ध दिए गए निर्णयों को भी छापने की मनाही थी।

झारखंड के हजारों बूथों पर मजबूत और सक्रिय कमेटियाँ खड़ी करने की कार्ययोजना पर काम

लक्ष्मी नारायण तिवारी

(झारखण्ड प्रदेश सचिव भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस।)

सैकड़ों पंचायतों, नगर निकायों और ग्रामीण ब्लॉकों में उनके द्वारा की गई जनसभाएँ और संवाद यात्राएँ, केवल चुनावी तैयारियों का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि वे एक गहरी रणनीति का संकेत थीं – संगठन को स्थानीयकृत बनाना, उसे वहाँ की भाषा, मुद्दों और चेहरे से जोड़ना। कमलेश ने इन दौरों में स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस अब केवल शहरी नेतृत्व और प्रेस वाताओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि गाँव, टोला, और खेतों में कार्यकताओं की आवाज और भागीदारी से ही नये झारखंड का राजनीतिक नक्शा तैयार करेगी। जिलों में भ्रमण के दौरान जहाँ भी संगठनात्मक ढीलापन देखा गया, वहाँ जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक समितियाँ, और बूथ स्तर की टीमों का पुनर्गठन तत्काल किया गया। इससे संगठन में नई जान आई और स्थानीय नेतृत्व को पहचान और ज़िम्मेदारी दोनों मिलीं।

बूथ से प्रदेश तक संगठन विस्तार: हर बूथ कांग्रेस का किला — संकल्प से संगठन तक

केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस ने एक महत्त्वाकांक्षी लेकिन जमीनी हकीकत पर आधारित अभियान शुरू किया – हर बूथ कांग्रेस का किला ह्व यह कोई नारा मात्र नहीं, बल्कि एक सांगठनिक लक्ष्य था, जिसमें झारखंड के हजारों बूथों पर मजबूत और सक्रिय कमेटियाँ खड़ी करने की कार्ययोजना बनाई गई। इस उद्देश्य को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने पंचायत स्तर तक पहुंच बनानी शुरू की। कमलेश ने स्वयं इस अभियान का नेतृत्व किया – न केवल दिशा-निर्देश देकर, बल्कि गाँव-गाँव जाकर सदस्यता शिविरों और कार्यकर्ता संवादों में हिस्सा लेकर।

हर ब्लॉक में प्रभारी नियुक्त किए गए, मंडलवार जिम्मेदारी तय की गई, और ज़िला से लेकर बूथ स्तर तक सतत निगरानी की व्यवस्था की गई। कांग्रेस के सभी फ्रंटल संगठन – युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल – को फिर से सक्रिय किया गया और इन्हें ग्राम स्तर तक फैलाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। यह पहली बार हुआ कि संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठ एक समन्वित ढांचे में काम करने लगे और प्रत्येक स्तर पर डेटा आधारित समीक्षा शुरू हुई।

कमलेश ने आदिवासी पर्वों, श्रमिक सम्मेलनों, और महिला जागरूकता सभाओं में खुद भाग लेकर यह सुनिश्चित किया कि कांग्रेस की सदस्यता केवल फार्म भरने तक सीमित न रहे, बल्कि यह एक वैचारिक और संघर्षशील जुड़ाव का माध्यम बने। बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकताओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे न केवल प्रचार-प्रसार करें, बल्कि कांग्रेस की विचारधारा और नीतियों के संवाहक बनें। इस सांगठनिक जड़त्व को तोड़ने और उसे जीवंत बनाकर जनसंवाद से जोड़ने का जो काम कमलेश ने शुरू किया, वह झारखंड कांग्रेस के लिए निर्णायक सिद्ध हो रहा है और आने वाले चुनावों में इसका असर व्यापक रूप से दिखाई देगा।

प्रभारी राजू के साथ अभियान: समन्वय, संगठन और संघर्ष का एक प्रभावी मॉडल

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व को एक नया आयाम तब मिला जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद के. राजू को झारखंड का नया प्रभारी नियुक्त किया। यह नियुक्ति केवल प्रशासनिक नहीं थी, बल्कि संगठन के बीच सामंजस्य और क्रियान्वयन के स्तर पर एक गहरी रणनीति का हिस्सा थी। केशव कमलेश और के. राजू की जोड़ी ने बहुत ही कम समय में यह दिखा दिया कि यदि राज्य और केंद्र के संगठनात्मक नेतृत्व में पारदर्शिता, संवाद और रणनीतिक तालमेल हो, तो पार्टी किस प्रकार जनांदोलन की शक्ल अख्तियार कर सकती है।

इन दोनों नेताओं ने मिलकर एक नई परंपरा की शुरूआत की – नियमित डिजिटल संवाद, ज़िला प्रभारी बैठकों की पारदर्शिता, मुद्दों पर आधारित संगठनात्मक सक्रियता, और समयबद्ध कार्यक्रमों का क्रियान्वयन। झारखंड कांग्रेस की जूम बैठकों को अब केवल तकनीकी औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस योजना-निर्माण का मंच माना जाने लगा। प्रभारी राजू की अनुभवी दृष्टि और कमलेश की जमीनी पकड़ के कारण जिलों में भ्रमण, समीक्षा बैठकें और प्रशिक्षण सत्र प्रभावी ढंग से होने लगे।

इस समन्वय का सबसे शक्तिशाली उदाहरण 26 मई 2025 को देखने को मिला, जब रांची में राजभवन घेराव कार्यक्रम आयोजित हुआ। सरना धर्म कोड की माँग को लेकर यह विशाल प्रदर्शन एक ऐतिहासिक जन-संलग्नता में बदल गया। सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समाज के प्रतिनिधि, महिला कार्यकर्ता, छात्र नेता, और कांग्रेसजनों ने भाग लिया। इस पूरे आयोजन में केशव कमलेश और प्रभारी के. राजू दोनों ने न केवल साझा नेतृत्व किया, बल्कि मंच से लेकर जुलूस तक एकता और प्रतिबद्धता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से न केवल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया, बल्कि पूरे झारखंड में यह संदेश गया कि कांग्रेस आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों की सबसे मजबूत आवाज बनकर उभरी है। इसी प्रकार पेसा कानून पर आधारित कार्यशाला ने संगठन और समाज के बीच वैचारिक संवाद की मिसाल पेश की, जहाँ आदिवासी स्वशासन और संविधान की धारा 5वीं अनुसूची के प्रभावी क्रियान्वयन पर खुली बहस हुई।

बड़े आंदोलन और रैलियाँ: जनचेतना की लहर में बदलते संगठनात्मक कार्यक्रम

झारखंड कांग्रेस के लिए 6 मई 2025 एक ऐतिहासिक दिन बन गया, जब केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में ह्लसंविधान बचाओ रैलीह्व रांची के ऐतिहासिक पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित की गई। यह कोई साधारण राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह रैली कांग्रेस की वैचारिक पुनर्स्थापना का प्रतीक बन गई। झारखंड की राजनीतिक स्मृति में शायद ही कोई ऐसा कार्यक्रम रहा होगा जिसमें इतनी विविधता – जातीय, सामाजिक, और आयु वर्ग की – देखने को मिली हो। इसमें न केवल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे, बल्कि भूपेश बघेल जैसे जमीनी नेतृत्वकर्ता भी थे जिन्होंने जनता से सीधे संवाद किया।

रैली की सफलता केवल भीड़ में नहीं थी, बल्कि उस अनुशासन, नारे और नारों के पीछे की वैचारिक स्पष्टता में थी जिसने यह सिद्ध कर दिया कि झारखंड कांग्रेस अब एक सशक्त वैकल्पिक धारा बनकर उभर रही है। केशव कमलेश ने अपने भाषण में यह स्पष्ट किया कि संविधान पर हो रहे हमलों के विरुद्ध कांग्रेस केवल प्रतिवाद नहीं करेगी, बल्कि जनता के बीच जाकर इसे जनक्रांति में बदलेगी।

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी ड़ालता है असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है।

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है।

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। यूरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं।

दुनिया के नक्शे पर भी और भारत के लिए भी ईरान बहुत जरूरी है, अमेरिका के खतरनाक खेल के बाद इंडियन डिप्लोमेसी के लिए चुनौती बड़ी

युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़. जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है।

पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

यूएन के चार्टर में मूल मानव अधिकारों और मानव की गरिमा और महत्व की पुष्टि

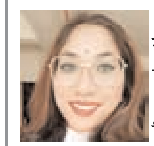

सोनाली भट्टाचार्या

सामाजिक संविदा सिद्धांत जिसका बहुत पहले प्रतिपादन हुआ था, इसे नया तत्व और अर्थ दिया गया। लाक और रूसो ने इस सिद्धांत को व्यक्ति की स्वतन्त्रता और सिमित सरकार का अर्थ देने वाला कहा। लाक ने सिविल गवर्नमेंट पर दो कृतियाँ रची जिनका ध्येय 1988 की गौरवशाली क्रान्ति को उचित ठहराना था और अधिकारों की घोषणा और बिल ऑफ राइट्स के भाव को स्पष्ट करना था। रूसो ने अपने प्राकृतिक विधि और सामाजिक संविदा सिद्धांतों के अर्थन्वयन में लोगों की सम्प्रभुता पर जोर दिया। इसका अर्थ मनुष्यों की स्वतंत्रता और समता है। लाक और रूसो ने समकालीन चिन्तन पर भारी प्रभाव डाला और फ्रांसीसी और अमरीकी राज्य क्रांतियों को प्रेरित किया।

अमरीकी स्वंत्रता की घोषणा स्वतन्त्रता के अधिकार की दृढ़क्ति थी। फ्रांस की मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा ने मनुष्यों के प्राकृतिक और अहरणीय अधिकारों की घोषणा की। राज्यों द्वारा अमेरिका के संविधान के अनुसमर्थन क्र पूर्व मनुष्यों के अधिकार को दस संशोधन के रूप में संविधान में सम्मिलित किया गया था जिन्हें बिल ऑफ राइट्स कहा जाता है। बाद में बुनियादी स्वतंत्राओं से संबधित और अधिक संशोधन अंगीकार किए गये। अब उनकी संख्या उन्नीस है।

यह उल्लेखनीय है कि अमरीकी बिल ऑफ राइट्स फ्रांसीसी संविधान में यथा सम्मिलित की गयी सिविल स्वंतत्राओं से महत्वपूर्ण रूप से भिन्न है। कुछ उल्लेखनीय अंतर है

फ्रांसीसी घोषणा सरकार के बारे में एक कृति है। यह बताता है कि ये अधिकार क्यों रखे गये हैं।

अमरीकी संविधान विनिद्दष्टि अधिकारों को उल्लिखित करता है। फ्रांसीसी घोषणा पत्र में अधिकारों को लागू करने के लिए किसी तंत्र का प्रावधान नहीं किया गया है। अमरीकी बिल ऑफ राइट्स न्यायालय द्वारा लागू किये जाने योग्य है।मनुष्यों की स्वतंत्रताएं बाद के अनेक संविधानाओं में अपनाई गयी विशेष रूप से लातिनी अमरीकी देशों में यद्यपि वहाँ से उतनी प्रभावी नहीं है न ही उस रूप में संरक्षित है जैसा अमरीकी संविधान में।

संयुक्त राष्ट्र और मानव अधिकार

अपने वर्तमान रूप में मानव अधिकार की संकल्पना गत शताब्दी में विकसित हुई है और जब समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू बन गयी है। सम्प्रति मानव अधिकार भारी अंतर्राष्ट्रीय दिलचस्पी के विषय हो गये हैं। मानव अधिकारों के निरूपण और संरक्षण की वर्तमान चिंता दो विश्वयुद्धों में उनके घोर अतिक्रमण का परिमाण है। विश्व समुदाय द्वारा यह अनुभव किया गया कि मात्र राष्ट्रीय सरकारों से मानव अधिकारों के संरक्षण की आशा करना अयथार्थ है। यह अनुभव किया गया कि मानव अधिकारों के प्रभावी संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी कदम उठाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय शान्ति के लिए इसे एक आवश्यक शर्त माना गया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात बनाया गया। संयुक्त राष्ट्र प्राथमिक रूप से अंतरराष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा को कायम रखने के लिए एक तंत्र कल्पित किया गया था। यह बुनियादी मानव अधिकारों की सुरक्षा पर बहुत जोर देता है क्योंकि यह महसूस किया गया कि मानव अधिकारों की संरक्षण अंतरराष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा से घनिष्ठ रूप से संबधित है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के प्रयोजन और सिद्धांत के पैरा 3 में कहा गया है-

आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक या मानव कल्याण संबंधी अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं को हल करने के लिए और मूल, वंश, लिंग, भाषा या धर्म के आधार पर विभेद किये बिना सभी के लिए मानव अधिकारों और मूल स्वंत्रताओं के प्रति सम्मान की अभिवृद्धि करने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग उत्पन्न करना है।

इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में मूल मानव अधिकारों और मानव की गरिमा और महत्व की पुष्टि की गयी और मानव अधिकारों एवं मूल स्वतंत्रताओं का उन्नयन करना या उनके प्रति सम्मान को प्रोत्साहित करने को विश्व निकाय का उत्तरदायित्व बनाया गया। चार्टर मानव अधिकारों के पालन किये जाने के बारे में सदस्य राज्यों पर एक बाध्य डालता है। इस प्रकार यह मानव अधिकारों एवं मूल स्वतंत्रताओं को अंतर्राष्ट्रीय विधि का एक महत्वपूर्ण मानक बनाता अहि। चार्टर के प्रभावी होने के पश्चात विश्व निकाय का एक पहला काम मानव अधिकारों के बारे में अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना था। अन्तः विश्व निकाय ने 1948 मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा को अंगीकार किया और उदघोषित किया।

मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा

मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की उद्देशिका में कहा गया है-

मानव परिवार के सभी सदस्यों को अंतनिर्हित गरिमा और समान तथा अभेद्य अधिकार विश्व में स्वतन्त्रता, न्याय और शान्ति के आधार है,

मानव अधिकारों की अपेक्षा और अवमान के परिणामस्वरुप ऐसे बर्बर कार्य हुए हैं जिन्होंने मानव की की अंतरात्मा पर आघात किया है, ऐसे विश्व के निर्माण को जिसमें सभी मानव वाक्- स्वातंत्र्य और विश्वास की स्वतंत्रता का तथा भय और आभाव से मुक्ति का उपभोग करेंगे जनसामान्य की उच्चतम आकांक्षा घोषित किया गया है।

यदि मनुष्य को अत्याचार और उत्पीड़न के विरुद्ध अंतिम अस्त्र के रूप में विद्रोह का अवलंब लने के लिए विवश नहीं किया जाना है तो यह आवश्यक है कि मानव अधिकारों का संरक्षण विधिसम्मत शासन द्वारा किया जाना चाहिए।

यह कि राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के विकास की वृद्धि करना आवश्यक है, संयुक्त राष्ट्र ने लोगों के चार्टर में मूल मानव अधिकारों में मानव देह की गरिमा और महत्व तथा पुरुषों और स्त्रियों के समान अधिकारों में अपने विश्वास की पुनः पुष्टि की है और सामाजिक प्रगति करने तथा अधिकाधिक स्वतंत्रता के साथ उत्कृष्ट जीवन स्तर की प्राप्ति कराने का निर्णय किया है,

सदस्य राज्यों ने यह प्रतिज्ञा की है कि वे संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से मानव अधिकारों और मूल स्वतन्त्रताओं के प्रति सार्वभौम सम्मान जागृत करेंगे और उनका पालन कराएंगें

इन अधिकारों और स्वतंत्रताओं की प्रति एक ही दृष्टि इस प्रतिज्ञा को पूरी तरह सफल बनाने के लिए अत्याधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए,

महासभा मानव अधिकारों की इस सार्वभौम घोषणा को सभी लोगों और सभी राष्ट्रों के लिए इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक सामान्य मानक के रूप में उदघोषित करती है कि प्रत्येक व्यक्ति और समाज का प्रत्येक अंग, इस घोषणा को निरंतर ध्यान में रखते हुए, शिक्षा और संस्कार द्वारा इन अधिकारों और स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान जागृत करेगा और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रगामी उपायों के द्वारा, सदस्य राज्यों के लोगों के बीच और उनकी अधिकारिता के अधीन राज्य क्षेत्रों के लोगों के बीच इन अधिकारों की विश्वव्यापी और प्रभावी मान्यता और उनके पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगा।

(एडवोकेट झारखंड हाई कोर्ट रांची)

स्पीड न्यूज

अबुआ आवास पूर्ण होने पर लाभुक ने किया गृह प्रवेश

जारी। जारी प्रखंड अंतर्गत सीकरी पंचायत के सीकरी गांव में अबुआ आवास के पूर्ण हो जाने पर लाभुक कुसेदा बीवी को गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव नसीम उल हक और उप मुखिया मुस्तकीम खान ने संयुक्त रूप से फिता काटकर लाभुक कुसेदा बीवी को गृह प्रवेश कराया। मौके पर पंचायत सचिव नसीम उल हक ने सभी आवास के लाभुकों को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द आवास का कार्य पूर्ण करें। जिन लोगों के खाते में पैसा चला गया है वे जल्द आवास का कार्य पूर्ण कर प्रखंड को सूचित करें। वहीं अबुआ आवाज पूर्ण नहीं करने वाले कुछ लाभुकों को नोटिस भी दिया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से छात्र की मौत

घाघरा। घाघरा थाना के हापामुनी चुंदरी पथ पर हापामुनी से महज कुछ ही दूरी पर अज्ञात वाहन के चपेट में आने से सातवीं कक्षा का छात्र 13 वर्षीय उमेश उरांव की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी। मृतक उमेश नवडीहा खटंगा का निवासी था और वह नवडीहा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में पढ़ता था। घटना गुरुवार की शाम करीब साढ़े 6 बजे की है। हालांकि उमेश गुरुवार को भी स्कूल गया था। लेकिन स्कूल छुट्टी होने के बाद घर से वह दोस्तो के साथ निकला। कयास लगाया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद डर से उसके दोस्त भाग निकले हो। दुर्घटना के बाद उमेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर शव को पुलिस सीएचसी पहुंच कब्जे में ले लिया है।

सेनेटरी एंड टाइल्स दुकान का घाघरा के चांदनी चौक में हुआ शुभारंभ

घाघरा। घाघरा के चांदनी चौक में सेनेटरी एंड टाइल्स दुकान का शुभारंभ किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन थाना प्रभारी पुनीत मिंज, समाजसेवी शिवकुमार भगत टुनटुन, अनिरुद्ध चौबे,कृष्णा कुमार लोहरा,अगस्टिन महेश कुजूर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर शिवकुमार भगत और अनिरुद्ध चौबे ने कहा कि उक्त दुकान खुलने से लोगों को बाहर अब भी जाना पड़ेगा बेहतर समान यही प्राप्त होंगे। इसके पूर्व विधिवत पूजन पाठ कराई गई। मौके पर दुकान के संचालक अरुण कुमार पांडे, प्रदीप प्रसाद, उमेश सिंह, विनोद महतो, परमेश्वर साय, रमेश जायसवाल, घुड़ा उरांव सहित कई लोग उपस्थित थे।

पानी में भींगकर बर्बाद हो रही है बच्चों की किताबें

लोहरदगा। झारखंड सरकार के द्वारा सरकारी स्कूल के बच्चों के बीच निशुल्क पुस्तक दी जाती है ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके।

धर्म संस्कृति को जानने में मेला महत्वपूर्ण

रथ मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। रथ मेला समिति बारीडीह ओरमांझी द्वारा भगवान जगन्नाथ पूजा को लेकर शुक्रवार को भंडार बगीचा बारीडीह ओरमांझी में रथ मेला लगाया गया। मेला क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के बच्चों के झुला व मिठाई की दुकान लगी थी। वहीं मेला स्थित नव विवाहिताओं के माता, नव कन्याओं अपने स्वजन के साथ मउर सेराने पहुंचे थें। सभी ने विधिवत पूजा कर अपने-अपने मउर को सेराया, और मेला में आयोजित नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त उठाया। मेला का मुख्य आकर्षण नागपुरी कलाकार कुमार इगनिश, सुमन गुप्ता व कलाकारों की सांस्कृति कार्यक्रम रही। कलाकारों के प्रस्तुती पर लोग झुमते नजर आए।

मंच से बोलते पूर्व सांसद रामटहल चौधरी।

मेला स्थित मउर सिराते नव विवाहिताओं के स्वजन।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने मेला का उद्घाटन किया, और लोगों को भगवान जगरन्नाथ की पूजा व रथ मेला आयोजन के लिए मेला समिति को बधाई दी, कहा जगरन्नाथ पूजा व रथ मेला हमारे धर्म संस्कृति से जुड़ी है। नव विवाहिताओं की सुखमय जीवन में किसी प्रकार की विघ्न-वाधा से बचाने के लिए आज के दिन मउर सेराने की पौरानिक परंपरा रही है। जिसका आज भी निर्वाहन किया जाता है। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा पहले लोगों रथ मेला के दिन मउर सिरने को जगरन्नाथपुर रांची जाते थें। अब अपने क्षेत्र में ही मउर सिराने व रथ मेला लगने से क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिल गई है। जिप सदस्य सरिता देवी, पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, पूर्व उपप्रमुख मुनतजीर अहमद रजा सहित कई लोगों ने संबोधन किया और कहा मेला से अपने धर्म संस्कृति को संरक्षित होने के साथ लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करती है। वहीं रथ मेला समिति के मुख्य संरक्षक मानकी राजेंद्र साही ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र से स्वागत किया, कहा पिछले चार वर्ष से मेला का लगाया जा रहा है। अपनी धर्म व परंपरा को बचाए रखने के लिए मेला महत्वपूर्ण माध्यम है। मेला को सफल बनाने में सभी की भागिदारी जरूरी है। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो, अमरनाथ चौधरी, पंसस शशि मिश्रा, समिति के अध्यक्ष धनंजय महतो, सचिव महेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष कमलेश महतो, रामेश्वर महतो, परमेश्वर महतो, अंजित कुमार महतो, कुलदीप महतो, प्रवीण मुंडा, पवन राय, अनिल महतो, अजय प्रजापति, मोहन प्रजापति सहित आसपास गांव से काफी संख्या में लोग मेला देखने पहुंचे थें।

हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ को पहुंचाया मौसी बाड़ी

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। लापुंग के प्रसिद्ध लेटे रथयात्रा के दौरान हजारों लोगों की सैलाब उमड़ पड़ी। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को खींचे और भगवान जगन्नाथ स्वामी बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को मौसीबाड़ी पहुंचाया। रथ यात्रा के दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भी पूर्व जमींदार के वंशज विजय कुमार लाल दुर्जय कुमार लाल के साथ मिलकर भगवान जगन्नाथ स्वामी बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ को खींचा। मौके पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हमें अपने पूर्वजों के द्वारा दी गई धार्मिक और सामाजिक धरोहरों को सहेजने की जरूरत है। उन्होंने आने वाले वर्षों में लेटे रथ यात्रा की रूपरेखा बदल देने की बात कही और आमूलचूल परिवर्तन करने का भरोसा दिलाया। मंदिर के मुख्य पुजारी के नेतृत्व में जमींदार के वंशजों ने भगवान के विग्रह को रथारूढ़ किया। धार्मिक अनुष्ठान के साथ रथ को खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। रथ यात्रा के दौरान रथ को खींचने तथा रथयात्रा मेला को सफल बनाने में पंचायत के मुखिया, जयंत बारला, सुदामा महली, लाल दिलीप कुमार सिंह, भुवंजय साहु समेत कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके पूर्व प्रातः 5:00 बजे से जगन्नाथ स्वामी मंदिर का पट खुला और लोगों ने श्रद्धा पूर्वक भगवान की पूजा अर्चना की।

लापुंग के लेटे गांव में रथ मेला महोत्सव में भाग लेने पहुंची कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की।

मुरी एवं सिल्ली में रथ यात्रा पर भारी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली राजबाड़ी, मुरी टुंगरी पार्क एवं पहली बार हिंडालको परिसर से ऐतिहासिक रथ यात्रा निकाली गई। वही राजाबाडी में पुजारी भास्कर मुखर्जी के द्वारा भगवान जगन्नाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

रथ यात्रा राजबाड़ी परिसर से थाना चौक मौसीबाड़ी तक गई। इस अवसर पर रथ यात्रा के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ,संजीत सिंह देव, बिल्टू दत्ता,सुशील दे, विष्णु दत्ता,सुभाष लाहा,सरोज सिंह,अमित लाहा, गणेश चौधरी समेत सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे साथ ही साथ मुरी टुगरी पार्क में पुजारी के द्वारा पूजा कर ग्रामीणों के द्वारा रथ को खींचते हुए मुरी डूंगरी पार्क घुमाया गया और जगन्नाथ बाबा के नारे लगाते हुए राथ को राखा गया।

पूर्व सेवानिवृत शिक्षक का निधन पर शोक

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। पूर्व सेवानिवृत प्रधानाध्यापक, शिक्षाविद समाजसेवी लहरा महतो, ग्राम, बी नवाडीह, राहे निवासी के आकस्मिक निधन पर क्षेत्र वासियों को गहरा शोक लगा। ऐसे महानुभावों के निधन से न केवल उनके परिवार को बल्कि समाज को भी अपूरणीय क्षति हो गयी। शिक्षक और समाजसेवी, दोनों ही रूप में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा। उनके निधन से समाज में एक खालीपन आ गया, जिसे भरना मुश्किल है। हमें लहरा महतो के निधन से गहरा दुख हुआ है। वे एक उत्कृष्ट शिक्षक थे और उन्होंने जीवन पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। एक शिक्षक का जाना एक पीढ़ी का जाना है। लहरा महतो ने अपने छात्रों के जीवन को आकार दिया और उन्हें प्रेरित किया। उनके योगदान को हमेशा याद रखने जैसा काम किया। शिक्षक एक मार्गदर्शक होता है, और लहरा महतो एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक थे। उनके निधन से हम ग्रामवासी को बहुत दुख हुआ है। उन्होंने समाज के लिए जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। एक सच्चे समाजसेवी के रूप में,लहरा महतो ने हमेशा दूसरों की मदद की और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से हम सभी समाज ओर ग्रामवासियों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दुख की घड़ी में, हम सब लहरा महतो के परिवार के साथ हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। इस मौके पर समाज के तथा परिवार के पिनाकी महतो, गजानन, शशि भूषण, अर्जुन, गुणोधर महतो, नरोत्तम, बंशीधर, रमाकांत, अनंत, मनोज आदि शामिल रहे।

सर्पदंश से बच्चे की मौत, मृत पोते को देख दादी को पड़ा दिल का दौरा, चल बसी

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के महुगांव पंचायत के जमाकेल गांव में विगत गुरुवार की रात्रि लगभग 9 बजे एक जहरीले सांप ने एक बच्चे को काट लिया। सांप द्वारा 12 वर्षीय बच्चा अनिकेत होरो पिता अमित होरो को काटने के बाद मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने आनन-फानन में बच्चों के इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लापुंग पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा 8 इन्जेकशन देने के बाउजुद बच्चा का हालत ठीक नहीं होने कि स्थिति में डाक्टरों द्वारा बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इसके बाद बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं घटना के दूसरी ओर सर्पदंश से मृत पोता को देखकर बच्चे की दादी रोपनी देवी का हार्टअटैक हो गया और दादी की भी मौत हो गई। इधर जामाकेल गांव में एक घर में दो लोगों के मृत्यु होने पर पुरे गांव में शोक का माहौल है। बच्चे का मां और पिता दोनों बाहर मजदूरी करने गए हैं, घर में इनका आर्थिक स्थिति बहुत खराब है, ये लोग जमीन में ही रात को सो रहे थे, जिससे यह घटना हुई। इधर घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया मेरी होरो, विधायक प्रतिनिधि सह युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक व कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष जयंत बारला सहित कई लोगों ने घटना पर दुःख जाहिर किया है।

सर्पदंश से मृत अनिकेत होरो की फाइल फोटो।

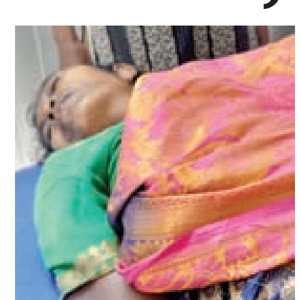

मृत पोता को देखकर दादी की हुई हार्ट अटैक से मौत।

खलारी में टू टाईप और गुलजार बाग को जोड़ने वाली सड़क नाली में तब्दील

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। सावित्रीबाई फुले शक्ति खलारी के द्वारा खलारी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को खलारी पंचायत के टी टू टाईप और गुलजार बाग को जोड़ने वाली सड़क नाली में तब्दील हो जाने पर अवगत कराया गया।

सावित्रीबाई फुले शक्ति सचिव सरोज चौधरी ने बताया कि उक्त सड़क पर झाड़ियां उग गयी है। और सड़क के बीचोबीच नालियां बन गयी है। जिससे सड़क में कीचड़ भर जाने से बच्चों और ग्रामीण को काफी कठिनाई हो रही है।

सांपों का निकलना भी देखा जा रहा है और महामारी फैलने का खतरा बना हुआ है। इस संबध में खलारी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को ध्यान आकर्षित करते हुए सड़कों को साफ कराने तथा झाड़ियों को की सफाई कराने की कृपा करते हुए कालोनी वासियों को आवागमन में सुविधा हो तथा सुलभ जीवन जीने में मदद हो।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

महिला अपने नाना को आम पहुंचाने जा रही थी

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के चकला मोड़ के पास एक सड़क पार कर रही एक महिला को ट्रेक्टर ने कुचल दिया। जिससे महिला की मौत हो गई।

गुरूवार शाम हो हुई घटना के संबंध में बताया गया कि सरना टोली चकला निवासी पंचित महतो की पत्नी सरिता देवी 40 वर्ष विकाश बाजार आम बेचने गई थी। लौटने के दौरान वह मधुवन पंचवटी भवन रहने वाले अपने नाना (सेवानिवृत्त शिक्षक) कैलाश महतो को आम देने के लिए आटो से उतर कर सड़क पार कर रही थी। तभी तेज गति से जा रही एक ट्रैकर ने उसे कुचल दिया। जिससे वह गंभर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे उठाकर स्थानीय चिकित्सक डॉ. आरबी सिंह के क्लिनीक में ले गये।

वहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। तबतक उसकी मौत हो चूकी थी। वहीं मौका देखकर चालक फरार हो गया। हलाकि दुर्घटना के दौरान की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

समाचार लिखे जाने तक थाना में मामला दर्ज नही कराया गया था। इसकी जानाकरी देते हुए भाजपा के मंडल महामंत्री अखनाथ महतो ने बताया मृतक के पति आटो चलक है, और उसके तीन बेटा है। मां की मौत के बाद बच्चों को काफी परेशानी होगी। दिनी नाथ कुमार, हेमंत कुमार एवं श्रीकांत कुमार है।

मृतक का फाइल फोटा।

ओछी राजनीति है स्वीकृत योजनाओं का टेंडर रद्द कराना : कमलेश सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू। हुसैनाबाद विधान सभा क्षेत्र में हमने अपने कार्यकाल में दर्जनों सड़क योजनाओं को स्वीकृत करा कर निविदा डालने का काम विधानसभा चुनाव से पूर्व कराया गया था। आज उस सभी योजनाओं में कार्य प्रारंभ हो जाना चाहिए था लेकिन वर्तमान विधायक ने टेंडर को रद कराकर ओछी राजनीति का परिचय दिया है तथा दुर्भाग्यपूर्ण है। उक्त बातें पूर्व मंत्री सह भाजपा नेता कमलेश कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र की कई गांव में महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं को स्वीकृत करा कर टेंडर निकाल दी गयी थी। उन सभी योजनाओं को रद कराना यह वर्तमान विधायक और झारखंड सरकार की ओछी राजनीति का परिचायक है। श्री सिंह ने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है। अपने निजी स्वार्थ से वशीभूत होकर तथा अपने को विधायक दंभ भरने के उद्देश्य से विभागीय मुख्य अभियंता से निविदा रद्द कराने का काम कर रही है।

कमलेश कुमार सिंह, पूर्व मंत्री।

जब की वर्तमान विधायक को चाहिए था की और भी कई गांवों में सड़के खराब है जिसका टेंडर कराना चाहिए था और नई योजनाओं को स्वीकृत कराना चाहिए था लेकिन वर्तमान विधायक इसमे अक्षम साबित हो रहे हैं। यही वजह है की उनके कार्यकाल में हुई निविदा को रद्द कर झूठी वाह वाही लेने के फिराक में है। मगर जनता सब जानती है। इस ओछी राजनीति से उन्हें कुछ हासिल नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि विधायक में दम है तो नई योजनाएं स्वीकृत करा कर निविदा निकलवाने का काम करें। पुरानी योजनाओं की निविदा अपने संवेदक मित्रों के इशारे पर रद्द करा कर वह जानता को गुमराह करने के साथ साथ विकास विरोधी रवैया को भी उजागर कर रहे हैं। निविदाओं को नौ महीने बाद रद्द करने का कारण मुख्य अभियंता को स्पष्ट करना होगा। श्री सिंह ने कहा आखिर क्या कारण है की पलामू के सिर्फ हुसैनाबाद विधानसभा में ही टेंडर रद किया गया। साथ ही संवेदकों का पैसा ब्याज के साथ वापस करना होगा। संवेदक इस मामले में उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाने से भी बाज नहीं आयेंगे।

शिबु सोरेन की जल्द स्वस्थ्य होने की कामना

ओरमांझी। राज्यसभा सदस्य व पूर्व मुख्यमंत्री शिबु सोरेन की दिल्ली के गांगाराम अस्पताल में इलाजरत होने की जानाकरी मिलने पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी द्वारा उनके स्वास्थ्य के प्रति चिंता जताते हुए, शिबु सोरेन की जल्द स्वस्थ्य होने की कामना किया गया है। उन्होने कहा उम्र के इस पड़ाव में भी वे झारखंड व राज्य की जनता की बेहतरी की चिंता करते हैं। यही कराण है कि राज्य की जनता का शिबु सोरेन के प्रति काफी स्नेह रखते हैं, और सभी उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना कर रहे हैं।

एजबेस्टन में चार भारतीयों ने लगाया है शतक, दो खिलाड़ी भी इस टीम में

भारत ने यहां सात टेस्ट मैच खेले हैं और इनमें अब तक चार शतक लगे हैं, शतक लगानेवाले खिलाड़ी हैं सचिन, कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा

ऋषभ पंत से फिर उम्मीद

लीड्स टेस्ट में पंत ने 134 रन और 118 रन की पारी खेली थी। ऐसे में टीम को उनसे इस टेस्ट मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 101 रन, शुभमन गिल ने 147 रन और केएल राहुल ने 137 रन की पारी खेली थी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। लीड्स टेस्ट में मिली पांच विकेट की करारी हार के बाद टीम इंडिया इस मैच में हर हाल में वापसी करना चाहेगी। हालांकि एजबेस्टन में भारतीय टीम का रिकॉर्ड बेहद निराशाजनक रहा है।

लेकिन शतकों के मामले में आंकड़े कुछ और ही कहते हैं।

भारत ने एजबेस्टन में सात टेस्ट मैच खेले हैं और इनमें अब तक चार शतक लगे हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने लीड्स टेस्ट में पांच शतक जड़े थे। ऐसे में इस बार एजबेस्टन में और भी खिलाड़ियों का नाम जुड़ सकता है। पहले टेस्ट में दो ऋषभ पंत के लिए यह मैदान खास है क्योंकि वह यहां पहले भी एक शतक लगा चुके हैं।

इन बल्लेबाजों ने लगाए हैं शतक

एजबेस्टन में शतक लगाने वाले भारतीयों में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा जैसे नाम शामिल हैं। सचिन और कोहली अब टेस्ट में नहीं खेलते हैं, जबकि पंत और जडेजा इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। सचिन ने 1996 में इस मैदान पर 122 रन की पारी खेली थी, जबकि विराट ने 2018 में यहां 149 रन बनाए थे। वहीं, 2022 में भारत की ओर से इस मैदान पर दो-दो शतक लगे थे। पंत ने 146 रन और जडेजा ने 104 रन की पारी खेली थी।

एजबेस्टन में भारत का रिकॉर्ड बेहद खराब

एजबेस्टन को इंग्लैंड का अभेद्य किला माना जाता है। पिछले 123 वर्षों में किसी भी एशियाई टीम को इस मैदान पर जीत नसीब नहीं हुई है। भारत ने यहां अब तक 7 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से तीन बार पारी के अंतर से करारी हार झेलनी पड़ी है। ऐसे में टीम इंडिया के सामने न सिर्फ इंग्लैंड को हराने की चुनौती है, बल्कि इतिहास बदलने का दबाव भी रहेगा।

इंग्लैंड पर जीत के लिए भारतीय टीम को लगाना होगा ये दांव

एजेंसी

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि भारत को इंग्लैंड पर जीत के लिए कुलदीप यादव को प्लेइंग 11 में शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अंतिम एकादश में चुनना बिना सोचे-समझे लिया जाने वाला निर्णय है। बता दें कि, भारतीय टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर है और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। पहले मुकाबले में मेजबानों ने मेहमानों को पांच विकेट से करारी शिकस्त देकर 0-1 से सीरीज में बढ़त बना ली है।

कुलदीप को करें टीम में शामिल

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम में दो जुलाई से खेला जाएगा। इस मैच से पहले माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम खास सलाह दी है। उनका मानना है कि पिच की परिस्थिति चाहें जो भी हो भारतीय टीम प्रबंधन को कुलदीप यादव को प्लेइंग 11 में शामिल करना चाहिए। उन्होंने बियॉन्ड23 पॉडकास्ट में कहा गेंदबाजी के लिहाज से मैं किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल आसान है। वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस टेस्ट में उसने जो किया उससे कहीं ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर सकता था।

टीम प्रबंधन की इस प्रवृत्ति से खफा हैं क्लार्क

इस दौरान क्लार्क ने संतुलित गेंदबाजी लाइनअप की तुलना में बल्लेबाजी की गहराई को प्राथमिकता देने की भारत की प्रवृत्ति की आलोचना की। उन्होंने कहा भारत ने कुछ समय से ऐसा किया है। वे अतिरिक्त बल्लेबाजी या बल्लेबाजी को गहराई से बढ़ाने के बारे में बहुत चिंतित हैं और वे ऐसा करने के लिए अपने नंबर एक स्पिनर को नहीं चुनने का जोखिम उठाने को तैयार हैं। मुझे लगता है कि इंग्लैंड में जीतने के लिए, आपको 20 विकेट लेने की कोशिश करनी होगी।

बुमराह को नहीं मिला बाकी गेंदबाजों का साथ

हेडिंग्ले में जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए पहली पारी में पांच विकेट झटके थे। दूसरी पारी में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि उन्होंने तीन की इकोनॉमी से गेंदबाजी की और इंग्लैंड पर नियंत्रण करने की कोशिश की लेकिन उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज से भरपूर साथ नहीं मिला।

अब क्लार्क ने भी इस मुद्दे पर बात की है। उन्होंने कहा बुमराह एक स्टार हैं वह उस आक्रमण का नेतृत्व कर रहे हैं। लेकिन अन्य तीन तेज गेंदबाजों ने हां, कई बार अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें विकेट लेने के और तरीके खोजने की जरूरत है। उन्हें शायद बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

अनचाहे लिस्ट में शामिल हुए भारत के प्रसिद्ध कृष्णा

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट गंवाने के बाद भारतीय टीम की नजर दूसरे टेस्ट में जीत हासिल कर सीरीज बराबर करने पर होगी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि जसप्रीत बुमराह दूसरा मुकाबला नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया अगर पहले टेस्ट में इंग्लैंड को टक्कर दे पाई थी तो उसमें बुमराह का किरदार अहम रहा था। उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी को जल्दी समेटने में मदद की थी। उनके अलावा बाकी भारतीय तेज गेंदबाज प्रभावी नहीं दिखे थे। सिराज ने दोनों पारियों को मिलाकर दो विकेट लिए थे, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने दोनों पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए, लेकिन उनकी इकॉनमी रेट बेहद खराब रही थी। दोनों पारियों को मिलाकर उनकी इकॉनमी रेट 6.28 की रही। इसी के साथ उन्होंने एक अनचाहे लिस्ट में जगह बना ली। पहली पारी में प्रसिद्ध ने 20 ओवर गेंदबाजी की और 128 रन देकर तीन विकेट लिए। इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 6.40 की रही। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने 15 ओवर गेंदबाजी की और 92 रन देकर दो विकेट लिए। इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 6.10 की रही।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप: अल-हिलाल ने पचुका को हराया, अंतिम 16 में मैनचेस्टर सिटी से मुकाबला

एजेंसी

ऑरलैंडो। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) को मेक्सिको के क्लब पचुका को 2-0 से हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ अल-हिलाल ग्रुप एच में रियल मैड्रिड के बाद दूसरे स्थान पर रहा और अब उसका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से होगा। मैच में पहला गोल 22वें मिनट में सालेम अल-डॉसरी ने किया, जबकि स्टॉपेज टाइम में मार्कोस लियोनार्डो ने दूसरा गोल दागकर जीत सुनिश्चित की। चार बार की एशियाई चैंपियन अल-हिलाल को इस जीत से पांच अंक मिले, जबकि रेड बुल साल्जबर्ग चार अंकों के साथ बाहर हो गई। पहले ही दो मैच हारने के कारण बाहर हो चुका पचुका मुकाबले में जोश में दिखा, लेकिन कालिदू कुलीबाली की अगुवाई में अल-हिलाल की मजबूत डिफेंस ने सालोमन रोंडन को रोक दिया और मेक्सिकन टीम को सिर्फ दूर से शूट करने के मौके दिए। अल-हिलाल की स्टार स्टडेड टीम में कई विदेशी नाम शामिल हैं, लेकिन पहला गोल दो घरेलू खिलाड़ियों की बदौलत आया। नासिर अल-डॉसरी ने गेंद को कब्जे में लेकर कप्तान सालेम को पास दी, जिन्होंने एक टच में बॉल कंट्रोल कर दूसरे टच में गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डाल दिया। हालांकि, लियोनार्डो को पहले हाफ में और फिर 83वें मिनट में स्कोर करने का शानदार मौका मिला, लेकिन वह चूक गए। पचुका के खिलाड़ी इलियान हर्नांदेज ने 84वें मिनट में एक हेडर से खतरा पैदा किया, जो गोलपोस्ट के पास से बाहर चला गया, लेकिन स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में लियोनार्डो ने नेवेस के पास पर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। अब अल-हिलाल को मैनचेस्टर सिटी जैसी ताकतवर टीम से भिड़ना है।

रियल मैड्रिड ने साल्जबर्ग को 3-0 से हराया

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर के एक गोल और एक असिस्ट की बदौलत रियल मैड्रिड ने शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) को आरबी साल्जबर्ग को 3-0 से हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप के ग्रुप-एच में शीर्ष स्थान हासिल किया और प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) में अपनी जगह पक्की कर ली। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने ग्रुप स्टेज में कुल सात अंक हासिल किए, जबकि सऊदी अरब की अल-हिलाल की टीम पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। ऑस्ट्रिया की साल्जबर्ग (चार अंक) और मैक्सिको की पाचुका (शून्य अंक) की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब रियल मैड्रिड का सामना मंगलवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में ग्रुप-जी की उपविजेता युवेंटस से होगा, जबकि अल-हिलाल सोमवार को ऑरलैंडो में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगी। फिलाडेल्फिया में बारिश के बीच खेले गए मुकाबले में जाबी अलोंसो की कोचिंग वाली रियल मैड्रिड की टीम ने पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा।

एक बार फिर भिड़ेंगे नीरज और अरशद

एजेंसी

लाहौर। भारत के महानतम एथलीट्स में शुमार और भाला फेंक में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी अपने नाम किया। अब वह नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते दिखेंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम हिस्सा नहीं लेंगे। अरशद और नीरज के बीच गजब की प्रतिद्वंद्विता है और फैंस इन दोनों के बीच टक्कर का जमकर लुत्फ उठाते हैं। अब नदीम ने खुलासा किया है कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नदारद थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह इसके प्रति काफी चयनात्मक रहे हैं। वह फिलहाल पाकिस्तान में प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जरूर भाग लिया था, जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था। अब पाकिस्तान के इस भाला फेंक एथलीट ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में विश्व ओलंपिक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर नदीम ने कहा, मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लाहौर में बहुत गर्मी है। मैं जल्द ही इंग्लैंड जा रहा हूं और वहां एक महीने ट्रेनिंग करूंगा। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होगी जहां अरशद और नीरज दोनों खिलाड़ियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है। वहां दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

आइसीसी ने टी-20 पावरप्ले नियमों में किया बदलाव

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने पुरुषों के टी-20 क्रिकेट मैचों के नियमों में किये गये महत्वपूर्ण बदलाव के तहत वर्षा प्रभावित मैचों में पावरप्ले का निर्णय ओवर के आधार पर होगा। आइसीसी ने अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए जाते हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर तय किए जाएंगे। वर्तमान नियमों के अनुसार 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं।

भारत की अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को हराया

होव। कनिष्क चौहान (तीन विकेट), अम्रबिश, हेनिल पटेल और मोहम्मद एनान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अभिज्ञान कुंडु (नाबाद 45), वैभव सूर्यवंशी (48) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने शुक्रवार को पहले एकदिवसीय यूथ मुकाबले में इंग्लैंड को 156 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शुक्रवार को यहां इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की पूरी टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे 42.2 ओवर में 174रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड के लिए रॉकी फ्लिंटॉफ ने (56) और इसाक मोहम्मद (42) रनों की पारी खेली। बीजे डॉवकिंस (18), बेन मेयस (16) और जेम्स मिंटो (10) रन बनाकर आउट हुये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड के शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से कनिष्क चौहान ने तीन विकेट लिये। अम्रबिश, हेनिल पटेल और मोहम्मद एनान को दो-दो विकेट मिले।

पाओलिनी को हराकर स्वियाटेक लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन के फाइनल में

बर्लिन। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सेमीफाइनल मुकाबले में विंबलडन उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी करारी शिकस्त देते हुए पहली बार लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन डब्ल्यूटीए टूर ग्रास-कोर्ट फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में पोलैंड की स्वियाटेक ने इतालवी खिलाड़ी पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। स्वियाटेक ने हार्ड कोर्ट पर 12 और क्ले कोर्ट पर 10 खिताब जीते हैं।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप : ओडिशा ने महिला तथा तमिलनाडु ने पुरुष वर्ग का खिताब जीता

चेन्नई। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने (महिला) और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु ने (पुरुष) वर्ग के फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर पहला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में महिला के फाइनल में ओडिशा ने पंजाब को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहला हॉफ गोल रहित रहा। दूसरे हॉफ में ओडिशा की रंजीता बेक ने (34वें) मिनट में टूर्नामेंट एकमात्र गोल दागा और उसके बाद शानदार बचाव करते हुए पंजाब को गोल करने का मौका नहीं दिया और ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया के चार विकेट झटक कर मैच पर बनायी पकड़

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर जेडन सील्स की अगुवाई में वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्टंप के समय आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 92 रन के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाज शाई होप (48) और कप्तान रोस्टन चेस (44) के बीच जुझारू साझेदारी की बदौलत आस्ट्रेलिया के पहली पारी में बनाये गये स्कोर के आधार 10 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया की शुरुआत एक बार फिर खराब रही और उसने 27 के स्कोर पर उस्मान ख्वाजा (15) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद 34 के स्कोर पर आस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट सैम कॉन्स्टास (पांच) रन के रूप में गिरा। जॉश इंग्लिस (12) को जेडेन सील्स ने बोल्ड आउट किया। कैमरन ग्रीन (15) को जस्टिन ग्रीव्स ने रॉस्टन चेज के हाथों कैच आउट कराया। आस्ट्रेलिया 65 रन पर चार विकेट गवां कर दबाव में थी। ऐसे संकट के समय ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर की जोड़ी ने पारी को संभाला और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक चार विकेट खोकर 92 रन बना लिये। स्टंप के समय बो वेब्स्टर (नाबाद 19) और ट्रेविस हेड (नाबाद 13) क्रीज पर मौजूद थे।

विंबलडन 2025 पुरुष ड्रॉ: सेमीफाइनल में सिनर बनाम जोकोविच की संभावित टक्कर

एजेंसी

नयी दिल्ली। विंबलडन 2025 के ड्रॉ जारी हो चुके हैं और पुरुष एकल वर्ग में टॉप सीड जैनिक सिनर और सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बीच सेमीफाइनल भिड़ंत की संभावनाएं जताई जा रही हैं। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 30 जून से 13 जुलाई तक लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में खेला जायेगा। हाल ही में फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में सिनर ने जोकोविच को सीधे सेटों में हराया था और अब एक बार फिर दोनों के आमने-सामने होने की संभावना है। गत विजेता और विश्व नंबर 2 कार्लोस अल्कराज ड्रॉ के दूसरे हिस्से में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव के साथ हैं। स्पेन के अल्कराज की संभावित क्वार्टरफाइनल भिड़ंत आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क के होल्गर रून से हो सकती है। वहीं अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज का सामना क्वार्टरफाइनल में ज्वेरेव से हो सकता है। अल्कराज अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरूआत 38 वर्षीय इटालियन फैबियो फोगनिनी के खिलाफ करेंगे जबकि ज्वेरेव पहले दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरनेश से भिड़ेंगे।

पहले दौर में फोगनिनी से होगा अल्कारेज का सामना, गॉफ की होगी यास्त्रमेका से टक्कर

नयी दिल्ली। कार्लोस अल्कारेज सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में फैबियो फोगनिनी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे जिसमें उनकी निगाहें लगातार तीसरा खिताब अपनी झोली में डालने पर लगी होंगी। इस ग्रास कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए एकल ड्रॉ शुक्रवार को निकाला गया जिसमें शीर्ष रैंकिंग पर काबिज यानिस सिनर का सामना लुका नार्डी से होगा। नोवाक जोकोविच (छठी रैंकिंग) पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे। जोकोविच ने 24 मेजर ट्रॉफियों में से सात आल इंग्लैंड क्लब में ही जीती हैं। वहीं महिलाओं के वर्ग में दूसरी नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ मंगलवार को डायना यास्त्रेमस्का के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। फ्रेंच ओपन में अपना दूसरा बड़ा खिताब जीतने वाली गॉफ का सामना दूसरे दौर में दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका से हो सकता है। तीसरे दौर में गॉफ को 28वीं वरीय सोफिया केनिन से भिड़ना पड़ सकता है जिन्होंने दो साल पहले विम्बलडन के पहले दौर में उन्हें बाहर कर दिया था। गत चैंपियन बारबोरा क्रेजसिकोवा पहले दौर में एलेक्जांड्रा इयाला से भिड़ेंगी।

सिनर और जोकोविच का कठिन सफर

टॉप सीड जैनिक सिनर पहले दौर में अपने हमवतन लूका नार्दी से खेलेंगे। क्वार्टरफाइनल में उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेत्ती से हो सकता है, जो पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। छठी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच का पहला मुकाबला फ्रांस के विश्व नंबर 40 एलेक्जेंडर म्युलर से होगा। जोकोविच इस बार रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे।

ब्रिटेन के जैक ड्रेपर पर रहेंगी नजरें

ब्रिटिश नंबर 1 और चौथी वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर का ड्रॉ बेहद चुनौतीपूर्ण है। पहले दौर में उनका सामना अर्जेंटीना के सेबास्टियन बाएज से होगा, जबकि दूसरे दौर में वे 2017 के उपविजेता मारिन सिलिच से टकरा सकते हैं। तीसरे दौर में हाल ही में हैले ओपन जीतने वाले और 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर बब्लिक के साथ मुकाबला हो सकता है, वहीं चौथे दौर में 15वीं वरीय जाकुब मेंसिक उनका इंतजार कर सकते हैं। क्वार्टरफाइनल में संभावित भिड़ंत नोवाक जोकोविच से हो सकती है।

दिव्यांग विधवा एवं विधा जन कल्याण मोर्चा ने की बैठक

दुमका। दिव्यांग विधवा एवं विधा जन कल्याण मोर्चा की बैठक शुक्रवार को केंद्रीय अध्यक्ष बलदेव राय के अध्यक्षता में इंडोर स्टेडियम में किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से विकलांग विधवा एवं वृद्ध का पेंशन 1 हजार से बढ़कर 3 हजार किया जाए। इसलिए दिव्यांग विधवा एवं वृद्ध सब मिलकर 4 जुलाई को सरकार के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें अधिक से अधिक दिव्यांग विधवा वृद्धा को केंद्रीय अध्यक्ष बलदेव राय ने आंदोलन में भाग लेने के लिए आवाहन किया।

विधायक जयराम महतो की माता पर अभद्र टिप्पणी को लेकर जेएलकेएम में आक्रोश

विरोध प्रदर्शन, मांडू विधायक का फूंका पुतला

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की जिला कमिटी गोड्डा द्वारा गांधीग्राम चौक पर मांडू विधायक तिवारी महतो का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। यह पुतला दहन जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक जयराम महतो की माता जी के प्रति कथित अभद्र भाषा के प्रयोग के विरोध में किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला सचिव रवि शंकर महतो ने किया। उन्होंने कहा कि किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार की भाषा का प्रयोग निंदनीय है और जेएलकेएम इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उक्त कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मौके पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रमेश महतो, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबीता कुमारी, जिला कोषाध्यक्ष सह प्रभारी अध्यक्ष मंटू महतो, मीडिया प्रभारी संतोष महतो, बोआरीजोर युवा मोर्चा अध्यक्ष अशोक महतो, संगठन सचिव संजय कुमार, करण कुमार, बर्जुन महतो, गौतम जयसवाल सहित दर्जनों जेएलकेएम कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में मांडू विधायक के बयान की निंदा की और भविष्य में ऐसे बयानों पर कड़ा प्रतिरोध जताने की चेतावनी दी।

एक नजर में

बीमार महिला को खाट पर लाद कर पहुंचाया अस्पताल, न सड़क और न ही एम्बुलेंस सुविधा

बेरमो। बोकारो जिले के झुमरापहाड़ के निकट बलथरवा गांव के समीप हरैयाडीह में कल गुरुवार को अचानक एक महिला की तबियत बिगड़ने पर गांव की महिलाओं ने खटिया पर उसे लेटा कर महिला को गांव से रोड तक पहुंचाया। सहायता के लिए उस वक्त गांव में एक भी पुरुष नहीं थे। पुरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। लेकिन, आज भी कई ऐसे गांव हैं जहां अस्पताल तक पहुंचने के लिए लोगों को सोचना पड़ता है जैसे की बोकारो जिला के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत गोमिया प्रखंड के पचमों पंचायत में झुमरापहाड़ के निकट बलथरवा गांव के समीप हरैयाडीह में महिलाएं करीब आधा किलोमीटर की दूरी तय कर पास के गांव बलथरवा पहुंची, जहां से महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल महिला का इलाज चल रहा है। मगर यह दृश्य काफी कुछ खुद ही बया कर देता है कि किस तरह सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की दशा है जहां चिकित्सा सुविधा लगभग शून्य है आखिर लंबे लंबे दावों का क्या हुआ जिसमे विकास के खाके खिंचे जाते हैं। अगर विकास वास्तव में गति पर है तो ऐसे दृश्य भला क्यों देखने को मिलती है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला जन संपर्क के दो कर्मी

मिथिलेश कुमार और दिलीप कुमार को एसपी ने किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) के मीडिया प्रभारी मिथिलेश कुमार और मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार को नशा मुक्ति अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। उपायुक्त ने कहा कि मिथिलेश कुमार एवं दिलीप कुमार का कार्य प्रशासनिक सहयोग का आदर्श उदाहरण है। कहा कि ह्लनशा एक सामाजिक जहर है, इससे लड़ने के लिए जनजागरण जरूरी है।

मिथिलेश कुमार ने मीडिया के द्वारा दिलीप कुमार ने युवाओं को प्रशिक्षित करने का जो कार्य किया है, वह प्रशंसनीय है। वहीं दोनों ने उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के दौरान कई पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

झामुमो क्षेत्रीय कमिटी की हुई बैठक

गोड्डा /पथरगामा। प्रखंड अंतर्गत सुंदर डेम में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के क्षेत्रीय कमिटी की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 30 जून को हुल दिवस एवं 01 जुलाई को सुंदर डैम आईबी में मेला के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही ऐतिहासिक भोगनाडीह यात्रा की तैयारी को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। उक्त बैठक क्षेत्रीय कमिटी अध्यक्ष ताला बाबु हांसदा की अध्यक्षता में एवं सुंदर डेम स्थित उनके आवास पर हुई। हुल दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं द्वारा भोगनाडीह पहुँचने की योजना बनाई गई है।

रथ के आगे झाड़ू लगाना और प्रभु का रथ खींचना सेवा और समर्पण का प्रतीक है: मंत्री योगेंद्र

बेरमो/ललपनिया। पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया प्रखण्ड के अंतर्गत कोदवाटांड़,ललपनिया, भदवाखेत में आयोजित मेला कार्यक्रम में भगवान श्री जगन्नाथ पूजा के पावन रथयात्रा में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मौके पर तीनो मंदिर के आयोजनकर्ताओ ने अलग अलग तरीके से उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने रथके समक्ष झाड़ू लगाकर सफाई की और भक्तों के साथ मिलकर रस्सी खींचकर रथ को आगे बढ़ाया। मौके पर उन्होंने हाथ जोड़कर महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र व माता सुभद्रा से सभी को सद्बुद्धि, स्वास्थ्य और समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। यहां उन्होंने कहा की रथ के आगे झाड़ू लगाना और प्रभु का रथ खींचना महज एक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का प्रतीक है। यह भाव हमें सिखाता है कि ईश्वर के चरणों में सभी एक समान हैं। होसिर पश्चिमी पंचायत के रथटांड़ स्थित रथ मेलाका आयोजन हुआ। जहां गांव ग्रामीण श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना की। ततपश्चात सभी ने भगवान के आगे माथा टेक गांव एवं अपने सपरिवारो की सुख समृद्धि व शांति, उन्नति की मंगल कामना की।

संविधान सम्मेलन आयोजित

कांग्रेस कार्यकर्ताओं व दलित समाज के लोगों की उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा/ मेहरमा। जिला कांग्रेस कमिटी गोड्डा द्वारा शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के स्थित खिरौंधी आवास पर महागामा विधानसभा का संविधान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी के० राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ० प्रदीप कुमार बालमुचू, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, एससी विभाग के चेयरमैन केदार पासवान, एसटी विभाग के चेयरमैन जोसाई मरांडी, प्रदेश प्रवक्ता रियाजुल अंसारी, श्यामल किशोर सिंह, शांतनु मिश्रा, अवधेश प्रजापति, जिला अध्यक्ष दिनेश यादव तथा अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र पासवान मौजूद रहे। जहां सभी मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। इस संविधान सम्मेलन में दलित समाज से जुड़े हजारों महिला-पुरुषों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक न्याय, समानता व संविधान की रक्षा के संकल्प को दोहराया। वहीं झारखंड प्रदेश

कांग्रेस कमिटी के प्रभारी के राजू ने संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर ने संविधान से हमें लड़ने, लिखने और बोलने का अधिकार दिया है। शिक्षित बनों, संगठित रहो और संघर्ष करो उनका ध्येय है ।हम सभी दलित समाज को उनके बातों पर चलने की आवश्यकता है। दलित समाज की आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। लेकिन कांग्रेस पार्टी उनके आवाज को उठा रही है। उनके हक और अधिकारों के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पूरी मजबूती के साथ लोकसभा सदन में केन्द्र सरकार से लड़ रही है ।ताकि उनके हक और अधिकार से समझौता न हो। इस मौके पर एससी कमिटी के जिला उपाध्यक्ष सुदामा रविदास, मेहरमा उत्तरी जिला परिषद सदस्या ज्योति कुमारी, महागामा जिला परिषद सदस्या नगमा आरा, प्रमुख प्रतिनिधि मुकेश कुमार, महागामा प्रखंड अध्यक्ष एससी मोर्चा कपिल दास, मेहरमा प्रखंड अध्यक्ष नरेंद्र शेखर आजाद, बीस सूत्री अध्यक्ष शशांक शेखर सिन्हा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष अंजुलता सिन्हा, कांग्रेस नेता परवेज अख्तर, कुंदन पासवान, निर्मल कुमार सहित कई कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

टीटीपीएस ललपनिया मेन गेट में हुआ गेट मीटिंग कार्यक्रम

बेरमो/ललपनिया। जमींदारी प्रथाकाल में जंगल में हंसते खेलते हिरण, नील गाय जैसे कमजोर जानवरों का शिकार कर सम्पन्न लोग एंजॉय किया करते थे। टीवीएनएल प्रबंधन भी बिना कोई विधिसम्मत प्रावधान के मनमाने ढंगसे दैनिक मजदूरों को सेवा निवृत्ति का नाम देकर पिछले 3 साल से नौकरी छीन-छीन कर शिकार करते रही है। उक्त बातें टीटीपीएस ललपनिया मेन गेट के समक्ष आयोजित गेट मीटिंग कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ठीकेदार मजदूर यूनियन (एटक) महासचिव तथा झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद ने शुक्रवार को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार आंदोलनात्मक कार्रवाइयों के बाद 29 मई 2025 के निर्णय अनुसार सेवानिवृत्ति का नाम देकर किसी भी ठिकेदारी मजदूर को सेवामुक्त नहीं किया जा सकता है। इस पर मजदूरों ने ताली बजाकर खुशी का इजहार किया। उल्लेखनीय है कि प्रबंधन के उपर्युक्त गैर कानूनी कार्रवाई से न्यूनतम मजदूरी पर काम करने वाले मजदूर पिछले 3 साल से भयभीत थे। महमूद ने आगे कहा विगत 29 मई को सहायक श्रमायुक्त के अध्यक्षता में संपन्न वार्ता का एक माह होने को है किंतु निर्णय का अनुपालन अभीतक शून्य है ।कहा टीवीएनएल का वेतनमान दैनिक मजदूरों को भुगतान करने का श्रमायुक्त, झारखंड के आदेश का अनुपालन पिछले 20 साल से प्रबंधन टाल मटोल कर रखी है। कहा की निर्णय का प्रबंधन के द्वारा अनुपालन यदि शून्य बनी रहती है, तो आगामी 9 जुलाई को प्लांट के मेंन गेट तक प्रदर्शन कर सत्याग्रह किया जाएगा। गेट मीटिंग में यूनियन उपमहासचिव समीर कुमार हलदार, जागेश्वर शर्मा, मुकुंद साव, डेगलाल महतो, झल्लू हांसदा, फूलचंद मुर्मू, ऐतोराम किस्कू,मोइन अंसारी, राम किशन मांझी, धनंजय सिंह, उमेश राम, मनोज तूरी, वली वारसी, मिलन राम,सरस्वती देवी, चिंतु देवी इत्यादि सैकड़ो श्रमिक लोग उपस्थित थे।

फिल्म के कालाकारो का स्वागत किया गया, बांटे गये मिठाईया

बेरमो। छत्तीसगढ़ी एकता मंच के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के फिल्म लॉकडाउन के मया के निमार्ता डॉ जे के देवांगन सहित इसमे कलाकार स्नेहा देवांगन, मोहन देवांगन, प्रमानंद साहु त्रिवेन साहु का स्वागत मेघदूत सिनेमा हॉल में किया गया. तया सभी कलाकारो ने हॉल में बैठकर फिल्म का भी आनंद लिए. मोंके पर युवा व्यवसाय संघ के अध्यक्ष वैभव चौरसिया पूर्व पार्षद भारत वर्मा भाजपा नेता जगन्नाथ राम शिवनंदन चौहान मुखिया पुष्पा देवी गुरुवार देवी सहित छत्तीसगढ़ी एकता मंच के भोला भारती, सनत कुमार, मोहन लाल रात्रे, लक्ष्मण लहरें,गरीब साहु, मुकेश, चांद शरद, रंजीत खुराना ,देसो साहू ताराचंद, संतोष दास ,ओमप्रकाश, गणेश साहू, प्रेम भारती, राजकुमारी, रुक्मणी साहू, चिंताराम साहू, रंजीत खुराना, सामे दास, किशोर साहू, महेंद्र भारती, भूमि भारती,खुशी भारती रोहित जोलहे, मुकेश साहु,फूल कुमार खुटे आदि मौजूद थे।

इस्पात नगरी बोकारो में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात नगरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े ही धूम-धाम से निकाली गयी। विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाया गया और रथ पर आसीन किया गया। रथ की सफाई का कार्य छेरा-पन्हारा बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक-संकार्य चित्त रंजन महापात्रा अधिशासी निदेशक-वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी अधिशासी निदेशक-मानव संसाधन सुश्री राजश्री बनर्जीअधिशासी निदेशक-माइंस विकास मनवती अधिशासी निदेशक-सामग्री प्रबंधन सीआर मिश्रा बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी तथा सदस्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा श्रद्धालु उपस्थित थे।

नगर वासियों के सम्मिलित प्रयास से रथ यात्रा जनवृत-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर से आरम्भ हुई। पूरे रास्ते नगरवासी तथा श्रद्धालु जन बारी-बारी से अपना योगदान देकर पुण्य अर्जन करते रहे। रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से बोकारो जनरल अस्पताल गांधी चौक सिटी सेंटर पत्थरकट्टा चौक तथा राम मंदिर चौक होते हुए राम मंदिर पहुंची। मार्ग में स्वयंसेवी संस्था महिला समिति बोकारो के सदस्यों ने पानी और शरबत का

वितरण किया जिसमें नगर के अन्य संस्थानों ने भी योगदान किया। महिला समिति बोकारो द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ यात्रियों के लिए शरबत चना गुड़ बताशा बुंदिया की प्रचुर व्यवस्था की गई।

समिति की अध्यक्ष अनिता तिवारी ने पूजा के उपरांत सुरभि के सामने टेंट में उपस्थित समिति की अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पूजारियों तथा यात्रियों में ठंडा जल शरबत चना-गुड़ तथा बुंदिया का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी से उन्होंने बोकारो वासियों के मंगलमय जीवन के लिए कामना की। समिति की उपाध्यक्षगण अल्का मनवती देवजानी मिश्रा सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार सुरभि प्रभारी अनिशा झा साबुन व सैनिटरी प्रभारी प्रीति राजेश विद्यालय प्रभारी आशा राज समिता मोहंती आदि ने इस यात्रा में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तथा भगवान श्री जगन्नाथ की वापसी यात्रा की तैयारियों में जुट गए।

24 घंटे मे ही पुलिस ने चोरी की घटना का किया उद्भेदन

बेरमो। बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र के राशन दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर उद्भेदन कर आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है और राशन दुकान से चुराए गए राशन को भी बरामद कर लिया है। घटना के बारे में बताते चले की हरविन्द कुमार गुप्ता जो बालीडीह थाना क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी में राशन दुकान चलता है जिसके राशन दुकान से 25 जून की रात्री में अज्ञात अपराधियों द्वारा दुकान का एलवेस्टर तोड़कर दुकान के अन्दर से राशन के सामानों की चोरी कर लेता है। जिसको लेकर बालीडीह थाना में 26 जून को लिखित आवेदन दिया जाता है उक्त आवेदन के आधार पर बालीडीह थाना में मामला दर्ज करते हुए काण्ड के उदभेदन एवं बरामदगी हेतू कारवाई प्रारंभ की जाती है। जहां गुप्त सूचना के आधार पर 24 घंटे के अंदर काण्ड में संलिप्त अपराधी राहुल कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया जाता है जो बालीडीह थाना क्षेत्र में चोरी का दहशत बना रखा था और बालीडीह थाना क्षेत्र का ही रहनेवाला बताया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार करते हुए दुकान से चोरी गई सभी सामानों एवं घटना में प्रयुक्त औजार एवं गमछा को बरामद कर लिया गया है। इस घटना में संलिप्त अन्य अपराधियों के गिरफ्तारी हेतू, छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार व्यक्ति के द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया गया है तथा इसके निशानदेही पर चोरी का सामान एवं घटना में प्रयुक्त सामान जप्त किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति का पहले से अपराधिक इतिहास रहा है। बालीडीह थाना प्रभारी ने कहा की आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और चोरी गये 7 डब्बा हॉरलिक्स, 14 पीस डियोडरेन्ट, 5 पीस व्यवनप्राश, 7 पीस भिन्न भिन्न कंपनी का शैम्पू, 10 पीस पियर्स साबुन, चोरी गये अन्य सामान, जिसमें पेन्सिल बैटरी, सेविंग ब्रश, रेजर, बिरकिट, तेल, कीग, पाउडर बरामद किया गया है। बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने आगे कहा की चोरी के दौरान मुह को ढकने हेतू उपयोग किया गया लाल गमछा, दुकान का एस्बेस्टस तोड़ने में उपयोग किया गया लोहे का रॉड सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

करगली तीन नंबर धौडा में उत्साह से मनाया गया जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। करगली तीन नंबर धौडा स्थित रथ मंदिर में शुक्रवार को रथ महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. यहॉ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार हुए. श्रद्धालुओं ने गाजे- बाजे के साथ रथ को खींचकर करगली तीन नंबर धौडा क्षेत्र में भ्रमण कराकर मंदिर परिसर में ही खड़ा कर दिया. इससे पूर्व पुजारी पोखन पांडेय ने पूजा और हवन कराया. इसके बाद राधे- राधे गोविंद बोलो हरे राधे, हरे राम, हरे कृष्णा..., जय जगन्नथ महाप्रभु ... के उद्घोष के साथ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को रथ पर सवार कराया. वक्ताओ ने बताया कि मान्यता है कि इस रथ यात्रा के दर्शन मात्र भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जो भक्त इस रथ को खींचते हैं उन्हें सौ यज्ञों के समान पुण्य की प्राप्ति होती है. पद्मपुराण के अनुसार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से प्रारंभ होती है और रथ यात्रा का समापन देवशयनी एकादशी के दिन होता है। श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में रथ मंदिर के कमेटी सहित स्थानीय लोगो का महत्वपूर्ण योगदान रहा. मौके पर बुद्धी सागर, जीबू विश्वकर्मा, प्रहलाद राम, सरकचंद, लक्ष्मण लहरे, संतोष सिंह, राजन मुंडा, धर्मेंद्र महतो, राज कुमार, मोहित पांडेय, राजीव सिंह निकुंभ, सोनु झा, गौतम सिंह, अर्चना सिंह, कैलाश ठाकुर, रंजीत महतो, बबलु सिंह, नवल किशोर सिंह, ईश्वर प्रसाद, मनोज तिवारी, शरदचॉद, चॉद शरद निराला, ओम लहरे, सनत कुमार, भोला भारती आदि लोग मौजूद थे।

मंजूरा रथयात्रा मेला में उमड़े श्रद्धालु

बोकारो/कसमार। रथयात्रा के अवसर पर शुक्रवार को कसमार प्रखंड के मंजूरा स्थित सपाहीटांड़ मैदान में रथ मेला का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के दर्जनों गांवों के सैकड़ों लोग पहुंचे। रथयात्रा में मुख्य रूप से सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद शामिल हुए। रथ यात्रा का शुभारंभ सुबे के मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मध निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने किया। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में माता सुभद्रा और भगवान बलराम को भी सुशोभित किया गया। भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए श्रद्धालु की भीड़ रही। पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मध निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने मत्था टेका और महाप्रभु जगन्नाथ से क्षेत्र की खुशहाली की मंगलकामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक जीवन की वह धुरी है, जो सदियों से समाज को जोड़ती आई है। यह यात्रा भक्ति समर्पण और सामाजिक समरसता का अनुपम प्रतीक है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम शशि शेखर, पूर्व मुखिया नरेश कुमार महतो सिकंदर कपरदार रवि शंकर मेहता शिशुपाल महतो हरेंद्र महतो संजय महतो,बंशीधर महतो वासुदेव प्रजापति समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

भगवान जगन्नाथ की निकाली गयी रथ यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। उपराधानी दुमका सहित जिले में कई मंदिरों से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें अच्छी संख्या में भक्त शामिल हुए। दुमका शहर में दुर्गास्थान मंदिर, राधामधव मंदिर सहित अन्य जगहों से रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा के पूर्व दुर्गास्थान मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलराम जी और सुभद्रा की पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही दुर्गास्थान मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हो गया था। प्रतिमा स्थापन के पश्चात रथ यात्रा निकाली गई जो 10 टन लोहे से बने रथ पर भगवान जगन्नाथ के साथ सुभद्रा और बलराम भी सवार थे। भक्तों के बीच यह मान्यता है कि रथ यात्रा में शामिल होने और भगवान का रथ खींचने से सभी पापों से मुक्ति मिलती हैं और मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। रथ यात्रा में अच्छी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और रथ की रस्सी खींच कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। रथ यात्रा को लेकर दुमका के साथ ही मसलिया, बासुकीनाथ और रानेश्वर सहित ग्रामीण इलाकों में उत्सवी माहौल रहा। दुमका शहर के साथ ही कई मंदिरों से रथ यात्रा निकाली जिसमें अच्छी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और रथ की रस्सी खींच कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। दुमका के दुर्गास्थान में भगवान जगन्नाथ की यह रथ यात्रा धूमधाम के निकाली गई। इस रथ यात्रा में काफी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। भगवान जगन्नाथ के साथ ही रथ पर बलराम जी और सुभद्रा भी सवार थे। रथ यात्रा शहर के वीर कुंवर सिंह चौक, नीचे बाजार और टीन बाजार सहित शहर के कई प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी। जिधर से भी रथ गुजरी भक्तों ने थोड़ी दूर तक रथ खींच कर भगवान का आशीर्वाद लिया। रथ यात्रा निकालने से पहले दुर्गास्थान मंदिर में भगवान जगन्नाथ को स्थान कराया गया। एवं नए वस्त्र पहनाएं साथ ही भगवान को भोग दही चूड़ा, कटहल का कोवा, खुरमा, बतासा लगाया गया। उसके बाद भगवान जगन्नाथ के जयकारे के साथ रथ यात्रा मौसीबाड़ी से लेकर प्रस्थान किया।

हरिनाम संकीर्तन, झांकियां, भक्तों की टोली और गगनभेदी जय घोष के साथ भगवान का स्वागत किया गया

दुर्गास्थान मंदिर एवं इस्कॉन द्वारा राधा माधव मंदिर से निकाली गई रथ यात्रा

दुमका। इस्कॉन कमेटी के द्वारा राघव माधव मंदिर के परिसर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा गिलनपाड़ा स्थित राधा माधव मंदिर से निकलकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए पोखरा चौक शिव मंदिर के सामने तक पहुंची। इस भव्य रथ यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम एवं सुभद्रा की प्रतिमाएं भव्य रथ पर विराजमान थी। रथ यात्रा में पूरे नगर में हरिनाम संकीर्तन, झांकियां, भक्तों की टोली और गगनभेदी जय घोष के साथ भगवान का स्वागत किया गया। जगन्नाथ का रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वही भक्तों के द्वारा रथ के आगे झाड़ू लगाने की रस्म अदा की गई। इस दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए मंदिर में हजारों भक्तों का ताता लगा रहा। लोग एक-एक कर भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर रहे थे।

कंजकीरो मोड़ में महतो मार्केट एवं महतो बीज भंडार खुला

बेरमो /उपरघाट। नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट कंजकिरो पंचायत के कंजकीरो मोड़ में जाने माने कृषक मित्र लालमैन महतो एवं समाजसेवी गौतम कुमार महतो ने अपने क्षेत्र के समस्या को देखते हुए महतो मार्केट एवं महतो बीज भण्डार सहित टाइल्स दुकान इत्यादि का उद्घघाटन समारोह कार्यक्रम रखा गया। महतो मार्केट एवं महतो बीज भण्डार सहित अन्य दुकानों का उद्घघाटन आजसू पार्टी केंद्रीय महासचिव डुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी एवं जिला परिषद सदस्य सह आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव कुमारी खुशबू महतो ने किया उद्घघाटन समारोह में आजसू नेत्री यशोदा एवं खुशबू ने कहा कि इस तरह के विकास से सुदर्ग क्षेत्र का विकास होगा और गांव ग्राम के लोगों को अधिक सुविधा होगी इस नेक कार्य के लिए महतो मार्केट के संचालक लालमैन महतो एवं समाजसेवी गौतम कुमार महतो को ग्रामीणों ने शाहरणीय कार्य बताया मौके पर आजसू युवा नेता टिकैत कुमार महतो प्रखंड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो समाजसेवी योधा महतो जयराम महतो अमृत महतो अमर कुमार मनीष शर्मा शशि कुमार बबलू प्रजापति अमृत प्रजापति टूकामैन पाण्डेय सुरेन्द्र महतो भीम प्रजापति आदि लोग उपस्थित थे।

रथ खींचने को उमड़ा लाखों भक्तों का हुजूम

जगन्नाथ जी के जयकारों से गूंज उठी पुरी

▶▶ रथ के ऊपर गजपति महाराज दिव्य सिंहदेव ने सोने के झाड़ू से लगायी झाड़ू

एजेंसी

पुरी। पुरी जगन्नाथ धाम में महाप्रभु जगन्नाथ जी की नव दिनात्मक गुंडिचा यात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि शुक्रवार से शुरू हो गई। मंदिर के अंदर सुबह की रीति-नीति संपन्न होने के बाद चतुर्धा विग्रहों की पहंडी बिजे नीति सम्पन्न की गई। लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान जगरन्नाथ का रथ खींचा । रथ के ऊपर गजपति महाराज दिव्य सिंहदेव ने सोने के झाड़ू से झाड़ू लगाई, जिसे छेरा पहंरा कहते हैं। इसके बाद अन्य रीति नीति सम्पन्न होने के बाद सबसे पहले प्रभु बलभद्र जी के तालध्वज एवं फिर देवि सुभद्रा जी का रथ दर्प दलन को भक्तों द्वारा खींचा गया। सबसे अंत में जगत नियंता जगन्नाथ महाप्रभु के नंदीघोष रथ खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई।

महाप्रभु के रथ को जैसे ही भक्तों ने खींचना शुरू किया पूरा श्रीक्षेत्र धाम जगन्नाथ जी की ध्वनि से प्रकंपति हो गया। रथ के ऊपर भीड़ को नियंत्रित करने हेतु अनधिकृत व्यक्तियों के लिए रथ पर चढ़ना और श्रीविग्रह को छूना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहा। रथयात्रा के लिए शहर में करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है। ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुरानिया ने कहा कि हमने रथयात्रा के सुचारू संचालन के लिए हरसंभव इंतजाम किए हैं। उन्होंने बताया कि 275 से अधिक कृत्रिम मेधा (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे भीड़ पर नजर रख रहे थे। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद संबित पात्रा, मंत्री और कई अन्य लोग पुरी में पहांडी रस्म के साक्षी बने।

अमित शाह ने अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में की मंगला आरती

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को 148वीं रथयात्रा के पावन अवसर पर अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती में भाग लिया और भगवान के दर्शन किए। देशभर में भगवान जगन्नाथजी के प्रति गहरी आस्था है। प्रतिवर्ष आषाढ़ी बीज के पावन दिन भगवान जगन्नाथजी अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर यात्रा पर निकलते हैं।

भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा के दौरान खड़िया गोलावद के पास

रथयात्रा के दौरान तीन हाथी हुए बेकाबू, भगदड़ में एक घायल

हाथी बेकाबू हो गया जिसके बाद मची भगदड़ में एक व्यक्ति घायल हो गया। हालांकि जल्द ही हाथी को काबू कर लिया गया। जिसके बाद रथयात्रा शुरू हुई। रथ यात्रा में 17 हाथियों का ग्रुप सबसे आगे चल रहा था। इसी दौरान तीन हाथी बेकाबू होकर भागने लगे और लोगों में भगदड़ मच गई। वन विभाग के अमले ने हाथी को काबू कर लिया। घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसके बाद 3 हाथियों को हटा दिया गया है, जिसमें दो मादा हाथी और एक नर हाथी शामिल है।

स्पीड न्यूज

पंजाब में गैंगस्टर जग्गू की मां समेत दो लोगों की हत्या

चंडीगढ़। गुरदासपुर में हथियारबंद युवकों ने गुरुवार रात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां हरजीत कौर और उसके सहयोगी नौजवान करणवीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की जिम्मेदारी बंबीहा गैंग ने ली है। करणवीर के पिता पंजाब पुलिस में थानेदार हैं। पुलिस हत्याकांड का नतीजा गैंगवार मान रही है। पिछले दिनों लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गुट में हुए विवाद के बाद यह पहला गैंगस्टर हत्याकांड है।

मोहाली में बब्बर खालसा के तीन सदस्य गिरफ्तार

मोहाली। पंजाब में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) मोहाली ने पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ करते हुए एक किशोर सहित इसके तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सहजपाल सिंह और विक्रमजीत सिंह के रूप में हुई है, जो दोनों अमृतसर ग्रामीण के रामदास के निवासी हैं, साथ ही एक किशोर भी है। आरोपियों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, एक ग्लॉक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

मां के प्रेमी से थे बेटी के संबंध, शादी किसी और से

हैदराबाद। तेलंगाना के गडवाल जिले में एक आवास कंपनी में मैनेजर तिरुमला राव के एक महिला व उसकी बेटी ऐश्वर्या दोनों से अवैध संबंध था।इसी दौरान ऐश्वर्या की सगाई एक भूमि सर्वेक्षक से तय हो गई। दोनों की शादी भी हो गई, लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही ऐश्वर्या ने तिरुमला राव के साथ मिलकर सुपारी देकर पति को मरवा दिया। पुलिस ने भूमि सर्वेक्षक की हत्या में ऐश्वर्या और उसके प्रेमी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस बताया कि उसने तेजेश्वर (32) के लापता होने की शिकायत मिलने के एक सप्ताह के भीतर ही इस मामले को सुलझा लिया है।

लीची की पहली खेप कतर हुयी रवाना

नयी दिल्ली। भारत ने बागवानी निर्यात को बढ़ावा देते हुए पंजाब के पठानकोट से कतर की राजधानी दोहा तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े शहर दुबई के लिए डेढ़ मीट्रिक टन गुलाब की खुशबू वाली लीची की पहली खेप रवाना की है। दोहा के लिए एक टन लीची की पहली खेप रवाना की गयी है। पठानकोट से दुबई को 0.5 मीट्रिक टन लीची की एक अलग खेप भेजी गयी है जो निर्यात में दोहरी उपलब्धि और वैश्विक ताजे फल बाजार में भारत की बढ़ती उपस्थिति दर्शाता है।

हापुड़ में 3.90 लाख के नकली नोट जब्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस ने नकली नोट छापने व तस्करी करने वाले गिरोह के तीन अपराधियों को हापुड़ जिले से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 3.90 लाख रुपये के नकली नोट जब्त किया है। एटीएस ने शुक्रवार को बताया कि हापुड़ जिले के पिलखुआ क्षेत्र स्थित दिनेश नगर कॉलोनी में नकली नोट छापने और नोटों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करने की सूचना मिली थी। एटीएस ने गुरुवार को भोजपुर रोड पिलखुआ के पास एक कार से नकली नोटों के साथ गजेंद्र यादव और उसके साथी सिद्धार्थ झा को गिरफ्तार कर लिया।

आरएसएस के लोगों को चुभता है संविधान : राहुल

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस को संविधान विरोधी करार देते हुए कहा है कि इस विचारधारा के लोगों का संविधान को लेकर दिये ताजा बयान से मुखौटा एक बार फिर उतर गया है। गांधी ने शुक्रवार कहा कि संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वह समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।

भारत के साथ जल्द होगा बड़ा व्यापार समझौता : ट्रंप

▶▶ अमेरिका ने चीन के साथ ट्रेड डील पर किया हस्ताक्षर

▶▶ वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंचा भारतीय दल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता होने वाला है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता प्रक्रिया में प्रगति का संकेत दिया। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में आयोजित बिग ब्यूटीफुल बिल कार्यक्रम में कहा कि हमारे पास कुछ बेहतरीन समझौते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, उन्होंने चीन के साथ किए गए समझौते के बारे में विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने कहा कि हर कोई एक समझौता करना चाहता है और उसमें हिस्सा लेना चाहता है। याद कीजिए कुछ महीने पहले, मीडिया कह रहा था कि क्या वाकई कोई ऐसा (देश) है जो इसमें दिलचस्पी रखता हो? ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक भारतीय दल, अमेरिका के साथ अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए गुरुवार को वाशिंगटन पहुंचा। दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं और नौ जुलाई से पहले समझौते को अंतिम रूप

देने की कोशिश में हैं। अमेरिका ने दो अप्रैल को घोषित उच्च शुल्क को नौ जुलाई तक के लिए निलंबित किया है। भारत के लिए कृषि और दुग्ध क्षेत्र अमेरिका को शुल्क रियायतें देने के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। भारत ने अब तक हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में दुग्ध क्षेत्र को नहीं खोला है।

2 जुलाई से पांच देशों की यात्रा पर जायेंगे प्रधानमंत्री

6-7 को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा पर रहेंगे। इसमें घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल है। इस दौरान वे ब्राजील में 6-7 जुलाई को आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। ब्रिक्स नेताओं का 17वां शिखर सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में होगा। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री वैश्विक शासन में सुधार, शांति और सुरक्षा, बहुपक्षवाद को मजबूत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग, जलवायु कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक और वित्तीय मामलों सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

कोलकाता में फिर छात्रा से दरिंदगी

लॉ कॉलेज में पूर्व छात्र ने किया रेप, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ संस्थान के भीतर कथित तौर पर पूर्व छात्र ने बलात्कार किया। वहीं दो वरिष्ठ छात्रों ने इस अपराध में मुख्य आरोपी की सहायता की। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई इस वीभत्स घटना ने पिछले साल अगस्त में शहर के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुई बलात्कार और हत्या की भयावह यादें ताजा कर दीं। कॉलेज के सूत्रों ने बताया कि हालिया घटना का मुख्य आरोपी कॉलेज का पूर्व छात्र है। पुलिस ने पुष्टि की है कि दो अन्य आरोपी संस्थान के मौजूदा छात्र हैं और पीड़िता के वरिष्ठ हैं। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि मुख्य आरोपी को हाल में 45 दिनों की अनुबंध अवधि के लिए संस्थान में अस्थायी गैर-शिक्षण कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

आरोपी कॉलेज की तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद इकाई का पूर्व अध्यक्ष और टीएमसी के छात्र संगठन की दक्षिण कोलकाता शाखा का संगठन सचिव है। सामूहिक बलात्कार 25 जून की शाम को कॉलेज के छात्र संघ कार्यालय के बगल में भूतल पर एक गार्ड के कमरे के अंदर हुई।

सिसोदिया और सत्येंद्र जैन फिर होंगे गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दो हजार करोड़ से अधिक के क्लासरूम घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) को पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार में उप मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री रहे मनीष सिसोदिया और पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे सत्येंद्र जैन के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिल चुके हैं। इसके आधार पर एसीबी ने दोनों पूर्व मंत्रियों को गिरफ्तार करने का निर्णय लिया है। इनकी गिरफ्तारी के बाद निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों व पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर समेत बिचौलिये को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। आबकारी घोटाला व मनी लांड्रिंग मामले में सिसोदिया व सत्येंद्र जैन लंबे समय तक जेल में रहने के बाद कई माह से नियमित जमानत पर बाहर हैं। अब क्लासरूम घोटाले में दोनों नेताओं की सिरदर्दी एक बार फिर बढ़ सकती है।

तीन जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

अर्धसैनिक बलों की 180 से अधिक कंपनियां तैनात

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू में अर्धसैनिक बलों की 180 से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वार्षिक अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग से शुरू होगी। जम्मू क्षेत्र के आईजीपी भीम सेन टूटी ने बताया कि प्रशासन इस वर्ष सफल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए तैयार और प्रतिबद्ध है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। टूटी ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस के अलावा, यात्रा के लिए अर्धसैनिक बलों की

180 से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि लखनपुर से बनिहाल तक जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। आईजीपी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और जहां-जहां श्रद्धालु ठहरते हैं या लंगर होते हैं, वहां भी सुरक्षा दी गई है। उन्होंने कहा कि इस बार लखनपुर से जम्मू के बीच भी पूरे रास्ते की पहले से जांच और निगरानी करने वाली टीमें तैनात रहेंगी, जो पिछले साल नहीं थीं।

झारखंड समेत देशभर में 7 दिनों तक भारी बारिश की संभावना

नयी दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 27 जून को देशभर में अगले सात दिनों तक देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी इलाकों में स्थित पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ बिजली गिरने और आंधी की आशंका है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

बिहार में सीएम के लिए तेजस्वी चेहरा : कन्हैया

▶▶ महागठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल राजद का नेता ही होगा मुख्यमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के प्रमुख चेहरा होने को लेकर कोई असमंजस और विवाद नहीं है क्योंकि विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल के रूप में राजद का नेता ही स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक साजिश के तहत इनसे ध्यान भटकाने के लिए बार-बार चेहरे की बात की जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी ने महागठबंधन के घटक दलों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे। जिसकी बड़ी जिम्मेदारी है वह निभाएगा और जिसकी छोटी जिम्मेदारी है, उसका भी निर्वहन जरूरी है। एक चुटकी नमक कम तो खाना बेस्वाद और एक चुटकी ज्यादा हो तो भी खाना बेस्वाद इसलिए सब अपनी अपनी भूमिका निभाएंगे। बिहार में कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शुमार इस नेता ने महागठबंधन में सीनियर और जूनियर घटक के विचार को खारिज करते हुए कहा कि सभी दलों की अपनी भूमिका है और वे एकजुट होकर सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

लगातार चौथे दिन शेयर बाजार ने भरी उड़ान

सेंसेक्स 303 अंक तेजी के साथ नौ महीने बाद 84,000 के पार

निफ्टी 81 अंक उछलकर 5637.80 पर बंद हुआ

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेतों से यूरोपीय बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, ऊर्जा, तेल एवं गैस, पावर और सर्विसेज समेत 16 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन मजबूती रही।

सेंसेक्स 303.03 अंक की छलांग लगाकर करीब नौ महीने के उच्चतम स्तर और 84 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 84,058.90 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले यह 01 अक्टूबर

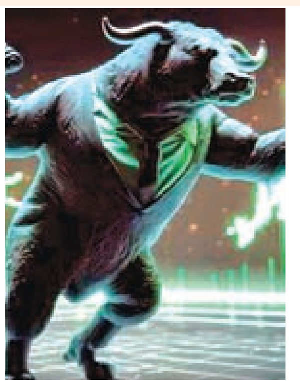

2024 को 84,266.29 अंक पर रहा था। निफ्टी 88.80 अंक की तेजी के साथ 5637.80 पर बंद हुआ। बीएसई का मिडकैप 0.38 प्रतिशत मजबूत होकर 46,541.25 अंक और स्मॉलकैप 0.54 प्रतिशत उछलकर 54,249.40 अंक हो गया। बीएसई में कुल 4165 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2251 में लिवाली जबकि 1760 में बिकवाली हुई वहीं 154 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए राखी गई कुल 2986 कंपनियों के शेयरों में से 1681 में तेजी जबकि 1229 में गिरावट रही वहीं 76 में टिकाव रहा। बीएसई के 16 समूहों में तेजी का रुख रहा।

निवेशकों को 2.61 लाख करोड़ फायदा

शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ कर 460.13 लाख करोड़ रुपये हो गया। गुरुवार को I मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को करीब 2.61 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

ये हैं टॉप गेनर्स व लुजर्स

सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में एशियन पेंट 3.06, अल्ट्रासिम्को 2.43, पावरग्रिड 2.11, आईसीआईसीआई बैंक 1.56, रिलायंस 1.39, बीईएल 1.19, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.14, सन फार्मा 1.12, एसबीआई 1.05, अदानी पोर्ट्स 0.75, टाटा स्टील 0.56, टाटा मोटर्स 0.54, एलटी 0.50, भारती एयरटेल 0.38, एनटीपीसी 0.24, कोटक बैंक 0.18, एचसीएल टेक 0.08 और टीसीएस 0.04 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, ट्रेंट 1.42, इटरनल 1.13, टेक महिंद्रा 0.93, एक्सिस बैंक 0.74, टाइटन 0.66, बजाज फाइनेंस 0.52, बजाज फिनसर्व 0.46, एचडीएफसी बैंक 0.43, मारुति 0.43, इंफोसिस 0.40, आईटीसी 0.33 और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.31 प्रतिशत नुकसान में रहे।